शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 123 | गुवाहाटी | गुरुवार, 24 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कैंसर जीव विज्ञान में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम किए जाएंगे शुरू — पेज 3

नौसेना प्रमुख ने हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद में गिनाएं हिंद महासागर क्षेत्र के बढ़ते खतरे — पेज 4

झांसी में आज एक घंटा 50 मिनट रुकेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, तैयारियां पूर्ण — पेज 5

राजस्थान में ऐतिहासिक होगी राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा : गहलोत — पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती समारोह नई दिल्ली में शुरू

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हि.स.)। लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती समारोह के तहत बुधवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में द *आहोम सागा ऑफ होप स्किल्स एंड करेज* पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। असम सरकार की पहल पर सप्ताह भर चलने वाले राज्यस्तरीय लाचित बरफुकन जयंती मनाई जा रही है। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी बुधवार से तीन दिवसीय कार्यक्रमों के साथ लाचित बरफुकन की जयंती मनाई जा रही है। चर्चा के संचालक असम के सेवानिवृत्त मुख्य सचिव जिष्णु बरुवा थे, जबकि पैनलिस्ट असम के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. समुद्र गुप्ता कश्यप, डिब्रुगढ़ विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. चंदन कुमार शर्मा, शिक्षाविद कुलदीप पटवारी, पूर्व डीजी असम प्रकाश सिंह, भारतीय सेना के पूर्वी कमान के जीओसी इन सी लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता और जेएनयू के प्रो वाइस चांसलर प्रो. कपिल कपूर थे। वक्ताओं ने आहोम लोगों के सैन्य कौशल और असम, भारत और पूरे दक्षिण पूर्व एशिया के इतिहास में उनके महत्व के विशेष संदर्भ में उनके सामाजिक-आर्थिक महत्व पर विस्तार से *-शेष पृष्ठ दो पर*

पुलिस को बरतना चाहिए था संयम : सीएम

गुवाहाटी/शिलांग/नई दिल्ली। असम-मेघालय सीमा पर मंगलवार की हुई घटना पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि असम पुलिस को संयम बरतना चाहिए था। घटना पर हम नजर बनाए हुए हैं। हमने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए एसपी का स्थानांतरण और थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया। इसके साथ ही हमने मामले की जांच सीबीआई या एनआईए से कराने का अनुरोध किया है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि पुलिस को संयम का परिचय देना चाहिए था। पुलिस ने जितनी फायरिंग की, उतनी करने की जरूरत नहीं थी। कई लोगों की जान चली गई। अगर असम पुलिस ने गलती की है, तो जांच में वह सामने आ जाएगा। मेघालय के सीएम कोरनाड सांग्मा से कल से तीन से चार बार मेरी बात हो चुकी है। उनके सीबीआई जांच की मांग से पहले ही मैं सीबीआई या एनआईए से मामले की जांच का अनुरोध कर चुका हूं। इसका सीमा विवाद का कोई संबंध नहीं है। इस बीच शिलांग और उसके आसपास सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त कर दिए गए हैं। असम और उसके पड़ोसी राज्य मेघालय में हुई गोलीबारी का मामला गृहमंत्री तक पहुंच गया है। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा ने इस संबंध में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से बात की है। इसके साथ ही सांग्मा ने इस घटना की जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी दी है और उनसे इस मामले में हस्तक्षेप और कार्रवाई करने की मांग की है। असम-मेघालय सीमा पर हुई गोलीबारी की घटना के बाद मेघालय मंत्रिमंडल ने बुधवार को चर्चा करने के लिए बैठक की। गृह मंत्री लहकमेन रिंबुई ने घटना स्थल का दौरा किया और ग्राउंड जीरो से अपनी रिपोर्ट भी साझा की। गुरुवार को एक कैबिनेट प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात करेगा। उन्हें आधिकारिक रूप से मुकरोह में हुई गोलीबारी की घटना से अवगत कराएगा और केंद्रीय एजेंसी एनआईए या सीबीआई के माध्यम से जांच की मांग करेगा। सरकार ने 30 तक सभी सरकारी आधिकारिक कार्यक्रमों को निलंबित कर दिया है। कैबिनेट ने यह भी कहा कि घटना की एक रिपोर्ट एनएचआरसी को भी सौंपी जाएगी। इसके अलावा प्राथमिकी दर्ज होने पर मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया जाएगा और पूर्वी रेंज के डीआईजी इसकी कमान संभालेंगे। इस, घटना के बाद बुधवार को मेघालय जाने वाले घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक गुवाहाटी में फंस गए हैं। जिन विदेशी पर्यटकों ने मेघालय जाने के लिए पहले से ही बुकिंग कराई थी, लेकिन घटना के बाद उनको बॉर्डर से मेघालय में जाने की इजाजत नहीं दी गई। इस्त्राइल से आए कई पर्यटकों ने बताया कि उन्हें मेघालय जाना था, लेकिन जाने नहीं दिया गया। उन्हें बताया गया कि हालात ठीक होने के बाद ही आगे जाने दिया जाएगा। इसी तरह से कई विदेशी पर्यटक शिलांग में फंस गए हैं। इस बीच, मेघालय में असम नंबर की गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। अभी तक इस घटना में किसी के हताहत होने या किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। इस बीच, तनाव को और बढ़ने से रोकने के लिए शिलांग शहर और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। असम पुलिस की फायरिंग में मंगलवार सुबह असम वन रक्षक सहित छह लोगों की मौत हो गई।

फाइल फोटो

मेघालय सरकार के प्रतिनिधि मंडल से केंद्रीय गृहमंत्री मिलेंगे

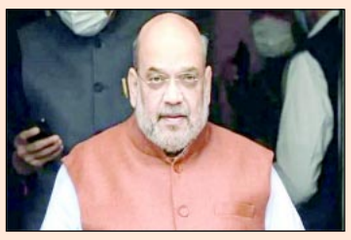

नई दिल्ली। असम के साथ लगती सीमा पर हुई हिंसा को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कल यानि 24 नवंबर को मेघालय के सीएम सी के सांग्मा की अगुवाई में मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेंगे। अमित शाह ने इस मामले की जांच के लिए सीबीआई या एनआईए की मांग की है। असम सरकार ने बताया सीमा के साथ लगती विवादित सीमा पर हुई हिंसा में 6 लोग मारे गए थे। सीएम सांग्मा ने मंगलवार को मंत्रिमंडल की एक बैठक के में कहा कि वह अमित शाह से इस घटना के बारे में बताएंगे और इस मामले की जांच के लिए सीबीआई या एनआईए को सौंपने की मांग करेंगे। *-शेष पृष्ठ दो पर*

राज्य मंत्रिमंडल का निर्णय

सीमा पर गोलीकांड की जांच सीबीआई को

दिल्ली/गुवाहाटी (हि.स.)। नई दिल्ली स्थित असम हाउस में बुधवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक हुई जिसमें असम-मेघालय सीमा पर पिछले दिनों हुई गोलीबारी की सीबीआई जांच कराने का निर्णय लिया गया। इस बैठक में राज्य मंत्रिमंडल ने कई दूसरे अहम निर्णय लिए। मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने आज संवाददाता सम्मेलन में मंत्रिमंडल के फैसलों के बारे में जानकारी दी। सरकार ने असम-मेघालय सीमा पर मुइक्रोंग में हुई घटना पर दुख जताते हुए इसकी निंदा की है। असम मंत्रिमंडल ने न्यायमूर्ति रूमी फुकन को घटना की न्यायिक जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। कैबिनेट ने 60 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी कहा। दूसरी ओर कैबिनेट ने घटना की पुलिस जांच सीबीआई को सौंप दी है। साथ ही सीमा विवाद वाले क्षेत्रों में ऐसी स्थिति में गोली चलाने या नहीं चलाने को लेकर पुलिस विभाग को एसओपी बनाने का निर्देश दिया है। मंत्री बरुवा ने बताया कि आज की कैबिनेट ने 2023 के लिए सरकारी छुट्टियों की सूची को मंजूरी दे दी है। इस सूची में कैबिनेट ने 38 दिन की राजपत्रित छुट्टियों, 30 दिन की बहाली वाली छुट्टियों और दो दिन की आधी छुट्टी को मंजूरी दी। इस बीच, कैबिनेट ने असम के तीताबर में सिल्क कॉलेज के लिए 22.41 करोड़ रुपए मंजूर किए। दूसरी ओर, कैबिनेट ने जोंगल बल्हू इकोलॉजिकल साइट के विकास और बुनियादी ढांचे (लॉज, एक्वेरियम) आदि के निर्माण के लिए 50 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। मंत्रिमंडल ने 2,000 नए प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए 25-25 लाख रुपए कुल 500 करोड़ रुपए मंजूर करने का निर्णय लिया है। मंत्रिमंडल ने उत्तर गुवाहाटी के गौरीपुर में चाय जंक्शन के रूप में उत्तर गुवाहाटी पुल के निर्माण के लिए 332 करोड़ 59 लाख रुपए *-शेष पृष्ठ दो पर*

सुप्रभात

जिस आदमी से हमें काम लेना है, उससे हमें वही बात करनी चाहिए जो उसे अच्छी लगे। जैसे एक शिकारी हिरन का शिकार करने से पहले मधुर आवाज में गाता है।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

दिल्ली एम्स का सर्वर सुबह 7 बजे से डाउन

नई दिल्ली। दिल्ली एम्स का सर्वर डाउन है। इस सर्वर में पीएम नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति दौपद्री मुर्मु समेत कई बड़ी हस्तियों के मेडिकल रिकॉर्ड शामिल है। सूत्रों की मानें तो यह हैंकिंग का प्रयोग हो सकता है। साइबर क्राइम एजेंसियों ने जांच भी शुरू कर दी है। इस अस्पताल में देशभर से मरीज आते हैं। खबरों के मुताबिक, दिल्ली एम्स का सर्वर आज सुबह सात बजे से डाउन है। सर्वर डाउन होने की वजह से मरीजों का कम्प्यूटर से रजिस्ट्रेशन करना बंद *-शेष पृष्ठ दो पर*

गर्वनर के शपथ समारोह का बायकॉट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस के शपथ ग्रहण में नहीं गए। इसकी वजह समारोह में किया गया सीटिंग अरेंजमेंट था। सुवेंदु ने ट्वीट की सीरीज में बताया कि उन्हें विधायक कृष्णा कल्याणी और बिस्वजीत दास के बगल में बैठाया गया था, जो भाजपा के टिकट पर चुने गए थे, लेकिन बाद में टीएमसी में शामिल हो गए। इतना ही नहीं उन्होंने ममता बनर्जी को भारत *-शेष पृष्ठ दो पर*

संवैधानिक पदों को खाली नहीं छोड़ा जा सकता : सीजेआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति के लिए *सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम* द्वारा भेजी गई सभी सिफारिशों को तुरंत अधिसूचित करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग करने वाले एक मामले की सुनवाई के लिए सहमति जता दी है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस हिमा कोहली और जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि अधिवक्ता प्रशांत भूषण द्वारा मामले का उल्लेख करने के बाद मामले को सूचीबद्ध करने का निर्णय लिया गया है।। भूषण ने इस मामले का जिक्र करते हुए कहा कि यह याचिका 2018 में दायर की गई थी और कुछ भी सूचीबद्ध नहीं था। हम सरकार के लिए परमादेश मांग रहे हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि इसे सूचीबद्ध किया जाएगा। मैं प्रशासनिक आदेश पारित करूंगा। एनजीओ सेंटर फॉर *-शेष पृष्ठ दो पर*

अमेजन इंडिया को छंटनी पर नोटिस

बेंगलुरु। श्रम मंत्रालय ने कर्मचारियों की छंटनी को लेकर अमेजन इंडिया को समन भेजा है। मंत्रालय ने साक्ष्यों के साथ निजी तौर पर या किसी प्रतिनिधि के माध्यम से बुधवार को बेंगलुरु स्थित डिप्टी लेबर कमिश्नर के सामने पेश होने को कहा है। दरअसल, कर्मचारी यूनियन नैससेंट इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी इंप्लाइज सीनेट (एनआइटीईएस) ने अमेजन इंडिया पर श्रम कानून के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए मंत्रालय से इसकी शिकायत की थी, जिसके बाद अमेजन इंडिया को नोटिस जारी किया गया है। यूनियन ने *-शेष पृष्ठ दो पर*

गोलीबारी के विरुद्ध खासी समुदाय का विरोध प्रदर्शन

रि-भोई (हि.स.)। कार्बी आंग्लांग जिला में असम-मेघालय सीमावर्ती मइक्रोंग गांव में हुई गोलीबारी में पांच लकड़ी तस्कर (खासी समुदाय के नागरिक) और एक वन रक्षक की मौत के बाद भारी तनाव को देखते हुए मंगलवार सुबह से ही असम-मेघालय सीमा पर असम पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मेघालय पुलिस के आला अधिकारियों ने बताया है कि बीती रात राजधानी शिलांग में दूसरे राज्यों की कुल तीन गाड़ियों को स्थानीय उपद्रवियों द्वारा क्षतिग्रस्त करने के साथ ही वाहनों में आग लगाने की भी कोशिश की गई। ज्ञात हो कि *-शेष पृष्ठ दो पर*

श्रद्धा मामले की करेंगे जांच : देवेंद्र फडणवीस

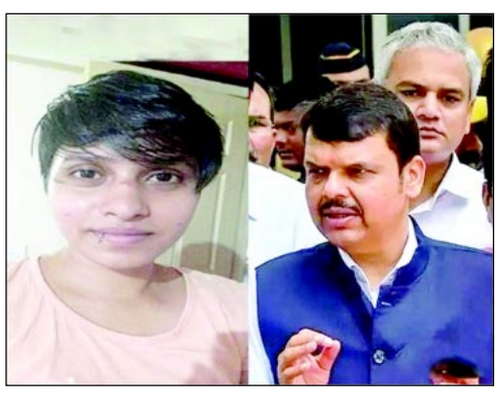

मुंबई। देश को हिला देने वाला श्रद्धा हत्याकांड में हर दिन नए-नए खुलासे हो रहे है। हाल ही में श्रद्धा की पुलिस को दी एक शिकायत सामने आई है, जिसमें श्रद्धा ने 2 साल पहले मुंबई पुलिस को लिखित में कहा था कि उसका लिव इन पार्टरन उसे बुरी तरह माराता पिटता है और उसके टुकड़े करने की धमकी देता है। वहीं अब इस शिकायत के सामने आते ही मुंबई के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी अपना कड़ा रूख दिखाया। उन्होंने कहा कि मैंने पत्र देखा (2020 में श्रद्धा द्वारा पुलिस को की गई शिकायत) और इसमें बहुत गंभीर पत्र हैं। कार्रवाई क्यों नहीं की गई इसकी जांच की जाएगी। मैं किसी पर दोषारोपण नहीं करना चाहता लेकिन... इस प्रकार की शिकायत कार्यवाही नहीं हुई। इसलिए इसकी जांच जरूरी है. उन्होंने कहा कि अगर लेटर पर कार्रवाई होती तो श्रद्धा की जान बच जाती। गौरतलब है कि पूनावाला और श्रद्धा की मुलाकात एक डेटिंग एप के जरिए हुई थी। इसके बाद उन्होंने मुंबई में एक कॉल सेंटर में साथ काम करना शुरू किया और दोनों के बीच वहीं से प्रेम संबंध शुरू हुए। बाद में वे दिल्ली आ गए थे। दोनों के बीच कथित तौर पर 18 मई को शादी को लेकर बहस हुई, जिसके बढ़ने पर पूनावाला ने श्रद्धा की हत्या कर दी और उसके शव के 35 टुकड़े कर दिए। पूनावाला ने दक्षिणी दिल्ली के महरौली में अपने घर पर करीब तीन सप्ताह तक इन टुकड़ों को 300 लीटर के फ्रिज में रखा। वह *-शेष पृष्ठ दो पर*

हिजाब को लेकर छात्रों के दो गुट भिड़े, परीक्षा रद्द

कोलकाता। हिजाब का मुद्दा पूर्वी राज्य पश्चिम बंगाल भी पहुंच गया है। हावड़ा में हिजाब को लेकर छात्रों के दो गुटों की बीच बात इतनी बढ़ गई कि सरकारी स्कूल में चल रही परीक्षा को रद्द करनी पड़ गई। जब एक समूह ने परीक्षा के दौरान *नामाबली* (भगवा पटका) पहनने की मांग की। घटना की एक कथित वीडियो में पटका पहने कुछ छात्रों का एक छोटा समूह और कुछ लोग स्कूल के फाटक पर जमा दिख रहे हैं, जबकि छात्रों का एक और समूह अंदर खड़ा है। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच किसी भी तरह की झड़प को रोकने के लिए विद्यालय के अधिकारी और पुलिस वहां मौजूद थे। धुलागोर आदर्श विद्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि लगभग पांच छात्र मंगलवार को 12वीं कक्षा की प्री-बोर्ड परीक्षा के लिए नामाबली पहनकर स्कूल में दाखिल होना चाहते थे। प्रवक्ता ने कहा कि छात्रों ने परीक्षा के दौरान पटका पहनने की अनुमति मांगी। उन्होंने दावा किया कि उनकी कुछ सहपाठी पिछली *-शेष पृष्ठ दो पर*

प्रेमिका के शव से शादी

गुवाहाटी। असम में अनोखी शादी ने देखने वालों को भावुक कर दिया है। यहां एक लड़के ने प्रेमिका की मौत हो जाने पर उसके शव से शादी रचाई। शादी का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें दिखाई दे रहा है कि लड़के ने शव के माथे पर सिंदूर लगाया। इसके बाद उसे सफेद माला पहनाई और *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

चीन सबक सिखाने के लिए सेना ने बनाया प्लान

हाईटेक ड्रोन और मिसाइलें की तैनात

नई दिल्ली। ये तो पुरानी कहावत है कि चोर चोरी से जाए लेकिन हेराफेरी से न जाए। कुछ ऐसी ही हालत चीन की है। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर हाथ मिलाकर बॉर्डर पर कमांडर लेवल की मीटिंग करके चीन खुद के सुधरने का कितना भी हवाला दे लेकिन सच्चाई यही है कि चीन की साजिशें न कभी कम हुई थीं और न कभी होंगी। दो साल से ज्यादा का वक्त बीत चुका है, लेकिन भारत और चीन के बीच पूरी तरह से शांति अब भी नहीं हो पाई। दो साल पहले यानी मई 2020 में चीनी सेना ने भारतीय इलाकों में घुसपैठ की कोशिश की थी, जिसका माकूल जवाब आर्मी ने दिया। तब से अब तक 16 बार हाई लेवल मीटिंग हो चुकी है। मगर ड्रैगन अब भी लद्दाख की तरफ नजरें गराए बैठा है। दुनिया के तमाम देशों से चीन का 36 का आंकड़ा है। जमीन की भूख और विस्तारवाद का जहर लेकर चीन हिन्दुस्तान के साथ भी साजिशों के जाल बुन रहा है। बदलते मौसम को ढाल बनाकर चीन एलएसी पर अपनी मौजूदगी को बढ़ा रहा है। लेकिन हिन्दुस्तान की रणनीति और मोदी सरकार की नीतियों के आगे जिनपिंग लगातार मात खा रहे हैं। चीन की यही बेचैनी उसके लिए नई मुसीबत लेकर आने वाली है। एलएसी पर बदलते कुदरती हालातों के बीच चीन की फौज भी अपने रंग-ढंग बदलने लगी है। खबरों के मुताबिक भारत-चीन सीमा पर जारी तनाव के बीच पीपुल्स लिबरेशन आर्मी यानी पीएलए अपनी वेस्टर्न थियेटर कमांड को मजबूत कर रहा है। पीएलए ने अपनी दो कंबाइंड आर्मड ब्रिगेड को अरुणाचल प्रदेश में तैनात किया है। एक ब्रिगेड को चीन भूटान सीमा के पास सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास रिजर्व के रूप में तैनात किया है। भारतीय सेना ने आधुनिक हथियारों और रक्षा संसाधनों के साथ लद्दाख में तेजी से अपनी क्षमता बढ़ा रही है। इसमें आर्टलरी गन, स्वान ड्रोन सिस्टम शामिल हैं जो दुश्मन के इलाके में आक्रमक मिशन को अंजाम दे सकते हैं। इसके अलावा लंबी दूरी के रॉकेट दूर से ही ऑपरेट किए जाने वाले एयर सिस्टम और बख्तरबंद गाड़ियों के साथ पहाड़ों में युद्ध के लिए हल्के टैंकों को डेवलप किया जा रहा है। एलएसी पर पीएलए का मुकाबला करने के लिए सेना की रणनीति का अहम हिस्सा कैपिबल्टि बढ़ना है। जिसके लिए रक्षा सौदों से लेकर कई परियोजनाओं के लिए सरकारी मंजूरी मिल रही है। क्षमता बढ़ाने के लिए स्वदेशीकरण पर भी जोर दिया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले ढाई सालों के दौरान हमने काफी जमीन को कवर किया है। बहुत सारे उपकरण पहले ही आ चुके हैं और बहुत सारे हार्डवेयर शामिल करने की योजना है। हड्डियों को भी कंपा देने वाली ठंड में मूवमेंट में परेशानी होती है। जरा सी चूक हुई और दुश्मन तो जैसे इसी ताक में बैठे हों। इसके लिए सेना अपनी तैयारी में लगी है। पूरे मौसम के लिए सैनिकों के लिए सभी जरूरी चीजों जमा कर ली गई है। इसके अलावा ठंड के लिए शेल्टर बनाए गए हैं और 15 हजार की फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर माइनस वाले तापमान में शेल्टर में मौजूद सैनिकों को तापमान सामान्य मिलेगा। सोलर बिजली से रोशनी और पीने के लिए तालाब बनाया गया है। पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील पर भारतीय सेना ने नई स्पीड बोट तैनात की हैं। एलएसी के पास इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने और सेना की क्षमता बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों में से एक यह भी है। भारतीय सेना की वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) तक पहुंच बढ़ाने और तैनाती में लगने वाला वक्त कम करने के लिए कई रोड प्रॉजेक्ट पर काम हुआ है और सेना की गश्ती मजबूत करने के लिए नए ट्रैक बनाए गए हैं।

कोकराझाड़ में वीर लाचित बरफुकन पर प्रदर्शनी का आयोजन

कोकराझाड़ (हि.स.)। राज्य सरकार की पहल पर पूरे राज्य में सप्ताहव्यापी वीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती समारोह का आयोजन गत 18 नवंबर से जारी है। इसी कड़ी में कोकराझाड़ जिला उपायुक्त कार्यालय में लाचित बरफुकन पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन बोडोलैंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लाईश्रम लड्डू सिंह ने किया। उन्होंने लाचित बरफुकन और उनके उत्तराधिकारियों पर सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर कोकराझाड़ की उपायुक्त वर्णाली डेका ने भी अपने विचार साझा किये। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित छात्रों से आह्वान किया कि वे वीर लचित बरफुकन द्वारा प्रदान किए गए अवसरों और प्रदर्शनी का पूरा उपयोग करें, जिसमें उस समय के आहोम शासन के पूरे जीवन को प्रदर्शित किया गया है। इस अवसर पर गोसाईगांव के सर्किल अधिकारी अरण्यक हजारिका ने भी अपने विचार रखे। आसपास के स्कूलों, विभिन्न सरकारी स्कूलों के बड़ी संख्या में छात्रों, शिक्षकों और पदाधिकारी प्रदर्शनी देखने पहुंचे थे। उपायुक्त वर्णाली डेका ने कोकराझाड़ वासियों को प्रदर्शनी देखने का आह्वान किया। प्रदर्शनी आज सुबह आरंभ हुआ।

असम-मेघालय सीमा घटना पर भाजपा ने जताया दुख

गुवाहाटी (हि.स.)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने असम की जमीन पर जंगलों की लूटपाट और विनाश रोकने के लिए असम-मेघालय सीमा पर वन माफिया द्वारा उत्पन्न की गई कानून-व्यवस्था की स्थिति पर खेद व्यक्त करते हुए इस तरह की घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। भाजपा ने पश्चिम कार्बी आंग्लांग के वन क्षेत्र में लंबे समय से लकड़ी तस्करी रोकने के चलते उत्पन्न स्थिति के कारण हुई मुठभेड़ में दुखद मौतों का सामना करने वाले वनकर्मियों, सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय निवासियों सहित कुल छह लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि पार्टी ने इस घटना के सिलसिले में असम सरकार द्वारा पहले ही घोषित उच्चस्तरीय न्यायिक आयोग और सीबीआई जांच व मृतक के परिवार को पांच-पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा का स्वागत किया है। असम प्रदेश भाजपा ने भी मेघालय के उपद्रवियों द्वारा असम के जंगलों में घुसकर की गई ऐसी घटनाओं की कड़े शब्दों में निंदा की है और सीमावर्ती लोगों से सभी प्रकार के उकसावे से दूर रहकर कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने की बात कही।

रंगिया में प्रशासन के रक्तदान शिविर और भव्य साइकिल रैली आयोजित

रंगिया (निसं)। वीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती के उपलक्ष्य में रंगिया महकमा प्रशासन द्वारा तथा रंगिया महकमा सिविल अस्पताल के सहयोग से बुधवार को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन रंगिया के प्रभारी महकमाधिपति जावीर राहुल सुरेश ने किया। रंगिया महकमा सिविल अस्पताल प्रांगण में सुबह 10 बजे से आयोजित इस रक्तदान शिविर में कामरूप जिला के पुलिस अधीक्षक हितेश चंद्र राय, रंगिया राजस्व चक्राधिकारी लीना कुमारी पावे, रंगिया महकमा की निर्वाचन अधिकारी नील हरित कौशिक, अस्पताल के उप-अधीक्षक दिलीप कुमार वैश्य सहित विभिन्न प्रशासनिक और अस्पताल के अधिकारी तथा कर्मचारिओं सहित स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे। शिविर में अस्पताल की ओर से सभी रक्तदाताओं को फुलाम गामोछा से सम्मानित करते हुए उन्हें लघु आहार प्रदान किया गया। दूसरी ओर प्रशासन की ओर से सुबह एक भव्य साइकिल रैली का भी आयोजन किया गया।

मान सरकार नें कैंसर मरीजों पर खर्च किए 13.54 करोड़

चंडीगढ़ (हिंस)। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने राज्य के लोगों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अब तक कैंसर रोगियों को 13.54 करोड़ रुपए का मुफ्त इलाज मुहैया कराया है। पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने बुधवार को बताया कि पंजाब सरकार के पैनलबद्ध अस्पतालों में *मुख्यमंत्री कैंसर राहत कोष* के तहत 1265 से ज्यादा कैंसर मरीजों का 13.54 करोड़ रुपए का मुफ्त इलाज किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं व कार्यक्रमों के क्रियान्वयन को गति देने के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि ऐसे कल्याणकारी उपायों से आम जनता को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। मंत्री ने कहा कि पंजाब में कैंसर बहुत अधिक फैला हुआ है और इसके उपचार में बड़ी रकम खर्च करनी पड़ती है, जो हमारे समाज के गरीब तबके के रोगियों के लिए वहन करना संभव नहीं है।

श्रमिक कल्याण दिवस मनाया गया

गुवाहाटी (हि.स.)। चाय जनजाति कल्याण और श्रम कल्याण मंत्री संजय किसन ने कहा कि असम वास्तव में विकास के पथ पर तभी आगे बढ़ेगा जब श्रमिकों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र का विकास होगा। श्रमिकों ने अत्यधिक कठिनाइयों, बलिदान और श्रम के माध्यम से असम की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। असम सरकार के श्रम कल्याण विभाग और सहायक श्रमायुक्त कार्यालय की पहल पर गुवाहाटी के उजानबाजार स्थित भास्कर नाट्य मंदिर में बुधवार को आयोजित श्रमिक कल्याण दिवस कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंत्री संजय किसन ने महान चाय श्रमिक नेता संतोष कुमार टपनो के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर महान नेता को श्रद्धांजलि दी और उपस्थित लोगों को श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि असम की चाय जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में मजबूत भूमिका निभाने वाले स्वर्गीय संतोष कुमार टपनो की जयंती को 2017 से असम सरकार द्वारा श्रमिक कल्याण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों को उनके श्रम के लिए सम्मान देकर उन्हें समय पर उनके अधिकार और बकाया देना है। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली सरकार ने चाय जनजातियों के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। मंत्री ने कहा कि चाय बागान क्षेत्रों में सौ से अधिक हाईस्कूल पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्थापित करने की योजना भी जल्द ही शुरू की जाएगी। श्रमिक दिवस के अनुरूप, इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में श्रम कल्याण विभाग के नामित लाभार्थियों द्वारा दिखाई गई उपलब्धियों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा उच्च और उच्चतर माध्यमिक परीक्षाओं को सफलतापूर्वक पास करने वाले चाय श्रमिकों के बच्चों को भी पुरस्कार दिए गए। उन्होंने इस कार्यक्रम में इंडिया कार्बन लिमिटेड, मेडिका लिमिटेड और इमामी लिमिटेड को तीन कार्यक्रमों पर पुरस्कार भी प्रदान किए, जिन्होंने श्रम नीति के नियोजित और सुचारू कार्यान्वयन की योजना बनाई है। इस अवसर पर श्रम कल्याण विभाग के सचिव मृदुल कुमार महंत के साथ ही विभाग के कई अधिकारियों और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
कार्डियक इलेक्ट्रोफिसिओलोजिस्ट
डॉ. माधन थिरूवेंगदा, Cardiac Electrophysiologist & Pacing Specialist
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे
3 दिसंबर, 2022 को
कंप्यूटर असिस्टेड ऑर्थोपैडिक सर्जरी, हिप और नी (घुटना) बदलाव, ऑर्थोस्कोपिक सर्जरी, आधुनिक फ्रैक्चर इलाज, पीठ-दर्द से जुड़ी समस्याओं के लिए अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं:
APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

पृष्ठ एक का शेष

लाचित बरफुकन का...

बात की। इस अवसर पर प्रकाश सिंह ने उस विरासत पर जोर दिया जो लाचित बरफुकन को अपने राजनीतिक पूर्वजों से विरासत में मिली थी, जिसने आहोम सेनापति की देशभक्ति, राजनीति और वीरता की इमारत बनाई। उन्होंने मुगल दरबारी इतिहासकारों से प्राप्त लाचित बरफुकन की प्रशंसा का भी उल्लेख किया। अस्सी के दशक के अंत में असम में सेवा करने वाले सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी ने भी भारत के इतिहास में लाचित बरफुकन को उनका उचित स्थान देने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत के अन्य राज्यों के अधिकांश दिग्गज नायक अभी भी अपने उचित पहचान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। डॉ. चंदन शर्मा ने विभिन्न पांडुलिपियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पुरानी किताबें इस बात को रेखांकित करती हैं कि लाचित बरफुकन के मूल्यों, आदर्शों और लोकाचार को संजोना राज्य के सामाजिक-राजनीतिक जीवन की विरासत रही है। अपनी बातों को पुष्ट करने के लिए उन्होंने उल्लेख किया कि स्वतंत्रता आंदोलन सहित संकट की अवधि के दौरान लाचित का नाम और स्मरण कैसे असमिया लोगों के जनमत को एकजुट और एकीकृत करता है। लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता ने लाचित बरफुकन के युद्ध कौशल की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक सफल सैन्य जनरल अपने पास उपलब्ध स्थलाकृति और मौसम का लाभ उठाना जानता है। लाचित बरफुकन ने सरायघाट के नौसैनिक युद्ध में इसे सफलतापूर्वक किया। इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया। वर्ष 2022 में वीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती मनाई जा रही है और असम सरकार ने इसे एक साल तक चलने वाले कार्यक्रमों के साथ मनाने का फैसला किया है। समारोह का औपचारिक उद्घाटन 25 फरवरी, 2022 को राष्ट्रपति द्वारा किया गया था। इस उत्सव का एक प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 17वीं शताब्दी के आहोम जनरल के जीवन व कार्यों से अवगत कराना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में समापन समारोह की शोभा बढ़ाएंगे।

मेघालय सरकार के...

सांग्मा ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने मंगलवार को हुई घटना के सभी पहलुओं की जांच करने के लिए जांच आयोग अधिनियम, 1952 के तहत एक न्यायिक आयोग गठित करने का भी फैसला किया है। मंत्रिमंडल ने फैसला किया है कि हम न्यायिक आयोग से जांच कराएंगे। यह पूछने पर कि क्या असम सरकार मृतकों के परिजन को मुआवजा भी देगी, इस पर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ऐसा होना चाहिए। असम सरकार ने कहा हम आपस में बात कर रहे हैं और अनुग्रह राशि देने जा रहे हैं। इस बीच, राज्य सरकार ने हिंसा में मारे गए लोगों के सम्मान में 30 नवंबर तक सभी सरकारी कार्यक्रम निलंबित करने का फैसला किया है। सांग्मा ने कहा कि मेघालय सरकार ने फैसला किया है कि राज्य में सभी कार्यक्रमों को रद्द किया जाएगा।

सीमा पर गोलीकांड ...

को भी मंजूरी दी। इस प्रकार गौरीपुर में जंक्शन विकसित किया जाएगा। दूसरी ओर, आज की कैबिनेट ने व्यावसायिक आधार पर मूल्य वृक्षों के वनीकरण के साथ-साथ इन पेड़ों को काटने और बेचने के क्षेत्र में पहले से मौजूद जटिलताओं को दूर करने का निर्णय लिया है। व्यावसायिक आधार पर वनीकरण पर कैबिनेट के महत्वपूर्ण निर्णय से अब आम लोग आरक्षित वनों में लगाए गए शाल, सागौन और होलोंग जैसे पेड़ों को अपने घरों में लगा सकेंगे और बेच सकेंगे। आरक्षित वन के पांच किमी के दायरे से आगे अब से वन विभाग वन क्षेत्र में लगाए गए कीमती पेड़ों को उगा सकेगा और उन्हें काटकर व्यापार कर सकेगा। इन पेड़ों के रोपण और कटाई के लिए आवेदन करना होगा और आवेदन के 48 घंटे के भीतर अनुमति प्राप्त करनी होगी। वहीं, अगर इस अवधि के भीतर आपको अनुमति नहीं मिलती है तो आवेदन करने वाले कागज को अनुमति का प्रमाण माना जाएगा।

संवैधानिक पदों को ...

पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (सीपीआईएल) ने एक याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि केंद्र, उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा सुझाए गए नामों पर अनिश्चित काल तक बैठा रहा है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न उच्च न्यायालयों के लिए न्यायाधीशों की नियुक्ति को अधिसूचित करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई है, जिनके नाम कॉलेजियम द्वारा पहले ही सर्वसम्मति से दोहराए जा चुके हैं और सरकार के पास लंबित हैं। इसने विभिन्न उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कोलेजियम द्वारा भेजी गई सिफारिशों को अधिसूचित करने के लिए सरकार को निर्देश देने की भी मांग की थी और सिफारिशें प्राप्त होने के छह सप्ताह बीत जाने के बावजूद केंद्र ने जवाब नहीं दिया है। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया था कि सरकार की *निष्क्रियता* और *न्यायिक नियुक्ति प्रक्रिया में राजनीतिक रूप से प्रेरित हस्तक्षेप* के कारण महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों को खाली नहीं छोड़ा जा सकता है। एनजीओ ने कई सिफारिशों पर प्रकाश डाला, जो कॉलेजियम द्वारा भेजी गई थीं, लेकिन सरकार ने उन पर कार्रवाई नहीं की।

अमेजन इंडिया को ...

श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर कहा है कि अमेजन के कर्मचारियों को जबरन कंपनी से बाहर निकाला जा रहा है। यूनियन ने जांच की मांग करते हुए कहा है कि कर्मचारियों को कंपनी की तरफ से वालेंट्री सेप्रेशन प्रोग्राम भेजा जा रहा है और 30 नवंबर 2022 तक इसे पूरा करने की समयसीमा दी गई है। कर्मचारी यूनियन के मुताबिक अमेजन इंडिया के इस फैसले से कई कर्मचारियों की जीविका खतरे में पड़ गई है। इंडस्ट्रीज डिस्प्यूट एक्ट का हवाला देते हुए यूनियन ने कहा है कि सरकार की अनुमति के बिना नियोक्ता अपने कर्मचारियों को नौकरी से नहीं निकाल सकता है। एनआइटीईएस के प्रेसिडेंट हरप्रीत सलूजा के मुताबिक यूनियन इस मामले में कर्मचारियों के लिए न्याय की गुहार लगा रहा है। उन्होंने मांग की है कि अमेजन इंडिया ने जो गैरकानूनी तरीके से वालेंट्री सेप्रेशन पालिसी जारी की है, उसे सरकार फौरन रद करे।

गोलीबारी के विरुद्ध ...

जब भी मेघालय में कुछ गड़बड़ी होती है तो स्थानीय लोग अपना गुस्सा दूसरे राज्यों के लोगों पर हमला कर निकालते हैं। इस बार भी स्थिति अलग नहीं है। गोलीबारी घटना के दूसरी दिन बुधवार को रि-भोई जिलांतर्गत नंग्पो थाना क्षेत्र के बर्निहाट इलाके में खासी समुदाय के स्थानीय कुछ दल एवं संगठनों द्वारा हाथ में काला झंडा लेकर कार्बी आंग्लांग की घटना का विरोध किया। विरोध कर रहे स्थानीय संगठनों ने कहा कि असम पुलिस शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों पर बेवजह गोली चलाई, जिसमें एक फॉरेस्ट गार्ड समेत छह लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। इस घटना की निष्पक्ष जांच कराकर गोलीबारी में शामिल सभी सिपाही से लेकर अधिकारियों को सस्पेंड किया जाए और गोलीबारी में मारे गए लोगों को असम और मेघालय सरकार की ओर से उचित मुआवजा दी जाए। घटना के बाद आज दूसरे दिन भी गुवाहाटी के बाहरी इलाका जोराबाट में असम-मेघालय सीमावर्ती क्षेत्र में सुबह से ही असम पुलिस की एक विशेष टीम अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी में पहरा दे रही है। गुवाहाटी से शिलांग की ओर जाने वाले असम के अलावा अन्य राज्यों से आए पर्यटकों को जोराबाट तीनाली पर असम पुलिस रोककर मेघालय नहीं जाने की सलाह दे रही है। पुलिस के आला अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम कार्बी आंग्लांग के असम-मेघालय सीमावर्ती क्षेत्र के माइक्रोंग में हुई गोलीबारी की घटना में पांच खासी लकड़ी तस्करों के अलावा असम के एक वन रक्षक की मौत के बाद असम-मेघालय के सीमावर्ती इलाके में भारी तनाव बना हुआ है। जिसको देखते हुए एहतियातन आज दूसरे दिन मेघालय की ओर जाने वाले खासकर असम के अलावा अन्य राज्यों के पर्यटकों को नहीं जाने की सलाह दी जा रही है। पुलिस द्वारा परिस्थिति के बारे में अवगत कराये जाने के बाद आज भी हजारों लोग जोराबाट से ही वापस लौट गए।

श्रद्धा मामले की करेंगे ...

कई दिन तक आधी रात को उन्हें शहर के विभिन्न इलाकों में फेंकने के लिए जाता रहा। श्रद्धा महाराष्ट्र के पालघर जिले के वसई की निवासी थी। पालघर के तुलिंज थाने में नवंबर 2020 को की गई शिकायत में श्रद्धा ने आरोप लगाया था, पूनावाला उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज करता है। श्रद्धा ने शिकायत में कहा था कि आज उसने मेरा गला घोंटकर मारने की कोशिश की। मुझे धमकी दी कि वह मुझे मार डालेगा, मेरे टुकड़े-टुकड़े कर देगा और कहीं फेंक देगा। वह पिछले छह महीने से मेरे साथ मारपीट कर रहा है, लेकिन मुझमें पुलिस के पास जाने की हिम्मत नहीं थी क्योंकि उसने मुझे मारने की धमकी दी थी। श्रद्धा ने पुलिस से कहा था कि मेरे माता-पिता को पता है कि वह मेरे साथ मारपीट करता है और उसने मुझे जान से मारने की कोशिश भी की। श्रद्धा ने पत्र में बताया था कि पूनावाला के माता-पिता को पता है कि वह साथ रह रहे हैं और वह सप्ताहांत में उनसे मिलने भी आते हैं। श्रद्धा ने पत्र में कहा कि मैं आज तक उसके साथ इसलिए रह रही थी क्योंकि हम जल्द ही शादी करने वाले थे और उसके माता-पिता भी इसके लिए राजी थे। अब आगे मैं उसके साथ नहीं रहना चाहती। इसलिए अब मुझे कोई भी शारीरिक चोट पहुंचती है तो उसके लिए उसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि वह मुझे धमकी दे रहा है कि अगर मैं उसे कहीं भी दिख गई तो वह मुझे मारेगा या मेरी हत्या कर देगा।

हिजाब को लेकर ...

परीक्षा में हिजाब पहन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रशासन ने हर छात्र को पोशाक नियामों का पालन करने के लिए कहा है ताकि किसी भी तरह के विवाद से बचा जा सके। प्रवक्ता ने बताया कि स्कूल के अधिकारियों की तरफ से सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम जल्द ही स्कूल पहुंची और फाटक के बाहर व अंदर खड़े छात्रों को वापस जाने के लिए राजी किया। हालांकि विवाद को देखते हुए परीक्षा रद्द कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि बुधवार को बैठक हुई, जिसमें अभिभावकों, प्रबंधन समिति, प्रधानाध्यापक व प्रभारी शिक्षक मौजूद थे। सभी ने स्कूल में सामान्य स्थिति और शांति व सौहार्द बहाल करने पर सहमति जताई। उन्होंने कहा कि स्थगित परीक्षा किसी और दिन आयोजित कराने के बाद में जल्द ही फैसला लिया जाएगा।

प्रेमिका के शव ...

उसकी तरफ से भी एक माला अपने गले में डाली। इसके बाद झुककर उसने प्रेमिका के माथे को चूम लिया। प्रेमिका की मौत के बाद भी उसका साथ न छोड़ने वाले प्रेमी शव के साथ शादी रचाने तक ही नहीं रुका। उसने यह कसम भी खाई कि वह जिंदगीभर किसी और से शादी नहीं करेगा। वीडियो के साथ बुधवार को जो जानकारियां साझा की गईं, उनके मुताबिक वीडियो असम के मोरीगांव का है। शादी करने वाले का नाम बिटुपन तमोली है और उसकी प्रेमिका का नाम प्रार्थना था। मोरीगांव का रहने वाला 27 साल का बिटुपन तामुली और चापरमुख के कोसुआ गांव की 24 साल की प्रार्थना बोरा एक-दूसरे से प्यार करते थे। दोनों जल्द ही शादी करने वाले थे, लेकिन इसी बीच प्रार्थना बीमार पड़ गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान 18 नवंबर को प्रार्थना की मौत हो गई। प्रार्थना की मौत के बाद बिटुपन उसके घर पहुंचा और प्रेमिका के शव के साथ शादी रचाने की बात कही। प्रार्थना की मौत के बाद जब बिटुपन ने उसके शव के साथ शादी करने की बात कही, तो परिवार ने ऐसा करने से मना कर दिया। इस पर बिटुपन ने कहा कि यह प्रार्थना की आखिरी इच्छा थी कि वह दुल्हन बने। उसकी जिद के आगे परिवार ने हार मान ली और फिर प्रार्थना की अंतिम विदाई से पहले बिटुपन ने पूरे विधि-विधान के साथ उससे शादी रचाई। इस शादी के बाद प्रार्थना के भाई ने कहा कि मेरी बहन बहुत खुशकिस्मत थी। वह बिटुपन से शादी करना चाहती थी। मुझे खुशी है कि उन्होंने उनकी आखिरी इच्छा पूरी की। इस शादी के बाद प्रार्थना को अंतिम विदाई देते समय बिटुपन फूट-फूटकर रोता रहा।

दिल्ली एम्स का ...

हो गया है और एम्स प्रशासन मैनुअल तरीके से काम चला रहा है। लेकिन मैनुअल होने से मरीजों की दिक्कतें बढ़ गई हैं, जिसके चलते भीड़ भी देखने को मिल रही है। कई मरीज जिनकों आज छुट्टी होने वाली थी सर्वर डाउन होने के चलते उन्हें छुट्टी नहीं मिल पाई है। सर्वर डाउन होने की वजह से मरीजों का जांच भी बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। टेक्नीशियंस की तरफ से लगातार गड़बड़ी को सुधारने के प्रयास जारी हैं। एम्स नई दिल्ली के सर्वर पर देश की सभी बड़ी और नामचीन हस्तियों के मेडिकल रिकॉर्ड और अन्य जानकारियां हैं। इसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री और कई अन्य मंत्रियों का डेटा भी शामिल है। ऐसे में सर्वर पर मौजूद जानकारी काफी संवेदनशील मानी जा रही है।

गर्वनर के शपथ ...

में पैदा हुआ सबसे मनहूस नेता करार दिया। खबरों के मुताबिक सुवेन्दु सीएम पर हमलावर होते हुए बोले कि वे (ममता बनर्जी) भारत में पैदा हुई अब तक की सबसे घटिया राजनेता हैं, जो शर्मनाक तरीके से सत्ता पर काबिज हो गईं। अगर वे ये सोचकर खुश हैं कि उनकी ये रणनीति मुझे परेशान करेगी तो वे मूर्खों के स्वर्ग में रह रही हैं। लेकिन मैं उनकी तरह नहीं हूं, बल्कि मैं अपनी गरिमा के लिए जागरुक हूं। एक प्रेस कांफ्रेंस में सुवेंदु ने आयोजन स्थल के फोटो शेयर करते हुए कहा कि मैं समारोह में शामिल नहीं होऊंगा क्योंकि मेरे लिए ऐसे आपत्तिजनक लोगों के बगल में बैठना संभव नहीं है। इसके लिए उन्होंने सीएम ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया। साथ ही ये भी कहा कि सूचना और सांस्कृतिक विभाग के प्रभारी मंत्री ने ममता की इच्छा के अनुसार बैठने की व्यवस्था की।

सोनाली फोगाट मर्डर केस : सीबीआई ने ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट में पेश की चार्जशीट

फतेहाबाद (हिंस)। टिक टॉक स्टार एवं भाजपा नेत्री सोनाली फोगाट की हत्या के मामले में सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। सीबीआई ने मंगलवार को गोवा में चार्जशीट दाखिल की। सीबीआई की चार्जशीट में सोनाली फोगाट के पीए सुधीर सांगवान और सुखविंदर सिंह को हत्या का आरोपी बनाया गया है। इन्हीं दोनों लोगों पर सोनाली फोगाट को गोवा ले जाने का आरोप है। चार्जशीट में सीबीआई ने दावा किया है कि सोनाली फोगाट को जबरन ड्रग्स दिया गया। अभिनेत्री सोनाली फोगाट के पीए सुधीर सांगवान और उसके दोस्त सुखविंदर सिंह पर ड्रग्स देने के आरोप है। गोवा पुलिस की जांच में भी यह बात सामने आई थी। सीबीआई ने चार्जशीट को मापुसा के फर्स्ट क्लास ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया है, मगर चार्जशीट दाखिल किए जाने सूचना सोनाली फोगाट के पिता महाबीर सिंह व अन्य परिजनों को मीडिया के माध्यम से मिली। जब मृतका अभिनेत्री के परिजनों ने चार्टशीट से संबंधित अवगत नहीं करवाने पर अधिकारियों से आपत्ति व्यक्त की तो बताया गया कि उपरोक्त सब काम ऑनलाइन होता है। मामले की अपडेट ऑनलाइन उपलब्ध रहती है। सोनाली के मायके पक्ष के लोग का कहना है कि इस पूरे खेल में शामिल लोगों के चेहरे सामने आने चाहिए और आरोपियों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। सोनाली फोगाट की मां संतोष ढाका व पिता महाबीर ढाका ने कहा कि उनकी आत्मा को शांति तक मिलेगी जब उनकी बेटी के हत्यारे फांसी के फंदे पर चढ़ाए जाएंगे।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **पंचम अध्याय**

(आनन्द)

सींक बुन्द सम जगत सुख, कशा समुन्दर जान।
पमानन्द को किमि कहूँ, शक्य वचन नहिं ज्ञान॥ 01॥

शब्दार्थ : (सींक) तृण (बुन्द) विन्दु, जल-कण, ठोप (कशा) शब्द, सत्पुरुष (समुन्दर) सागर (शक्य) समर्थ।

भाष्य : तृण के बूंद के समान संसार का सुख है और शब्द आनंद का सागर है। उस परम-सुख का वर्णन कैसे करूँ? उसके वर्णन के लिए वाणी में शक्ति नहीं है।

सागर जल का रासि है, सो नहिं तवला जाय।
अकथ अलौकिक सेन्धु, सुख, कहन सुनन किमि आय॥ 02॥

शब्दार्थ : (सागर) समुद्र (रासि) भंडार।

भाष्य : समुद्र जल का राशि है, उसका नाप कैसे हो सकता है? इसी प्रकार ब्रह्मपुत्र अकथ एवं अलौकिक है, वह कहने-सुनने में कैसे आ सकता है?

बीबीसीआई और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव विवि में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

कैंसर जीव विज्ञान में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम किए जाएंगे शुरू

गुवाहाटी (हि.स.)। बी बरुवा कैंसर इंस्टिट्यूट (बीबीसीआई) के सभागार में बुधवार को आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के तहत बी बरुवा केंसर इंस्टीट्यूट एवं महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते पर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. अमल चंद्र कटकी और विश्वविद्यालय के उपपंजीयक (प्रशासन) डॉ. शेखर कांति सरकार ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कैंसर संस्थान के उप निदेशक (अकादमिक), उप निदेशक (प्रशासन), वरिष्ठ अधिकारियों और प्रोफेसरों, कुलपति प्रो. मृदुल हजारिका, कानून विभाग के प्रमुख डॉ. बिमल वैश्य, सामाजिक कार्य विभाग के प्रमुख डॉ. दीपशिखा कारपेंटर ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर सहायक जनसंपर्क अधिकारी गौरी प्रसाद शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम की मेजबानी बी बरुवा कैंसर संस्थान के निदेशक डॉ. रूपम डेका ने किया। कार्यक्रम में अपने संबोधन में बी बरुवा कैंसर इंस्टिट्यूट के निर्देशक डॉ. अमल चंद्र कटकी ने कहा कि आज का दिन संस्थान के लिए एक विशेष दिन है। कैंसर जीव विज्ञान की शैक्षिक और शोध चर्चा से छात्र समुदाय के साथ-साथ समाज को भी लाभ होगा और बेरोजगारी की समस्या भी समाप्त होगी। कार्यक्रम में प्रो. मृदुल हजारिका ने कैंसर इंस्टीट्यूट को उसकी 50वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नए पहलुओं का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय दोनों संस्थानों के प्रयासों से अगले साल से कैंसर जीव विज्ञान में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू करेगा।

हाथी के हमले में बाल-बाल बची दो परिवारों की जान

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत बोको के नामपथार इलाके में जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में दो परिवारों के लोग बाल-बाल बचे। वन विभाग ने बुधवार को बताया कि आज तड़के जंगली हाथियों का एक झुंड भोजन की तलाश में गांव में प्रवेश कर नीलम राभा और सुनिल राभा के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के समय घर में मौजूद लोग किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। हाथियों का झुंड घर में रखे धान, दाल, चावल आदि खा गये। स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन भोजन की तलाश में जंगली हाथियों का झुंड गांव में घुस आता है। ग्रामीणों का कहना है कि इसकी जानकारी वन को दिए जाने के बावजूद विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। जिसकी वजह से लोग काफी परेशान हैं।

76वीं पुरुष और 15वीं महिला अखिल भारतीय रेलवे मुक्केबाजी चैंपियनशिप शुरू

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर सीमा रेल द्वारा 76वीं पुरुष और 15वीं महिला अखिल भारतीय रेलवे मुक्केबाजी चैम्पियनशिप, 2022-23 का आयोजन किया जा रहा है। यह चैंपियनशिप 23 नवंबर, 2022 को पूसी रेल स्टेडियम, मालीगांव, गुवाहाटी में शुरू हुई। नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे स्पोर्टस एसोसिएशन (एनएफआरएसए) के महासचिव ने एनएफआरएसए के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में इस खेल प्रतिस्पर्धा का उद्घाटन किया। चार दिनों तक चलने वाली यह चैंपियनशिप 26 नवंबर, 2022 को समाप्त होगी। चैंपियनशिप में पुरुषों के लिए 13 श्रेणियां और महिलाओं के लिए 12 श्रेणियां होंगी। प्रतिभागी भारतीय रेल के 13 विभिन्न जोन जैसे एससीआर (दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद), सीआर (मध्य रेलवे, मुंबई), एसईआर (दक्षिण पूर्व रेलवे, कोलकाता), ईआर (पूर्व रेलवे, कोलकाता), एनआर (उत्तर रेलवे, दिल्ली) और मेजबान टीम एनएफआर (पूर्वोत्तर सीमा रेल, मालीगांव) से हैं। इस चैंपियनशिप में कुल 75 पुरुष खिलाड़ी, 37 महिला खिलाड़ी, कोच, अधिकारी, सीनियर खिलाड़ी, रेफरी और जज शामिल होंगे। दक्षिण रेलवे से ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता वी देवराजन, पूर्व रेलवे से ओलंपियन दिवाकर प्रसाद, पूर्व रेलवे से द्रोणाचार्य और अर्जुन पुरस्कार विजेता मोहम्मद अली कमर, उत्तर रेलवे और उत्तर पश्चिम रेलवे से द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता क्रमश: जयदेव बिष्ट और सागर मल धयाल और पूर्व तट रेलवे से ध्यानचंद पुरस्कार विजेता एन. उषा ने इस चल रहे टूर्नामेंट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मन और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल किसी के भी जीवन का एक अभिन्न अंग है। पूसी रेल विभिन्न कदम उठाकर खेल के क्षेत्र में नई प्रतिभाओं को तैयार और विकसित करने के उद्देश्य से कार्य कर रही है, जो बदले में भारतीय रेल को गौरव दिलाएगा। इस तरह के चैंपियनशिप आयोजित करने से भावी युवाओं के समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा।

आग में 100 से अधिक दुकानें व घर जलकर राख

कार्बी आंगलांग (हि.स.)। कार्बी आंगलोंग जिला के असम-नगालैंड सीमावर्ती इलाके के लाहरीजान इलाके में लगी आग के दौरान देखते ही देखते सौ से अधिक दुकान और घर जलकर राख हो गये। पुलिस ने बुधवार को बताया कि असम-नगालैंड के सीमावर्ती इलाके बोकाजान महकमा लाहरीजान इलाके में आग लगने की खबर मिलते ही मौके पर बोकाजान और डिमापुर से पहुंची अग्निशमन की टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक सौ से अधिक दुकानें और घर जलकर राख हो गये। आग की वजह से करो?ों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पांडू में 629 रेलवे परित्यक्त क्वार्टर, अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे स्थानीय लोग

गुवाहाटी (हि.स.)। राजधानी के पांडू इलाके में 629 रेलवे क्वार्टर खाली पड़े हैं। पिछले कुछ सालों में रेलवे विभाग के कई कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं, या कइयों का तबादला दूसरे शहरों में हो चुका है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) मालीगांव मुख्यालय के अंतर्गत कई विभागीय कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। पांडू वेस्ट सीनियर सेक्शन इंजीनियर के अधीन करीब 629 रेल क्वार्टर कई सालों से खाली पड़े हैं। इनमें से टाइप वन के 438 क्वार्टर, टाइप टू के 177 क्वार्टर, टाइप थ्री के 8 क्वार्टर और टाइप फाइव के 1 क्वार्टर और टाइप स्पेशल के 5 क्वार्टर हैं। इसके अलावा सीनियर सेक्शन इंजीनियर वर्क्स (ईस्ट), सीनियर सेक्शन इंजीनियर मालीगांव मुख्यालय के तहत कई क्वार्टर खाली पड़े हैं। इन सभी क्वार्टरों का रखरखाव डीआरएम लमडिंग के अधीन है। सभी खाली पड़े क्वार्टरों का वितरण मालीगांव प्रधान कार्यालय से किया जाता है। पानी एवं बिजली कनेक्शन न काटे जाने से ये खाली पड़े क्वार्टर असामाजिक तत्वों के अड्डे में तब्दील होते जा रहे हैं। अब वैधानिक रूप से अन्य क्वार्टरों में रहनेवाले लोग अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन परित्यक्त रेलवे क्वार्टरों में संदिग्ध लोगों का आना-जाना लगा रहता है। इनमें से अधिकांश क्वार्टरों में अभी भी पानी और बिजली की लाइनें बरकरार हैं। इन कनेक्शनों को जल्द से जल्द काटने की जरूरत है। खराब क्वार्टर को पूरी तरह से ध्वस्त करने की जरूरत है। अन्यथा ये सभी बेकार क्वार्टरों पर असामाजिक तत्व अवैध रूप से कब्जा कर सकते हैं। रेलवे विभाग को इलाके में असामाजिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि रेलवे विभाग के पास इन सब समस्याओं से निपटने के लिए सुरक्षा और सतर्कता विभाग है। लेकिन इस मामले में अब उनकी मूक भूमिका पर लोगों के मन मे संदेह है।

पवन शर्मा मेघालय में विप्र फाउंडेशन के प्रभारी बने

गुवाहाटी (विभास)। विप्र फाउंडेशन तेजी से पूर्वोत्तर में अपना सांगठनिक विस्तार कर रहा है। इसके तहत असम तथा पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में संगठन ने अपनी गतिविधियां आरंभ कर दी है। संगठन के राष्ट्रीय सचिव चंद्र प्रकाश शर्मा सांगठनिक गतिविधियों और संगठन के विस्तार के लिए असम तथा पूर्वोत्तर के राज्यों का दौरा भी कर रहे हैं। इसी क?ी में मेघालय में संगठन के विस्तार के उद्देश्य से शिलांग के जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता पवन शर्मा माटोलिया को विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा मेघालय का प्रभारी बनाया गया है। इस आशय की सूचना देते हुए राष्ट्रीय सचिव शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय संयोजक सुशील ओझा के निर्देश एवं मुख्य संरक्षक रतन शर्मा की सहमति से पवन शर्मा को मेघालय का प्रभारी तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया गया है। शर्मा ने आशा जताई कि पवन शर्मा की देखरेख में संगठन का एक मजबूत नेतृत्व मेघालय में उभरकर आएगा।

लाचित बरफुकन की जयंती पर कोकराझाड़ में दीप प्रज्जवलन

कोकराझाड़ (हि.स.)। वीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती समारोह के संबंध में कोकराझाड़ जिला प्रशासन ने मंगलवार शाम को कोकराझाड़ के राजकीय उच्चतर माध्यमिक एवं बहुउद्देशीय विद्यालय के मैदान में सामूहिक दीप प्रज्वलन का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ समाज के सभी वर्गों के लोगों ने भी भाग लिया और एक साथ कई दीप जलाकर मानव अनुशासन का निर्माण किया। कोकराझाड़ जिला उपायुक्त वर्णाली डेका ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और बाद में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ जिला में चल रहे लाचित दिवस समारोह के बारे में मीडिया को संबोधित किया। ज्ञात हो की मंगलवार को खागराबाड़ी गांव के मैदान में स्थानीय खेलों का भी आयोजन किया गया था। क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने बोडो समुदाय के कुल छह स्वदेशी खेल खेला।

कोकराझाड़ में सीआरपीएफ के 129वें बटालियन ने चलाया स्वच्छता अभियान

कोकराझाड़ (हि.स.)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 129वीं बटालियन द्वारा कोकराझाड़ जिला में बुधवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस स्वच्छता अभियान का संचालन बटालियन के कमाण्डेंट गुलाब सिंह के नेतृत्व में सेवा की भावना के साथ कोकराझाड़ जिला के भोटगांव क्षेत्र को स्वच्छ बनाने हेतु किया गया। बटालियन द्वारा चलाए गए सफाई अभियान से न सिर्फ आस-पास के परिसर अपितु वहां के पर्यावरण को भी स्वच्छ बनाने का प्रयास किया गया। इस अभियान के तहत बटालियन परिसर के आस-पास के स्थान से प्लास्टिक एवं कचरे को एकत्रित कर उसे साफ किया गया। इसके अतिरिक्त कैम्प परिसर में उपस्थित जवानों को स्वच्छता के साथ-साथ पर्यावरण को संरक्षित रखने के उद्देश्य से अपनी दैनिक जीवन की गतिविधियों में प्रयोग में लाए जाने वाले सभी प्रकार के एकल प्रयोग प्लास्टिक का उपयोग न करने का आह्वान किया गया। साथ ही कमांडेंट ने बताया कि अगर हम स्वच्छ भारत अभियान में कचरे का सही ढंग से प्रबंधन करें तो पर्यावरण की सुरक्षा होगी तथा हम सतत विकास की ओर बढ़ेंगे। उदाहरण के लिए अगर कचरे को सही तरह से एकत्रित किया जाए और उसको पुन: चक्रित किया जाए तो हमे कच्चे पदार्थ मिल जाएगे। कागज के लिए जंगल कम कटेंगे, कागज को पुन: चक्रित कर कम से कम उतने पेड़ों को काटे जाने से रोका जा सकता है। जहां कचरा प्रबंधन कचरे को संसाधन में परिवर्तित किया जा सकता है वहीं अपने मोहल्ले, गांव, जिला, राज्य और देश को स्वच्छ भी बनाया जा सकता है। इस अवसर पर बटालियन के बहादुर जवान उपस्थित रहे।

सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर के महानगर में दो केंद्र

गुवाहाटी। सेंट जूड्स महानगर में कैंसर से जूझ रहे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण देखभाल प्रदान करता हैं। महानगर में इसके दो केंद्र हैं, प्रत्येक में 12 परिवार नि:शुल्क रहते हैं। डॉ. बी बरूआ कैंसर संस्थान, गुवाहाटी में इलाज करा रहे बच्चे इन केंद्रों में रहते हैं। गुवाहाटी केंद्र उन परिवारों की देखभाल करते हैं जो असम, मणिपुर और भारत के उत्तर पूर्व के अन्य हिस्सों से इलाज के लिए आते हैं। सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर सेंटर (सेंट जूडस) के बारे में सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर सेंटर्स (सेंट जूड्स) कैंसर का इलाज करा रहे बच्चों के लिए घर से दूर घर उपलब्ध कराता है। ये बच्चे अपने माता-पिता के साथ छोटे-छोटे गाँवों और दूर-दराज के शहरों से आते हैं जहाँ कैंसर का इलाज उपलब्ध नहीं है। सेंट जूड्स इन बच्चों को कैंसर से बचने और पूर्ण, स्वस्थ, सुखी जीवन जीने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए नि: शुल्क आवास और समग्र सहायता प्रदान करते हैं। श्यामा और निहाल कविरत्ने द्वारा 2006 में स्थापित, और स्वयंसेवकों का एक समर्पित समूह, सेंट जूड्स टाटा मेमोरियल अस्पताल, एम्स, नई दिल्ली, टाटा मेडिकल सेंटर, कोलकाता, गुवाहाटी में डॉ. बी बोरूआ कैंसर संस्थान और नौ शहरों में विभिन्न कैंसर अस्पतालों के साथ काम करता है। हम प्रत्येक परिवार को अलग-अलग परिवार इकाइयों की पेशकश करते हैं जो उनके रहने के दौरान उनकी जरूरत की सभी चीजें प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक केंद्र में एक सामान्य सामुदायिक स्थान या सीखने का क्षेत्र और साझा स्नान सुविधाएं, एक आम रसोई और भोजन क्षेत्र है। प्रत्येक परिवार के पास रसोई में अपना खाना पकाने का चूल्हा होता है और खाना पकाने के लिए हर सप्ताह आपूर्ति की जाती है। सेंट जूड्स के वर्तमान में नौ शहरों में 500 परिवार इकाइयों के साथ 40 केंद्र हैं: मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, जयपुर, चेन्नई, वेल्लोर, गुवाहाटी, दिल्ली और वाराणसी।

सी पी की नई ब्रांड एंबेसडर बनी अभिनेत्री वर्षा रानी विषया

गुवाहाटी। भारत में मसालों का एक समृद्ध इतिहास रहा है और प्रत्येक व्यंजन में पारंपरिक व्यंजनों को तैयार करने के लिए उपयोग किए जाने वाले मसालों के विभिन्न संयोजनों की विशेषता होती है। देश के विभिन्न भागों में अलग-अलग जलवायु परिस्थितियों के कारण, भारत कई प्रकार के मसालों का उत्पादन करता है, जो भारतीय पाक कला का आधार है। भारत में स्थानीय रूप से निर्मित, सी पी मसाला एक उत्कृष्ट गुणवत्ता वाला ब्रांड है जो ग्राहकों को घर के बने मसाले, अचार और बीकानेरी पापड़, अचार, सेंवई और विभिन्न प्रकार के पास्ता और सेवइयां, मकारोनी, सरसों का तेल आदि प्रदान करता है। प्रामाणिक स्वाद और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद। यह मिश्रण और मूल मसालों सहित मसाले प्रदान करता है जो किसी भी व्यंजन को स्वादिष्ट व्यंजनों में बदल सकते हैं। इस ब्रांड की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें कोई कृत्रिम रंग नहीं है और यह सभी प्राकृतिक अवयवों से भरपूर है। उत्तर पूर्व में ग्राहकों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंचने के लिए सी पी ने वर्षा रानी बिश्या को अपना ब्रांड एंबेसडर नामित किया। इसके अलावा, ग्राहक अब विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से मसाले और बीकानेरी पापड़, अचार, सेंवई और विभिन्न प्रकार के पास्ता और सेवइयां आदि सहित अन्य सामान खरीद सकते हैं। सी पी के निदेशक मधुप माधव अग्रवाल ने कहा कि लोगों ने पहले से ही प्रीमियम गुणवत्ता वाले मसालों के प्रामाणिक और जीवंत स्वाद के लिए सी पी का स्वागत किया है। निदेशक ने उम्मीद जताई कि ब्रांड एंबेसडर के रूप में प्रतिभाशाली और आकर्षक अभिनेत्री बरशा रानी बिश्या की नियुक्ति सी पी पी स्पाइसेस ब्रांड के ग्राहक सेवा संबंध को और मजबूत करेगी और व्यवसाय को बढ़ाने में मदद करेगी।

महानगर में धड़ल्ले से बिक रहा डुप्लिकेट पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर

बेली की डुप्लीकेसी करने के आरोप में दो धराए

गुवाहाटी। गुवाहाटी में पिछले लंबे समय से पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के नाम पर नल का पानी भरकर लोगों को पिलाया जा रहा है। पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के नाम पर कुछ लोग खुलेआम अशुद्ध पानी बेच रहे हैं। यह डुप्लिकेट पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर स्वास्थ्य के लिए न केवल हानिकारक है। बल्कि कई तरह की खतरनाक बीमारी होने के भी संभावनाएं बढ़ जाती है। दिसपुर थाना अंतर्गत भगदत्तापुर पुलिस चौकी ने ऐसे ही डुप्लिकेट पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को दबोचा। पकड़े गए आरोपी का नाम नयनतन डेका बताया गया है। पुलिस की टीम ने मालवाहक ऑटो (एएस-07बीसी-1934) से पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के 20 लीटर वाले जार लदे पाए। जांच में पुलिस ने पाया कि बेली पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के 20 लीटर वाले जार पर किसी चालू कंपनी की सील लगाकर उसमें कथित रूप से अशुद्ध पानी भर कर बेचने के लिए ले जाया जा रहा था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने चालक डेका को हिरासत में ले लिया और उस से की गई पूछताछ के बाद एक अन्य व्यक्ति को पूछताछ के लिए बुलाया गया जिसके यहां से पानी भरकर ऑटो चालक बाजार में बेचने के लिए जा रहा था। इस खुलासे के बाद आरोपी के खिलाफ दिसपुर थाने में कंपनी की ओर से एक शिकायत दर्ज कराई गई। जिसके आधार पर पुलिस ने थाने में केस संख्या 2480/22 भादवि की धारा 406/420 के तहत मामला दर्ज कर लिया। घटना के संदर्भ में उदयक एग्रो प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ राजशेखर अग्रवाल ने बताया कि 20 लीटर जार में नल का पानी भरकर बेचने का गोरखधंधा पिछले लंबे समय से चल रहा है। कुछ महीनों पहले कामरूप मेट्रो जिला प्रशासन व गुवाहाटी नगर निगम की ओर से चलाए गए अभियान के दौरान इस बात की पुष्टि भी हो गई थी। जिसके बाद प्रशासन ने कुछ अवैध फैक्ट्रियों को बंद करने के निर्देश दिए थे। यह सभी फैक्ट्रियां राज्य व केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर नियमों को ताक पर रखकर गुवाहाटी तथा इसके आसपास के इलाकों में धड़ल्ले से चलाई जा रही है या यूं कहें छोटे से लेकर बड़ों को गंदा पानी पिलाया जा रहा है। जांच में पुलिस ने जब आरोपी से बरामद जार की खरीद व बिक्री की रसीद मांगी तो वह किसी तरह की कोई पक्की रसीद दिखाने में असफल रहा। आरोपी ने बताया कि जिस फैक्ट्री से वह पानी जार में भरकर लाया है, उसने भी उसे किसी तरह की कोई रसीद नहीं सौंपी। ऐसे में यह मामला न केवल डुप्लिकेसी का है बल्कि सरकार के राजस्व में भी सेंध लगाई जा रही है। फिलहाल पुलिस आरोपी द्वारा दिए गए बयान के आधार पर मामले की जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि आज की घटना केवल एक उदाहरण मात्र है। महानगर तथा आस-पास कई ऐसी छोटी छोटी स्वयंभू फैक्ट्रियां है जो बिना किसी लाइसेंस के ही बाजार में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के नाम पर लोगों को अशुद्ध पानी का सेवन करा कर अपनी जेब गर्म कर रही है। अब देखना यह है कि एक बार पुन: ब्रांडेड कंपनी के 20 लीटर जार में गंदा पानी बेचने के मामले में जिला प्रशासन व गुवाहाटी नगर निगम स्वत संज्ञान लेते हुए क्या कार्रवाई करती हैं।

नौसेना प्रमुख ने हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद में गिनाए हिंद महासागर क्षेत्र के बढ़ते खतरे

नई दिल्ली, (हि.स.)। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद के चौथे संस्करण की शुरूआत करते हुए हिंद महासागर क्षेत्र (आ-ईओआर) में भारत की स्थिति साफ की है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र के समग्र विकास और समृद्धि में भारत का सक्रिय योगदान रहा है। समकालीन दुनिया की बढ़ती वास्तविकताएं भू-राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भारतीय और प्रशांत महासागरों के संगम की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। नई दिल्ली के मानेकशा सेंटर में मंगलवार से शुरू हुए शीर्ष स्तरीय अंतरराष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन 'भारत-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद' के उद्घाटन सत्र को नौसेना प्रमुख ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना और नेशनल मैरीटाइम फाउंडेशन को विशेष रूप से दुनिया के कुछ प्रमुख विशेषज्ञों और विचारकों की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है, जो इंडो-पैसिफिक के प्रबंधन, संरक्षण बनाए रखने और समुद्री डोमेन को सुरक्षित रखने की पहल पर चर्चा करेंगे। समुद्री राष्ट्र के रूप में भारत ने हमेशा समुद्र को प्रेरणा के स्रोत के साथ-साथ विकास, समृद्धि और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के चालक के रूप में देखा है। भारत को हिंद महासागर में एक सहूलियत की स्थिति प्राप्त है और इस क्षेत्र के समग्र विकास और समृद्धि में सक्रिय योगदानकर्ता रहा है। समकालीन दुनिया की बढ़ती वास्तविकताएं भू-राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भारतीय और प्रशांत महासागरों के संगम की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। उन्होंने कहा कि इंडो-पैसिफिक में कई चुनौतियां हैं जिन्हें हमें दूर करना होगा। इन चुनौतियों को 'त्रिमूर्ति' के रूप में देखा जा सकता है, जिसमें पहला है बाहरी प्रभाव और दखलंदाजी। इससे निपटने के लिए समावेशी और अभिनव दृष्टिकोण के माध्यम से आपसी विकास और समृद्धि को बढ़ावा देना होगा। चीन की ओर इशारा करते हुए नौसेना प्रमुख ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षित वातावरण तैयार करके क्षेत्र को अस्थिर करने की कोशिश करने वाली ताकतों से रक्षा करने

पर जोर दिया। बाहरी प्रभावों के बारे में उन्होंने कहा कि महाशक्ति प्रतिद्वंद्विता और बढ़ती बहु-ध्रुवीयता से प्रेरित, वैश्विक प्रतिस्पर्धा को फिर से आकार देना होगा। इसके अलावा कई प्राकृतिक आपदाओं और समुद्र के बढ़ते जल स्तर के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरों की चुनौती भी हमारे सामने है। नौसेना प्रमुख ने तीसरे खतरे की ओर इशारा करते हुए कहा कि विघटनकारी प्रौद्योगिकियां, सैन्य और नागरिक डोमेन में विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला की पेश-काश करती हैं। साइबर डोमेन, तकनीकों के साथ-साथ लक्ष्यों का उपयोग करते हुए बढ़ता हथियार-ीकरण भी बड़ा खतरा है। ये चुनौतियां भारत के लिए या इस क्षेत्र के किसी अन्य देश के लिए अद्वितीय नहीं हैं। हम यह भी मानते हैं कि इन चुनौतियों को अकेले एक राष्ट्र दूर नहीं कर सकता है। इसके लिए इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव हमारे सामूहिक प्रयासों को सिंक्रनाइज, तालमेल और चैनलाइज करने का अवसर प्रदान करता है। एडमिरल आर. हरि कुमार ने विशेष रूप से समुद्री स-ुरक्षा के बारे में बात करते हुए कहा कि समुद्री डकैती और सशस्त्र डकैती, अवैध मानव प्रवासन, ड्रग्स और हथियारों की तस्करी, अवैध मछली शिकार, समुद्री आतंकवाद ने सुरक्षा मैट्रिक्स को और जटिल बना दिया है। यह पूरी तरह स्पष्ट है कि समृद्ध हिंद-प्रशांत शांतिपूर्ण समुद्री क्षेत्र पर टिका है। आईपीओआई का समुद्री सुरक्षा स्तंभ दोस्तों और भागीदारों के बीच सहयोगात्मक जुड़ाव के माध्यम से इस महत्वपूर्ण तत्व का प्रबंधन करना चाहता है। यह इंडो-पैसिफिक में अब तक की सबसे व्यापक रूपरेखा का प्रतिनिधित्व करता है। आईपीओआई का उद्देश्य नए संस्थान बनाना नहीं है, बल्कि पारस्परिक हित के क्षेत्रों की पहचान करके मौजूदा तंत्र का लाभ उठाना है। इसलिए 'भारत-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद' के वर्तमान संस्करण का विषय 'हिंद-प्रशांत महासागर पहल का संचालन' रखा गया है। उन्होंने कहा कि आईपीओआई शांतिपूर्ण और समृद्ध भारत-प्रशांत की दिशा में हमारे प्रयासों को सिंक्रनाइज और तालमेल करने की अपार क्षमता रखता है। इसलिए, मुझे विश्वास है कि इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग हमारी संबंधित नीतियों और पहलों को आगे बढ़ा सकता है। 'ब्लू इकोनॉमी' की संभावनाएं भी परिवर्तनकारी क्षमता रखती हैं। इस क्षेत्र के अधिकांश देशों के पास अपने समुद्री संसाधनों का दोहन करने की सीमित क्षमता है। जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं के प्रभावों से ये चुनौतियां और अधिक बढ़ जाती हैं। इन पर्यावरणीय चुनौतियों के लिए विश्वसनीय, व्यावहारिक और स्थायी समाधानों की आवश्यकता है। इंडो-मलय-फिलीपींस द्वीपसमूह दुनिया की समुद्री जैव विविधता की अधिकतम मात्रा की मेजबानी करता है।

महाराष्ट्र का एक भी गांव कर्नाटक में नहीं जाने देंगे: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, (हि.स.)। राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को दावा किया कि महा-राष्ट्र का एक भी गांव कर्नाटक राज्य में जाने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीमा विवाद सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। कर्नाटक में चले गए मराठी भाषी गांव हम किसी भी तरह महाराष्ट्र में लाएंगे। इसके लिए वकीलों की फौज तैयार की जाएगी और राज्य सरकार भी इसके लिए हर तरह की तैयारी कर रही है। हालांकि उपमुख्यमंत्री के इस वक्तव्य के बाद सीमा विवाद पर राजनीति गरमा गई है। बालासाहेब की शि-ावसेना के मंत्री शंभुराजे देसाई ने पत्रकारों को बताया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री वसवराज बोम्मई का बयान हास्यास्पद है। दशकों पहले पारित प्रस्ताव के आधार पर वे इस तरह की बात कर रहे हैं, जबकि सांगली जिले में पानी की आपूर्ति कर्नाटक सरकार ने उस समय महाराष्ट्र के पानी से की थी। देसाई ने बताया कि महाराष्ट्र का ही पानी कर्नाटक में जाता है, जिसे डैम में संचित किया जाता है। सांगली के जत तहसील में पानी कम पड़ने पर उस समय हमारा ही पानी दिया था। देसाई ने कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे सीमा विवाद में 40 दिनों तक कर्नाटक की जेल में थे, इसलिए सीएम खुद इस मुद्दे पर गंभीर हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता अरविंद सामंत ने कहा कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है और राज्य सरकार ने इस मामले में जिस वकील को नियुक्त किया है, वह लंदन में है।

उन्होंने राज्य सरकार पर इस मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार के इशारे पर महाराष्ट्र के सांगली जिले को भी कर्नाटक में सौंपे जाने की तैयारी की जा रही है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक रोहित पवार ने कहा कि राज्य सरकार आंखें मूंदकर बैठी है। गुजरात, महाराष्ट्र के उद्योग-धंधे ले जा रहा है। अब तो कर्नाटक ने महाराष्ट्र के गांवों को ले जाने की तैयारी कर ली है। पूर्व सांसद राजू शेट्टी ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री के वक्तव्य के बाद राज्य के सभी राजनीतिक दलों को एकजुट हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की नजर सांगली जिले पर है, लेकिन राज्य सरकार को कर्नाटक में 865 मराठी भाषी गांवों को वापस महा-राष्ट्र में लाने का प्रयास करना चाि-हए। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता बाला नांदगांवकर ने कहा कि राज्य सरकार को सांगली जिले में नागरी समस्याओं का तत्काल निर-ाकरण करना चाहिए। वहां के लोगों में फैली भ्रांति को भी दूर करने का प्रयास करना चाहिए। सांगली जिले के जत में नागरी सुविधा न होने से लोगों में इस तरह सोच उपज रही है, इसे दूर करना सरकार का ही काम है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में सरकार को मुस्तैदी से अपनी भूमिका रखनी चाहिए, जिससे सुप्रीम कोर्ट का फैसला हमारे पक्ष में आ सके।

सिसोदिया जेल की नियमावली पढ़ लें पता नहीं अगली खातिरदारी किसकी होनी हो: बीजेपी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी स-रकार में मंत्री सत्येंद्र जैन का एक और वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में देखने को मिल रहा है कि सत्येंद्र जैन खाना खाते हुए नजर आ रहे हैं। सत्येंद्र जैन के इसी वीडियो को लेकर मोदी स-रकार में केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस कर निशाना साधा। मीनाक्षी लेखी ने कहा कि सत्येंद्र जैन जेल के अंदर सलाद और फल खा रहे हैं। उन्होंने कोर्ट में कहा था कि उनका 28 किलो वजन कम हो गया है, लेकिन इतना पौष्टिक आहार लेने के बाद तो नहीं लगता कि उनका वजन इतना कम हो जाएगा। केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को भी निशाने पर

लिया। मीनाक्षी लेखी ने कहा कि जेल में जेल के नियम होते हैं, मनीष सिसोदिया के घर के नियम नहीं। जेल के प्रबंधन की जो व्यवस्थाएं हैं, वह जेल की नियमावली से चलती हैं। फुटेज देखकर लग रहा है कि इनका खुद का स्टाफ है। मनीष सिसोदिया नियमावली पढ़ लें, पता नहीं अगली खातिर किसकी होनी है। केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि सत्येंद्र जैन आम आदमी पार्टी सरकार में मंत्री हैं और जेल का प्रबंधन दिल्ली प्रश-ासन करता है। इस प्रकार वे अधिकारियों का शोषण करना जारी रखेंगे। मीनाक्षी लेखी ने कहा कि दूसरों को चरित्र प्रमाण पत्र देने वालों का अपना ही चरित्र उजागर हो रहा है। अपराधी को घर देने के लिए बनी जेल से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। थाली में खाना परोसा जा रहा है। मसाज करने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उनको पता होना चाि-हए कि यह लग्जरी रिसॉर्ट नहीं है। केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि जेल में सत्येंद्र जैन को वीवीआईपी ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। इसको देखकर लगता है कि ये आम नहीं खास आदमी पार्टी है। मीनाक्षी लेखी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया खुद को ईमानदारी के सर्टिफिकेट बांट रहे हैं, लेकिन असलियत में जनता कट्टर भ्रष्ट केजरीवाल की सच्चाई जान चुकी है। आज यमुना जी मैली हो गई हैं, केजरीवाल सरकार के पाप धोते-धोते।

जम्मू कश्मीर पहुंचने पर राहुल की 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल होंगे फारुख अब्दुल्ला

जम्मू (ईएमएस)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के जम्मू-कश्मीर पहुंचने पर उसमें शामिल होंगे। अब्दुल्ला ने कहा कि देश की एकता और अखंडता को बनाए रखना समय की मांग है। इसलिए भारत जोड़ो यात्रा के जम्मू-कश्मीर पहुंचने पर वो यात्रा में शामिल होंगे। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। अब्दुल्ला ने नई दिल्ली में कहा कि जब वह लखनपुर पहुंचेंगे, जहां से जम्मू-कश्मीर शुरू होता है, तो मैं वहां जाऊंगा

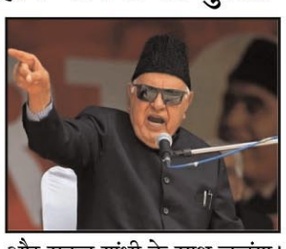

और राहुल गांधी के साथ चलूंगा। हम इस देश की एकता और अखंडता के लिए साथ चलेंगे। उन्होंने कहा कि एकजुट रहना समय की मांग है। पूर्व मुख्यमंत्री फिलहाल संसदीय समिति की बैठक के लिए नई दिल्ली में हैं। आपको बता दें कि कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक के लिए करीब 3570 किलोमीटर भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत 7 सितंबर को हुई थी।

श्रद्धा ने 2020 में पुलिस से की थी शिकायत

अजय कुमार

नई दिल्ली। श्रद्धा हत्याकांड की जांच कर रही दिल्ली पुलिस पुख्ता साक्ष्य इकट्ठा करने में जुटी हुई है। ऐसे में श्रद्धा का दो साल पहले लिखा लेटर भी मुंबई पुलिस के पास मिला है। यह पत्र सोशल मीडिया पर है, हालांकि यह लेटर श्रद्धा ने ही लिखा है इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। लेटर के अनुसार, श्रद्धा वालकर को दो साल पहले ही आफताब ने टुकड़ों में काटकर हत्या करने की धमकी दी थी। ऐसी शिकायत महाराष्ट्र के वसई में पुलिस के पास साल 2020 में दर्ज की गई थी। शिकायत में श्रद्धा ने लिखा था कि, ह्लआज उसने मुझे जान से मारने की कोशिश की और वह मुझे डराता है, मुझे ब्लैकमेल करता है कि वह मुझे मार डालेगा, मेरे टुक-ड़े-टुकड़े करके फेंक देगा। वह मेरे साथ पिछले छह महीने से मारपीट कर रहा है लेकिन मुझमें इतनी हिम्मत नहीं थी कि मैं पुलिस

में उसकी शिकायत कर सकूं क्योंकि वह मुझे जान से मारने की धमकी दे रहा था।" श्रद्धा ने शि-ाकायत में लिखा था, "आफताब के माता-पिता उसके हिंसक व्यवहार के बारे में जानते थे और वे उससे मिलने के लिए हफ्ते में एक बार घर आते थे। पिटाई के बाद भी हम एक साथ रहे, क्योंकि हम आने वाले दिनों में शादी करने वाले थे। लेकिन अब मैं उसके साथ नहीं रहना चाहती लेकिन वो मुझे मारने की धमकी दे रहा है।" उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों श्रद्धा के दोस्तों ने भी पुलिस को बताया था कि 23 नवंबर 2020 को श्रद्धा ने अपने दोस्त करण को पिटाई के बारे में बताया था और चेहरे पर चोट के निशान वाली तस्वीर भी साझा की थी। इसके बाद ही श्रद्धा अस्पताल में जांच के लिए गई थी। वहीं सूत्रों की माने तो श्रद्धा ने पिटाई के बाद पुलिस को शिकायत में लिखा था कि उस-ाका परिवार उसके हिंसक व्यवहार के बारे में जानता है। पुलिस अब इस शिकायत और वसई पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई की पुष्टि कर रही है। आफताब के माता-पिता भी बयान दर्ज कराने के लिए दिल्ली में हैं। बताया जाता है कि श्रद्धा हत्याकांड में अभी तक पुलिस 17 लोगों का बयान दर्ज कर चुकी है।

केंद्र सरकार ने फर्जी और पेड रिव्यू पर लगाम लगाने के लिए जारी की गाइडलाइन

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑनलाइन शॉपिंग, होटल बुकिंग, ट्रेवल बुकिंग और रेस्टोरेंट के खाने व सर्विस से जुड़े किसी प्रोडक्ट के बारे में फर्जी रिव्यू लिखना या लिखवाना अब विभिन्न कंपनियों को बहुत भारी पड़ेगा। सरकार ने फर्जी और पेड रिव्यू पर लगाम लगाने के लिए नए मानक लागू करने की घोषणा की है। फर्जी रिव्यू रोकने को बनाए गए नए मानक 25 नवंबर से लागू हो जाएंगे। यदि कोई कंपनी मानकों का पालन नहीं करती है तो इसे अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस माना जाएगा। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने किसी सामान या सर्विस का रिव्यू करने के लिए यह मानक तय किए हैं। केंद्रीय उपभोक्ता मंत्रालय के सचिव रोहित कुमार ने इन मानकों को जारी करते हुए कहा कि श-ुरूआत में यह सभी मानक स्वैच्छिक होंगे। उन्होंने कहा भारत पहला देश है, जिसने सामान या सेवा के रिव्यू लिखने के लिए नियम बनाए हैं। इन मानकों के लागू होने के बाद ई कॉमर्स कंपनियां अब फेक और पेड रिव्यू नहीं करवा पाएंगी। रोहित कुमार ने कहा कि रिव्यू के लिए बनाए गए सभी मानकों का पालन करने के बाद ही बीआईएस में सत्यापन के लिए आवेदन करना होगा। इसके बाद बीआईएस एक सर्टिफिकेट जारी करेगा। इसके बाद कंपनी अपनी वेबसाइट पर इसका उल्लेख कर सकती है। जो कंपनियां इन मानकों का पालन नहीं करेंगी उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। रोहित कुमार ने बताया कि कंपनी को अब यह बताना होगा कि रिव्यू के आधार पर किसी प्रोडक्ट को स्टार रेटिंग कैसे देती है।

कोर्ट ने पूछा अदालत में पेश क्यों नहीं हुए अमानतुल्लाह खान

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। वक़्फ बोर्ड भर्ती में अनियमितता के मामले में अमानतुल्लाह खान की जमानत याचिका पर कोर्ट ने सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने पूछा कि अमानतुल्लाह खान कोर्ट में पेश क्यों नहीं हुए। इस पर अमानतुल्लाह खान के वकील ने बताया कि अमानतुल्लाह खान को रात में चेस्ट पेन हुआ था, जिसके बाद अमानतुल्लाह खान को एमरजेंसी में भर्ती कराया गया था, सुबह 4 बजे डिस्चार्ज कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि अमानतुल्लाह खान से जुड़ी कोई जानकारी गलत नहीं होनी चाहिए। इस पर अमानतुल्लाह खान के

वकील ने कहा कि वह सही जानकारी कोर्ट को देंगे। कोर्ट ने मामले में अन्य आरोपियों की तरफ से कोई वकील नहीं करने पर ना-राजगी जताई। कोर्ट ने पूछा कि मामले में अन्य आरोपियों ने वकील क्यों नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि यह क्रिमिनल केस है, यहां समन पर आरोपी घूमने नहीं आये हैं। कोर्ट में समन पर पेश होने के बाद जमानत के लिए वकील करना होता है। अन्य आ-रोपियों की तरफ से वकील ने कहा कि अन्य आरोपी को इस बारे में जानकारी नहीं थी। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर आपको जानकारी नहीं है तो यह आपकी परेशानी है, आप लोगों में जागरूकता पैदा करें। अमानतुल्लाह खान के वकील ने कहा कि बाकी आरोपियों की तरफ से भी वह पेश होंगे और उनकी तरफ से वकालत नामा दाखिल करेंगे। राउज एवेन्यू कोर्ट में मामले में आरोपियों की जमानत पर 11:30 बजे सुनवाई होगी। कोर्ट ने कहा कि अन्य आरोपियों की जमानत पर 11:30 बजे सुनवाई होगी।

दिल्ली से पटना जा रही फ्लाइट में महिला को हार्ट अटैक

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। नई दिल्ली से पटना के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट में एक महिला को अचानक हार्ट अटैक आ गया और वह अपनी सीट पर बेहोश हो गई। इंडिगो के विमान को दिल्ली से उड़ान भरे सिर्फ 35 मिनट ही हुए थे कि 59 वर्षीय महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई और बेहोश हो गई। गनीमत ये रही कि उस फ्लाइट में सवार 4 डॉक्टरों ने सूझबूझ से महिला की जान बचा ली। पटना में फ्लाइट के उतरने के बाद महिला को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब महिला की तबीयत स्थिर है। इंडिगो विमान से नई दिल्ली से पटना की यात्रा कर रही एक 59 वर्षीय महिला को विमान के टेकऑफ के तुरंत बाद सीने में दर्द हुआ और वह अचानक सीट पर ही गिर गई। इंडिगो के केबिन क्रू ने तत्काल कार्रवाई की और स्थिति को संभालने के लिए डॉक्टरों और नर्सों से मदद की मांग की। इसके बाद चार डॉक्टर महिला की जान बचाने के लिए आगे आए। पायलटों ने पटना हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) को सूचित किया और उड़ान को प्राथमिकता दी। विमान शाम 7:45 बजे के निर्धारित समय से लगभग 25 मिनट पहले पटना में उतारा गया। महिला के पति प्रमोद अग्रवाल ने बताया कि उनकी पत्नी सुमन अग्रवाल को हाइपरटेंशन है। दोनों नागपुर से आ रहे थे। उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरने के 35 मिनट बाद सीने में दर्द होने लगा और वे सीट पर ही गिर गईं। इसके बाद क्रू ने तुरंत विमान में सवार डॉक्टरों और नर्सों से मदद मांगी। तभी चार डॉक्टर, जिनमें से तीन सरकारी सेवा में थे, वे मदद के लिए आगे आए और उन्होंने स्थिति को संभाला।

भाजपा सबसे पहले लोगों के दिलों में डर पैदा करती है और फिर इसे हिंसा में बदल देती है : राहुल गांधी

-राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने बुरहानपुर से मध्यप्रदेश में किया प्रवेश

भोपाल (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार सुबह मध्य प्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत करते हुए सत्त-ारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा युवाओं, किसानों और मजदूरों के दिलों में पहले डर फैलाती है और फिर इसे हिंसा में बदल देती है। राहुल की अगुवाई वाली भारत जोड़ो यात्रा महाराष्ट्र से गुजरने के बाद दक्षिण का द्वार कहे जाने वाले बुरहानपुर जिले के बोदरली गांव से मध्य प्रदेश में तय कार्यक्रम से एक घंटे की देरी से दाखिल हुई। राहुल ने गांव के सभास्थल पर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की कांग्रेस इकाइयों के बीच तिरंगे का हस्तांतरण कराने के बाद मध्य प्रदेश में 12 दिवसीय यात्रा की औपचारिक शुरूआत की। इस मौके पर महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले, मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ, पूर्व केंद्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। राहुल ने सभा में कहा कि उनकी यात्रा देश में फैलाई जा रही नफरत, हिंसा और डर के खिलाफ है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने केंद्र सरकार को बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दों पर घेरा। उन्होंने कहा भाजपा सबसे पहले युवाओं, किसानों और मजदूरों के दिलों में डर फैलाती है और जब यह डर अच्छी तरह से फैल जाता है तो वह इसे हिंसा में बदल देती है। राहुल ने भाजपा को एक तरह से चुनौती देते हुए कहा, हमने कन्याकुमारी से हाथ में तिरंगा लेकर भारत जोड़ो यात्रा शुरू की

थी। इस तिरंगे को श्रीनगर पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने दावा किया कि देश का उद्योग जगत, हवाई अड्डे और बंदरगाह केवल तीन-चार उद्योगपतियों के हाथों में हैं और अब रेलवे भी उनके हाथों में जाने वाला है। राहुल ने कहा, यह अन्याय का हिंदुस्तान है। ऐसा हिंदुस्तान हमें नहीं चाहिए। गरीबों को न्याय चाि-हए। उन्होंने यह भी कहा कि महंगे पेट्रोल और रसोई गैस के लिए आम आदमी की जेब से निकलने वाला धन इन्हीं तीन-चार उद्योगपतियों की जेब में जा रहा है। राहुल ने रुद्र नाम के पांच वर्षीय बच्चे को अपनी सभा के मंच पर बुलाया, जिसने कहा कि वह बड़ा होकर डॉक्टर बनना चाहता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सरकार पर शिक्षा के निजीकरण का आरोप लगाते हुए कहा आज के हिंदुस्तान में रुद्र का डॉक्टर बनने का सपना पूरा नहीं हो सकता, क्योंकि निजी चिकित्सा महाविद्यालय में पढ़ाई के लिए उसके माता-पिता को करोड़ों रुपए की फीस देनी होगी। फीस नहीं दे पाने के कारण उसे मजदूरी करनी पड़ेगी। राहुल की अगुवाई वाली यह पदयात्रा चार दिसंबर को राजस्थान में दाखिल होने से पहले 12 दिन के भीतर पश्चिमी मध्य प्रदेश के मालवा-निमाड़ अंचल से गुजरेगी। गौरतलब है यात्रा में शामिल होने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में प्रभातफेरी के रूप में तिरंगे झंडे लहराते हुए बोदरली गांव पहुंचे।करीब 6,000 की आबादी वाले इस गांव में यात्रा के स्वागत के लिए सभास्थल को खासतौर पर केलों के पत्तों से सजाया गया था, क्योंकि यह इलाका केले की खेती का गढ़ है।

महाराष्ट्र में आया 3.6 तीव्रता का भूकंप

- धरती की सतह के नीचे टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल महसूस की गई

नासिक (ईएमएस)। महाराष्ट्र के नासिक के पास बुधवार तड़के रिक्टर स्केल पर 3.6 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने यह जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक नासिक से 89 किलोमीटर पश्चिम में बुधवार सुबह करीब 4 बजे धरती की सतह के नीचे टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल महसूस की गई। भूकंप की गहराई जमीन से 5 किमी नीचे थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने एक ट्वीट करके कहा कि महा-राष्ट्र के नासिक से 89 किमी पश्चिम में बुधवार सुबह लगभग 04:04 बजे 3.6 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की गहराई जमीन से 5 किमी नीचे थी। गौरतलब है कि इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर सोमवार को आए भूकंप से मरने वालों की संख्या

मंगलवार को बढ़कर 268 हो गई, क्योंकि ढही इमारतों के मलबों से और शव निकाले गए जबकि 151 लोग अभी भी लापता हैं। बताया गया है कि सियांजुर शहर के पास सोमवार दोपहर आए 5.6 तीव्रता के भूकंप में अन्य 1,083 लोग घायल हो गए। भूकंप के चलते ग्रामीण क्षेत्र के आसपास की इमारतें ढह गईं। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए लोगों के अलावा 300 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और लगभग 600 से अधिक लोगों को मामूली चोटें आई हैं। एक एजेंसी ने बताया कि सियांजुर के उत्तर-पश्चिम स्थित सिजेडिल गांव में भूकंप से भूस्खलन हुआ, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गईं और कई घर ढह गए। ऐसी जगहों पर तलाशी अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। जहां संदेह है कि अभी भी हताहत लोग हो सकते हैं। बचाव टीम दूर-दराज के इलाकों में भी पहुंचने की कोशिश कर रही है जबकि अस्पतालों में मरीजों की भीड़ है। मरीज बाहर लगे टेंट में स्ट्रेचर पर लेटे हुए आगे के इलाज का इंतजार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि मरने वालों में कई पब्लिक स्कूलों के छात्र हैं जो दिन की अपनी कक्षाएं समाप्त करने के बाद मदरसों में अतिरिक्त कक्षाएं ले रहे थे। शुरूआत में क्षतिग्रस्त सड़कों और पुलों, बिजली की आपूर्ति बाधित होने और भारी कंक्रीट मलबे को हटाने के लिए बड़े उपकरणों की कमी के कारण बचाव कार्य बाधित हुआ।

झांसी में आज एक घंटा 50 मिनट रुकेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,तैयारियां पूर्ण

झांसी, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गुरुवार को वीरांगना नगरी झांसी आगमन के मद्देनजर पूरा प्रशासनिक अमला जोर शोर से तैयारियों में जुटा है। शहर के बीचोबीच स्थित लक्ष्मी व्यायाम मंदिर (एलवीएम) को उनकी जनसभा की तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी है। मुख्यमंत्री का प्रोटोकॉल भी आ गया है। वीरांगना लक्ष्मीबाई भूमि पर वह एक घंटा 50 मिनट तक रहेंगे। प्रोटोकॉल के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह 9 बजकर 40 मिनट पर लखनऊ स्थित लॉ मार्टिनियर कॉलेज ग्राउंड हेलीपेड से प्रस्थान कर 10 बजकर 50 मिनट पर झांसी पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड पर पहुंचेंगे। 10 बजकर 55 मिनट तक स्वागत आदि के बाद वह सीधे कार्यक्रम स्थल एलवीएम ग्राउंड के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां वह 11 बजे से 12 बजकर 30 मिनट तक प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करेंगे और विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण करेंगे। वहां से वह सीधे पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड पर पहुंचेंगे और 12 बजकर 40 मिनट पर हेलीकॉप्टर से प्रयागराज के लिए प्रस्थान करेंगे। 37 साल का मिथक तोड़कर प्रदेश में दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का झांसी का यह दूसरा दौरा है। निकाय चुनाव के करीब होने के चलते राजनीतिक दृष्टिकोण से भी इस दौरे को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री प्रबुद्ध वर्ग के सम्मेलन के बहाने निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जमीनी हकीकत भी जानेंगे। साथ ही निकाय चुनाव के लिए पार्टी के पक्ष में हवा बनाने का भी काम करेंगे। वह एलवीएम में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे और अपनी सरकार की योजनाओं को सामने रखने के साथ साथ कई नई योजनाओं की भी घोषणा करेंगे। योगी के दौरे को लेकर पार्टी और प्रशासन दोनों ही स्तरों पर तेजी से काम हो रहा है। पार्टी पदाधिकारी विभिन्न स्तरों पर संबंधितों को जिम्मेदारियां सौंपने में लगे हैं। निकाय चुनाव के संभावित उम्मीदवारों को अधिक से अधिक लोगों को सभा स्थल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक तरह से विभिन्न वार्डों के संभावित भाजपा उम्मीदवार इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सामने अपना अपना शक्तिबल प्रदर्शन करेंगे। प्रशासनिक अमला भी मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पूरी मुस्तैदी के साथ तैयारियों में जुटा है। आयोजन स्थल और वहां तक जाने वाले रास्तों को चमकाने व सभी तरह की व्यवस्था को चाक चौबंद करने के काम जोरों पर हैं। सुरक्षा के मद्देनजर अन्य जनपद के पुलिस बल को भी बुलाया गया है।

सपा में रहने वाले को भाजपा ने मैनपुरी सीट पर बनाया है उम्मीदवार : अखिलेश यादव

- अखिलेश ने एक बार फिर चुनाव में भाजपा के बेइमानी करने का उठाया मुद्दा

मैनपुरी, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव में अपना ही प्रत्याशी उतारा है जो कभी सपा में थे। यह बातें बुधवार को मैनपुरी में सपा कार्यालय में आयोजित "सैनिक सम्मेलन" में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूर्व सैनिकों को सम्बोधित करते हुए कही। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले चुनाव में अगर बेइमानी न होती तो मैनपुरी विधानसभा तो आप जीत ही रहे थे, आप भोगांव भी जीत गए होते। भोगांव ही नहीं उप्र की कई विधानसभा सीटों में ऐसा हुआ। आपकी प्रदेश में सरकार बन गई थी लेकिन जान बूझकर पहले तो इन्होंने (भाजपा) ने वोट काटें। बाद में वोटों की गिनती में उन विधानसभाओं में कम वोटों के अंतर से हार करा दी, जहां 20 हजार 24 हजार से अधिक वोटों से हम जीतते आ रहे थे। अखिलेश ने पूर्व सैनिक सम्मेलन में कहा कि नेताजी ने जीवन भर इस क्षेत्र की सेवा की। इस चुनाव में उनके समर्थन में एक-एक वोट डालकर ऐतिहासिक जीत दिलाने की अपील की। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जहां मैनपुरी में "सैनिक सम्मेलन" के आयोजन में शामिल हुए। वहीं पार्टी की ओर से ट्वीट कर सैनिकों के लिए ट्वीट किया। ट्वीट कर कहा कि "सैनिकों का सम्मान, सपा की पहचान।"

विरासत से सियासत के फैसले तय नहीं होते, मैनपुरी में खिलेगा कमल : एसपी सिंह बघेल

मैनपुरी, (हि.स.)। मैनपुरी जैसा गढ़ समझकर डिम्पल यादव फिरोजाबाद आयीं थी और हार कर गई और वो गढ़ टूटा। ऐसा ही गढ़ समझ कर अक्षय यादव फिरोजाबाद आये और 2019 का चुनाव वो हारे गढ़ टूटा। बदायूं का गढ़ टूटा, जहां से धर्मेन्द्र यादव सांसद हुआ करते थे। अब मैनपुरी वाला गढ़ भी उपचुनाव में टूटेगा, विरासत से सियासत के फैसले तय नहीं होते। यह बातें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार रघुराज शाक्य के समर्थन में मैनपुरी पहुंचे केंद्रीय कानून मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कही। केन्द्रीय मंत्री ने अखिलेश के बयान कि आजमगढ़ और रामपुर हम धोखे से हारे हैं के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि सुविधा भोगी की वजह से हारे, वो 2012 से 2017 तक मुख्यमंत्री रहे है, अभी तक मानसिक रूप से मुख्यमंत्री की कुर्सी से उतरे नहीं है। ओवर कॉन्फिडेंस की वजह से चुनाव हारे थे। उन्होंने कहा कि सपा चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं है। सरकार का लाईन ऑर्डर मैनपुरी के लोगों को पसंद आ रहा है, क्योंकि उन्होंने बहुत खराब लाइन ऑर्डर को भुगता है। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के भाजपा द्वारा राम को बेचने और सौदा करने वाले बयान पर कानून मंत्री एसपी सिंह बघेल बोले कि इस प्रकार की टिप्पणी करना उचित नहीं होता, जिससे किसी की भी धार्मिक भावना को ठेस पहुंचे। ऐसे में रामपुर की तरह सदस्यता भी जा सकती है। उन्होंने कहा कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में भाजपा जीत हासिल करेगी।

भ्रम लेकर घूम रहे सपा नेता, मैनपुरी में जीतेगी भाजपा : भूपेंद्र चौधरी

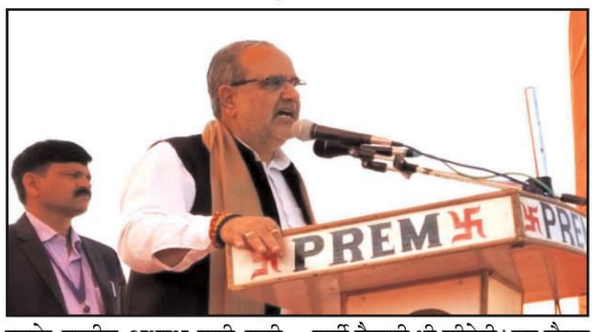

इटावा, (हि.स.)। मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तरीय कार्यकताओं को संबोधित करने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी पहुंचे। उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि लोग भ्रम लेकर घूम रहे हैं कि सैफई, मैनपुरी और जसवंतनगर उनका गढ़ है। अब कही किसी का गढ़ नहीं। अब पूरा प्रदेश बीजेपी का गढ़ है। भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि सपा के लोग कहते थे कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष कहीं प्रचार करने नहीं जाते। अब देखो रामपुर, आजमगढ़ हारने के बाद उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष गली-गली में घूम रहे हैं और चाचा की ठोड़ी खुजला रहे हैं। कहा कि केंद्र की सरकार हो या प्रदेश की सरकार हो बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य सभी मुद्दों पर बेहतर कार्य किया जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी मैनपुरी भी जीतेगी। इस दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र मानवेन्द्र सिंह, मंत्री रामकेश निषाद, मुन्नू कोरी, विधायक सरिता भदौरिया, नीलिमा कटियार, अभिजीत सिंह सांगा समेत कई भाजपा नेतागण और भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहें।

पुलिस झंडा दिवस : डीजीपी ने मुख्यमंत्री को लगाया फ्लैग पिन

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के पुलिस विभाग में बुधवार को पुलिस झंडा दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डीएस चौहान ने मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को फ्लैग पिन लगाया। उन्होंने प्रतीक चिन्ह भी सौंपा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर प्रदेश की पुलिस को पुलिस झंडा दिवस की शुभकमानाएं दी है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस के समस्त अनुशासित एवं कर्तव्यनिष्ठ कार्मिकों को पुलिस झंडा दिवस की हार्दिक बधाई। समर्पण, संवेदनशीलता और सेवा की प्रतीक यूपी पुलिस पर हमें गर्व है। जय हिंद...। इस दौरान डीजीपी के अलावा अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था प्रशांत कुमार सहित पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे थे।

राज्य सरकार के खिलाफ कोडरमा में भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

-भ्रष्टाचार में डूबी है हेमंत सरकार: पीएन सिंह

कोडरमा, (हि.स.)। प्रदेश की हेमंत सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है और राज्य हित में इस सरकार का जल्दी जाना जरूरी है। प्रदेश में जहां लूट का खेल चल रहा है, वहीं प्रदेश के मुखिया हेमंत सोरेन गद्दी बचाने में लगे हुए हैं। यहां कोई भी सुरक्षित नहीं है और हर जगह अव्यवस्था का आलम है। यह बात धनबाद सांसद पीएन सिंह ने कोडरमा में बुधवार को भाजपा कार्यकताओं के प्रदर्शन के दौरान समाहरणालय परिसर में सभा को संबोधित करते हुए कही। कोडरमा सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि जिला प्रशासन जानबूझकर लोगों को परेशान कर रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे ब्लू स्टोन का मामला हो या फिर ढिबरा चुनने का, यहां के लोगों को तंग तबाह किया जा रहा है। क्रशर उजाड़े जा रहे हैं और लोगों को बेरोजगार किया जा रहा है जबकि हेमंत सोरेन की सरकार अपने को गरीबों की हिमायती बताती है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन एक झांकी है। यदि जिला प्रशासन और राज्य सरकार ने रवैया में सुधार नहीं किया तो आने वाले समय में व्यापक आंदोलन होगा और रांची में भी धरना प्रदर्शन किया जाएगा। सभा को कोडरमा विधायक नीरा यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रणव वर्मा, जिला प्रभारी टून्नु गोप के अलावा स्थानीय नेताओं में रमेश सिंह, रामचंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष नितेश चंद्रवंशी ने जबकि संचालन जिला महामंत्री राजकुमार यादव और अनूप जोशी ने किया।

सपा-भाजपा से बेहतर रही बसपा सरकार, लोगों को मिला रोजगार : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने कहा कि सपा और भाजपा की सरकार से बेहतर कार्यकाल बसपा सरकार का रहा है। बसपा की सरकार में लोगों को रोजगार दिए गए। बुनियादी सुविधाओं से युक्त नए पक्के मकान व भूमि आदि भी निःशुल्क में लाखों परिवारों को आवंटित करके यहां गरीबों का जीवन धन्य होते हुए सभी ने देखा, किन्तु सपा और भाजपा की सरकार में भी वैसी खास प्रगति क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि यूपी में देशी व विदेशी पूंजीनिवेश के लिए सरकार का अनवरत प्रयास जरूरी, किन्तु यह केवल खेती भूमि के अधिग्रहण तथा राजनीतिक एवं चुनावी स्वार्थ तक ही सीमित नहीं होना चाहिए। यूपी जैसे अति-गरीबों के पिछड़े प्रदेश में डबल इंजन की सरकार में वैसी ही तेज प्रगति भी लोगों को दिखनी चाहिए। आगे कहा कि यूपी की समग्र प्रगति, विकास व लोगों की रोजी-रोटी के साथ ही उनकी सुरक्षा व आत्म-सम्मान के लिए बीएसपी की हुकूमत में जो कुछ खास काम किया वह अपने बलबूते पर किया गया। यमुना के साथ गंगा एक्सप्रेस-वे व जेवर एयरपोर्ट भी तब बन जाता अगर केन्द्र की कांग्रेस सरकार ने थोड़ा सहयोग किया होता।

रिम्स में प्रशासनिक व्यवस्था ध्वस्त : हाई कोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस डॉ रवि रंजन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने बुधवार को रिम्स की लचर व्यवस्था को लेकर दाखिल जनहित याचिका की सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने मौखिक कहा कि रिम्स में प्रशासनिक व्यवस्था ध्वस्त है। रिम्स का अधीक्षक ऐसे व्यक्ति को होना चाहिए जो रिम्स की सारी व्यवस्था को सुचारू रूप से चला सके। कोर्ट ने मामले में स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को कोर्ट में अगली सुनवाई में तलब किया है। कोर्ट ने मौखिक कहा कि रिम्स में स्वीकृत पद पर नियमित नियुक्ति करने का आदेश हाई कोर्ट ने दिया था इसके बाद भी आउटसोर्सिंग पर नियुक्ति क्यों की गई। रिम्स ने इस संबंध में राज्य सरकार से मार्गदर्शन लिया था। खंडपीठ ने कहा कि सरकार की ओर से जो आउटसोर्सिंग से रिम्स में नियुक्ति के लिए जो संकल्प सरकार की ओर से निकाला गया था, वह हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना का मामला बनता है। संकल्प में सरकार की ओर से रिम्स में रेगुलर नियुक्ति और आउटसोर्सिंग दोनों तरीके से नियुक्ति की बात कही गई थी जबकि कोर्ट ने स्पष्ट रूप से रिम्स में आउटसोर्सिंग से नियुक्ति नहीं करने की बात कही थी, यह कोर्ट के आदेश की अवहेलना है। कोर्ट ने कहा कि रिम्स बताए कि उसने सरकार से किस प्रावधान के तहत मार्गदर्शन मांगा है जबकि रिम्स में नियमित नियुक्ति से संबंधित मामला हाई कोर्ट में लंबित है। इसे लेकर क्यों नहीं रिम्स के खिलाफ अवमानना का मामला चलाया जाए। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 29 नवंबर निर्धारित की। कोर्ट ने मौखिक कहा कि झारखंड कोयले के दोहन और रिम्स की कमी के लिए जाना जाता है। रिम्स में सिर्फ कमियां ही कमियां है, इसे दुरुस्त करने के लिए रिम्स की ओर से कोई सार्थक पहल नहीं की जाती है। कोर्ट ने रिम्स में फोर्थ ग्रेड पर नियुक्ति से संबंधित रिट याचिका पर ही सुनवाई की।

ढुकान के आगे वाहन पार्किंग करने पर वसूला जायेगा जुर्माना : एसपी

रांची, (हि.स.)। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने सिटी एसपी अंशुमान कुमार के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में जाने के बाद नगर एवं यातायात के रूटीन कार्यों की समीक्षा बैठक मंगलवार देर रात की। साथ ही यातायात समस्या को लेकर ट्रैफिक के डीएसपी एवं थाना प्रभारी को कई दिशा निर्देश दिए। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने मेन रोड पर जो भी ठेला खोमचा लगाए हुए हैं उन्हें किनारे रहने के लिए हिदायत दे, उसके बाद भी अगर नहीं मानते हैं तो उनसे जुर्माना वसूले का निर्देश दिया। साथ ही एसपी ने पदाधिकारियों को कहा कि दुकानदारों को हिदायत दे कि दुकान के आगे वाहन पार्क ना कराएं फिर भी अगर उनके द्वारा ऐसा नहीं किया जाता है तो दुकानदारों से भी जुर्माना वसूल करें। एसपी ने यातायात को कंट्रोल के लिए ट्रैफिक सिग्नल लाइट एवं कैमरा और स्लाइडर की मरम्मत जल्द कराने और आवश्यकतानुसार और स्लाइडर मुहैया कराने की बात कहीं। उन्होंने कहा कि अस्वस्थ पुलिसकर्मियों को उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कम भीड़ वाले स्थानों पर और जो तेज तरार पुलिसकर्मी हैं उन्हें भीड़भाड़ वाले स्थानों पर प्रतिनियुक्त किया जाएगा। उन्होंने यातायात में सुधार के लिए आम जनमानस से सहयोग की अपील की तथा सुझाव मांगा। इसके लिए मोबाइल नंबर 9431706138, 8987790782 एवं 8987790772 जारी किया गया। इस पर व्हाट्सएप या कॉल कर लोग सुझाव दे सकते हैं।

संजीव मिश्रा की हत्या पुलिस-अपराधी गठजोड़ का नतीजा : महबूब आलम

कटिहार, (हि.स.)। बलरामपुर से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) विधायक कॉ. महबूब आलम ने भाजपा नेता संजीव मिश्रा की हुई हत्या को एक जघन्य अपराध बताते हुए कहा कि हमारी पार्टी ऐसी घटना की घोर निंदा करती है। उन्होंने कहा कि इस मामले में पुलिस सही दिशा में अनुसंधान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड को राजनीतिक रंग देकर समाज में आपसी प्रेम व भाईचारे को भंग करने की कोशिश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दोषी को अवश्य कड़ी सजा मिलनी चाहिए परंतु निर्दोष को पुलिस परेशान नहीं करे। उल्लेखनीय है कि बीते सात नवम्बर की सुबह बारसोई के तेलता में भाजपा नेता संजीव मिश्रा की हत्या अपराधियों ने गोली मारकर कर दी थी। इस हत्याकांड को लेकर भाजपा ने बिहार की महा गठबंधन की सरकार को जिम्मेवार ठहराया है। महबूब आलम ने भाजपा नेता संजीव मिश्रा हत्या कांड को पुलिस-अपराधी गठजोड़ का नतीजा बताते हुए कहा कि संजीव मिश्रा तेलता थाना का दलाल था। उनका काम लोगों को झूठा मुकदमा में फसाना और उगाही कर समझौता करवाना था। उन्होंने कहा कि संजीव मिश्रा जनप्रतिनिधियों के चुनाव में भी किसको जितना और हराना है, इस गतिविधि में सम्मिलित रहते थे। इस वजह से इससे पहले भी संजीव मिश्रा के बहनोई की हत्या हुई थी। इसके बाद मुखिया पति खुशदिल की हत्या हुई। इस मामले में संजीव मिश्रा नामजद अभियुक्त है। महबूब आलम ने कहा कि संजीव मिश्रा की बहन बिंदु कुमारी उक्त हत्याकांड की चश्मदीद गवाह बनी है। जबकि स्थानीय लोगों का कहना संजीव की बहन घटना के समय कटिहार में थी, और घटना की सूचना मिलने के बाद तेलता पहुंची है। ऐसे में वह घटना का चश्मदीद गवाह कैसे हो सकती है? उन्होंने कहा कि इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की आवश्यकता है, ताकि निर्दोष लोगों पर किसी तरह का जुल्म ना हो।

नेपाल चुनाव में सत्तारूढ नेपाली कांग्रेस गठबंधन को बढ़त

काठमांडू/मोतिहारी, (हि.स.)। नेपाल के संसदीय चुनाव में सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस और उसके सहयोगी दल लगातार बढत बनाये हुए है। नेपाल माउन्टेन टीवी के रिपोर्टर श्याम गुप्ता ने मतगणना के नवीनतम रुझानों की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक के जो नतीजे आये है, उसके अनुसार सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस गठबंधन लगभग 75 सीटों पर आगे चल रही है। नेपाली कांग्रेस छह सीटें जीत चुकी है और 46 पर आगे चल रही है। गठबंधन में उसकी सहयोगी पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड की पार्टी सीपीएन-एमसी 17 सीटों पर और सीपीएन-यूएस और लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी दो-दो सीटों पर आगे चल रही हैं।वहीं पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली मुख्य विपक्षी पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (सीपीएन-यूएमएल) को तीन सीटों पर जीत मिल चुकी है और वह 38 सीटों पर आगे चल रही है। चुनाव आयोग के मुताबिक सीपीएन-यूएमएल को सबसे ज्यादा 1,48,516 आनुपातिक वोट मिले हैं। दूसरे नंबर नेपाली कांग्रेस है, जिसे कुल 1,29,285 आनुपातिक मत मिले हैं। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को 66,236 आनुपातिक मत प्राप्त हुए हैं। प्रचंड की पार्टी को 64,236 आनुपातिक मतों मिले है।मिली रिपोर्ट के अनुसार कार्यवाहक सरकार के प्रधानमंत्री और सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा अपने प्रतिद्वंद्वी सागर ढकाल से 25,534 मतों से जीत गये है। देउबा अपने गृह जिले धनकुटा से सातबी बार चुनाव जीते है।

युवा रोजगार मेला में दर्जनों बेरोजगारों ने जमा कराया अपना आवेदन

अररिया, (हि.स.)। जिले में फारबिसगंज के सुभाष चौक राम मनोहर लोहिया पथ में रामेश्वरम ट्रेडर्स प्रतिष्ठान में युवा रोजगार मेला का आयोजन बुधवार को किया गया।जिसमें अररिया जिला समेत दूसरे जिले के बेरोजगारों ने रोजगार को लेकर अपना आवेदन और प्रमाण पत्र जमा किया। फार्मट्रैक एंड पावरट्रैक ट्रैक्टर्स के निमार्ता एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड की ओर से आयोजित युवा रोजगार मेला में सेल्स एग्जीक्यूटिव के पद के लिए अररिया,भागलपुर,किशनगंज और पूर्णिया के सभी तहसील के लिए दर्जनों अभ्यर्थियों का इंटरव्यू लिया गया।युवा रोजगार मेला का आयोजन जागरण कल्याण भारती की ओर से किया गया। आयोजित कार्यक्रम का संचालन जागरण कल्याण भारती के अध्यक्ष संजय कुमार ने किया। मौके पर जीविका के डीपीएम अमित सागर,फरीदाबाद से आये कम्पनी के एचआर विभाग के संदीप राय,आकाश अग्रवाल, पवन अग्रवाल, मनीष कुमार, सरवर आलम,सोनू कुमार, राजेश कुमार,कुंदन कुमार आदि मौजूद थे। मौके पर जीविका के डीपीएम अमित सागर ने अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रोजगार सृजन करके लगातार अभ्यर्थियों को प्राइवेट और सरकारी कम्पनी युवाओं को नौकरी देने का काम कर रही है। उंन्होने कहा कि आज सरकारी और निजी क्षेत्र में नौकरियां एक समान रह गयी है। कारण पेंशन व्यवस्था सरकारी सिस्टम से भी समाप्त कर दिया है।

संपादकीय

बदलाव की उम्मीद

जब कभी इस पद पर कोई नया व्यक्ति आता है तो उससे नई उम्मीदें लगाई जाती हैं, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ से भी लगाई जा रही हैं। शपथ लेने के पहले और उसके बाद उन्होंने कई बातें कही हैं और कुछ संकेत दिए हैं जिनसे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे क्या कुछ नया कर सकते हैं। जहां तक एक प्रधान न्यायाधीश के कुछ कर पाने का सवाल है, तो हाल का अनुभव यह है कि इस पद पर ज्यादातर न्यायाधीशों का कार्यकाल ज्यादा नहीं रहा। लेकिन न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ के पास भरे पूरे दो साल हैं। इसलिए उम्मीद लगाई जा सकती है कि वे जो कुछ करना चाहेंगे, उसे कर पाएंगे। शपथ लेने के पहले उन्होंने काफी कुछ कहा जिससे उनकी प्राथमिकताओं का अंदाजा लगता है। इसके अलावा उनकी पृष्ठभूमि और कार्यशैली के आधार पर भी अनुमान लगाया जा सकता है कि आने वाले दिनों में न्यायपालिका में क्या बदलाव देखने को मिल सकते हैं। देश को एक ऐसे प्रधान न्यायाधीश मिले हैं जो मानते हैं कि संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी संस्था परिपूर्ण नहीं हो सकती, लेकिन हमारे पास इसे उन्नत करने की अच्छी गुंजाइश है क्योंकि हमारी न्याय व्यवस्था में अभी भी उपनिवेश काल के लक्षण हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इसे ज्यादा पारदर्शी और नागरिकों के लिए सरल बनाने की बात कही है। यानी आगे यह देखा जाना महत्त्वपूर्ण होगा कि न्याय प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी कैसे बनेगी। प्रधान न्यायाधीश की कही एक और बात से यह संकेत भी मिलता है कि उनकी विचार व्यवस्था के केंद्र में देश का नागरिक होगा। बहुत संभव है कि उनके नेतृत्व में भारतीय न्याय व्यवस्था को अब हम सामान्य नागरिकों के हित में कुछ उदार होते हुए देखें। यह उम्मीद इस आधार पर भी लगाई जा सकती है कि कार्यभार संभालने के पहले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ महात्मा गांधी को नमन करने गए। महात्मा गांधी ने कहा था कि पाप से घृणा करो, पापी से नहीं। इस तरह एक गुंजाइश यह बन सकती है कि कठोर दंड की बजाय अब उदारता के साथ अपराधियों के सुधार के कुछ प्रयोग होते दिखें। न्यायपालिका में समयानुकूल एक और सुधार की उम्मीद भी लगाई जा सकती है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव का भी जिक्र किया है। इस सिलसिले में गौर करने की बात यह है कि उन्होंने न्यायतंत्र में भी समयानुकूल प्रशिक्षण की जरूरत की तरफ इशारा किया है। अगर न्याय कार्य में प्रबंधन प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का संकेत मिला है तो एक उम्मीद यह भी लगाई जा सकती है कि न्यायालय में प्रशासनिक कार्यों में प्रौद्योगिकी का प्रयोग बढ़ेगा। हो सकता है कि अब अदालतों में प्रशिक्षित प्रबंधकों की नियुक्ति का कार्य आगे बढ़ता दिखाई दे। बेशक इससे अदालतों में लंबित मामलों का बोझ कम करने में बहुत मदद मिलेगी। जहां तक न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की न्यायिक और अकादमिक पृष्ठभूमि का पहलू है तो यह पहले से ही माना जाता है कि वे न्याय दर्शन के विद्वान हैं, न्याय सिद्धांत के एक संजीदा अध्येता हैं। इस आधार पर बहुत संभव है कि आने वाले दिनों में हमें कुछ ऐसे फैसले देखने को मिलें जो नजीर बन जाएं। खासतौर पर मानवाधिकारों या नागरिक अधिकारों के जटिल मामलों में न्यायोचित उदारता बढ़ने की भी उम्मीद लगाई जा सकती है। सकारात्मक बदलाव की इतनी उम्मीदें लगाई जा रही हैं तो जल्द ही हमें यह भी देखने को मिल सकता है कि सामान्य नागरिकों के हित के प्रकरणों में सर्वोच्च न्यायलय में अब स्वत संज्ञान के मामले बढ़ते दिखाई दें।

पृष्ठभूमि और कार्यशैली के आधार पर भी अनुमान लगाया जा सकता है कि आने वाले दिनों में न्यायपालिका में क्या बदलाव देखने को मिल सकते हैं। देश को एक ऐसे प्रधान न्यायाधीश मिले हैं जो मानते हैं कि संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी संस्था परिपूर्ण नहीं हो सकती, लेकिन हमारे पास इसे उन्नत करने की अच्छी गुंजाइश है क्योंकि हमारी न्याय व्यवस्था में अभी भी उपनिवेश काल के लक्षण हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इसे ज्यादा पारदर्शी और नागरिकों के लिए सरल बनाने की बात कही है। यानी आगे यह देखा जाना महत्त्वपूर्ण होगा कि न्याय प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी कैसे बनेगी। पृष्ठभूमि और कार्यशैली के आधार पर भी अनुमान लगाया जा सकता है कि आने वाले दिनों में न्यायपालिका में क्या बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

अमृत कलश

व्यावहारिक जीवन की चाणक्य नीति

"चाणक्यनीतिदर्पण" ग्रंथ के सातवें अध्याय में २१ छंद हैं और उनमें व्यावहारिक जीवन में कब कैसे समाज के समक्ष व्यवहार करना उचित एवं उपयोगी होगा यह बताया गया है। उनमें से ४ छंदों का उल्लेख मैं यहां पर कर रहा हूं। ये मुझे खास तौर पर दिलचस्प एवं विचारणीय लगे। ये हैंः अर्थनाशं मनस्तापं गृहे दुश्चरितानि च । वञ्चनं चापमानं च मतिमान्न प्रकाशयेत ॥ इस श्लोक का निहितार्थ यह है कि सामान्य जीवन में व्यक्ति तमाम प्रकार के खट्टे-मीठे अनुभव पाता है। उनका उल्लेख दूसरों के समक्ष करने लिये वह अक्सर उत्साहित हो उठता है। जहां तक सुखद अनुभवों की बात है दूसरों को बताने से नुकसान की संभावना नहीं रहती है या कम रहती है। लेकिन कड़वे अनुभवों और परेशानियों के बारे में ऐसा कहना ठीक नहीं होगा। यह संभव है कुछ गिने-चुने लोग व्यक्ति के प्रति सहानुभूति रखें और आवश्यकतानुसार उपयोगी सलाह एवं सहायता भी दें। किंतु ऐसी उदार वृत्ति कम लोगों में ही देखने को मिलती है। कई ऐसे लोग होते हैं जो व्यक्ति की बातों का मन ही मन आनंद लेते हैं, उसकी पीठ पीछे जग-हंसाई करने/कराने से नहीं चूकते। मेरे जीवन का अनुभव यही रहा है कि ऐसे जनों के मन की कुटिलता भांपना आसान नहीं होता। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए चाणक्य का मत है कि धन की हानि, अनिष्ट घटनाओं से प्राप्त मानसिक कष्ट, घर-परिवार में दुःखद किंतु गोपनीय घटनाएं, ठगे जाने, और अपमानिन होने की बातों का खुलासा बुद्धिमान व्यक्ति न करे। उन्हें अपने मन ही तक सीमित रखे। शकटं पञ्चहस्तेन दशहस्तेन वाजिनम् ॥ गजं हस्तसहस्रेण देशत्यागेन दुर्जनम् ॥ इस श्लोक के माध्यम से चाणक्य दुर्जनों के सान्निध्य से दूर रहने की सलाह देते हैं। वे कहते हैं गाड़ी से पांच हाथ की दूरी बनाये रखना चाहिए। घोड़े से दस हाथ और हाथी से हजार हाथ की दूरी रखनी चाहिए।

बोध कथा

सम्भव कुछ भी नहीं

एक बार की बात है किसी राज्य में एक राजा राज करते थे। उनके दो पुत्र थे – अवधेश और विक्रम। एक बार दोनों राजकुमार जंगल में शिकार करने गये। रास्ते में एक विशाल नदी थी। दोनों राजकुमारों का मन हुआ कि क्यों ना नदी में नहाया जाये। यही सोचकर दोनों राजकुमार नदी में नहाने चल दिये। लेकिन नदी उनकी अपेक्षा से कहीं ज्यादा गहरी थी। विक्रम तैरते तैरते थोड़ा दूर निकल गया, अभी थोड़ा तैरना शुरू ही किया था कि एक तेज लहर आई और विक्रम को दूर तक अपने साथ ले गयी। विक्रम डर से अपनी सुध बुध खो बैठा गहरे पानी में उससे तैरा नहीं जा रहा था अब वो डूबने लगा था। अपने भाई को बुरी तरह फँसा देख के अवधेश जल्दी से नदी से बाहर निकला और एक लकड़ी का बड़ा लट्ठा लिया और अपने भाई विक्रम की ओर उछाला। लेकिन दुर्भागयवश विक्रम इतना दूर था कि लकड़ी का लट्ठा उसके हाथ में नहीं आ पा रहा था। इतने में सैनिक वहां पहुँचे और राजकुमार को देखकर सब यही बोलने लगे ,"अब ये नहीं बच पायेंगे , यहाँ से निकलना नामुनकिन है।" यहाँ तक कि अवधेश को भी ये अहसास हो चुका था कि अब विक्रम नहीं बच सकता, तेज बहाव में बचना नामुनकिन है, यही सोचकर सबने हथियार डाल दिये। अभी सभी लोग किनारे पर बैठ कर विक्रम का शोक मना रहे थे कि दूर से एक सन्यासी आते हुए नजर आये उनके साथ एक नौजवान भी था। थोड़ा पास आये तो पता चला वो नौजवान विक्रम ही था। अब तो सारे लोग खुश हो गये लेकिन हैरानी से वो सब लोग विक्रम से पूछने लगे कि तुम तेज बहाव से बचे कैसे? सन्यासी ने कहा कि आपके इस सवाल का जवाब मैं देता हूँ, "ये बालक तेज बहाव से इसलिए बाहर निकल आया क्योंकि इसे वहां कोई ये कहने वाला नहीं था कि यहाँ से निकलना नामुनकिन है।

आज देश की राजनीति का स्तर केवल भाजपा समर्थन या भाजपा विरोध ही रह गया है

वीर सावरकर का अपमान कर कांग्रेस ने जो चाल चली थी वह विफल हो गयी

महाराष्ट्र में वीर सावरकर के प्रति सम्मान कुछ ज्यादा ही है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अंग्रेजों का नौकर बताने वाला बयान देना निश्चित ही महाराष्ट्र की जनता को उकसाने वाला ही था। कांग्रेस नेता संभवतः यही चाहते थे कि महाराष्ट्र में भारत जोड़ो यात्रा का विरोध हो और ठीकरा भाजपा–शिंदे सरकार पर फोड़ा जाए। लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस की यह राजनीतिक योजना पूरी तरह से असफल हो गई। भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से कांग्रेस जो सपना देख रही है, वैसा हर राजनीतिक दल को देखना भी चाहिए।

कांग्रेस द्वारा अपने सत्ता निर्वासन को समाप्त करने के लिए भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। जो कांग्रेस की तड़पन को दूर करने के लिए अपरिहार्य भी है। लेकिन कभी कभी इस यात्रा के दौरान ऐसा भी लगने लगता है कि इस यात्रा का मूल उद्देश्य भारतीय समाज को जोड़ने के लिए नहीं, बल्कि समाज में बिखराव पैदा करना ही है। अगर यात्रा का उद्देश्य वास्तव में ही समाज को जोड़ने के लिए होता तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कम से कम वीर सावरकर के बारे में अनुचित टिप्पणी करने से परहेज करते, लेकिन राहुल गांधी ने ऐसा नहीं किया। इसके पीछे कांग्रेस के कौन-से निहितार्थ हैं? यह कांग्रेस के नेता ही जानते होंगे, लेकिन इतना अवश्य है कि महाराष्ट्र में वीर सावरकर पर निशाना साधने के कुछ मायने हैं।

एक राजनीतिक विश्लेषक के तौर पर अध्ययन किया जाए तो यही कहा जा सकता है कि महाराष्ट्र में वीर सावरकर के प्रति सम्मान कुछ ज्यादा ही है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अंग्रेजों का नौकर बताने वाला बयान देना निश्चित ही महाराष्ट्र की जनता को उकसाने वाला ही था। कांग्रेस नेता संभवतः यही चाहते थे कि महाराष्ट्र में भारत जोड़ो यात्रा का विरोध हो और ठीकरा भाजपा-शिंदे सरकार पर फोड़ा जाए। लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस की यह राजनीतिक योजना पूरी तरह से असफल हो गई। भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से कांग्रेस जो सपना देख रही है, वैसा हर राजनीतिक दल को देखना भी चाहिए। ऐसी यात्राओं के माध्यम से राजनीतिक दलों को जनता के बीच जाने का अवसर प्राप्त होता है

वास्तव में राजनीतिक दलों का मूल उद्देश्य भी यही होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस की इस भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी जनता से सीधे जुड़ रहे हैं, ऐसा दिखाई नहीं देता। वह जनता के समक्ष कांग्रेस के विचार को स्थापित करने में असफल ही हो रहे हैं। उनकी यात्रा के मूल में कांग्रेस कम, भाजपा का विरोध ज्यादा दिखाई दे रहा है। कहा जाता है कि विरोध की राजनीति करने से नकारात्मक भाव प्रादुर्भूत होता है। इसके साथ ही यह भी एक बड़ा सच है कि सामने वाले का जितना विरोध करेंगे, उसका उतना ही प्रचार होता जाएगा। आज वास्तविकता यही है कि भाजपा को बड़ा बनाने में जितना परिश्रम स्वयं भाजपा का नहीं, उससे कहीं ज्यादा विरोधी दलों का है। क्योंकि वर्तमान विरोधी दलों का कोई भी कार्यक्रम भाजपा विरोध के बिना अधूरा ही है।

विपक्षी दल जब तक अपनी स्वयं की बात प्रभावी तरीके से नहीं रखेंगे, तब तक उनके स्वयं के विचार जनता तक नहीं पहुंच सकते। आज देश की राजनीति का स्तर केवल भाजपा समर्थन या भाजपा विरोध ही रह गया है। जहां तक राहुल गांधी द्वारा वीर सावरकर के बारे में टिप्पणी करने का मामला है तो इसमें यही कहा जाएगा कि उन्हें वीर सावरकर के जीवन के बारे में पूरी जानकारी नहीं है। आज इस बात को पूरा देश स्वीकारता है कि वीर सावरकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं। उन्होंने अंग्रेजों की अमानवीय यातनाएं भोगीं। क्या कभी किसी ने सुना है कि किसी को दो जन्मों का आजीवन कारावास दिया गया हो, लेकिन वीर सावरकर के साथ अंग्रेज सरकार ने यही किया। राहुल गांधी को संभवतः वीर सावरकर जी के त्याग के बारे में कोई ज्ञान नहीं है।

राहुल गांधी सावरकर को क्या साबित करना चाहते हैं, यह तो वही जानें, लेकिन सवाल यह आता है कि जब अंग्रेजों ने ऐसी कठोर सजा दी, तब यह स्वाभाविक रूप से सिद्ध भी हो जाता है कि उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध जन जागरण करते हुए एक वातावरण बनाने का काम किया। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि सावरकर जी ने अंग्रेजों से जो लड़ाई लड़ी, वह कांग्रेस (उस समय एक मंच था) के नेतृत्व में ही लड़ी गई। राहुल गांधी इस तथ्य को नकार नहीं सकते।

लेकिन यह भी प्रामाणिक तथ्य है कि उस समय जिन क्रांतिकारियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से भारत में देश भक्ति का ज्वार पैदा करके अंग्रेजों को भगाने के लिए वातावरण बनाया, उनमें वीर सावरकर का नाम भी लिया जाता है। ऐसे सभी नायक आज इतिहास से गायब होते दिखाई दे रहे हैं। वीर सावरकर ने मां भारती की स्तुति में छह हजार कविताएं लिखीं, वह भी कागज पर नहीं, बल्कि सेल्युलर जेल की दीवारों पर। कलम से नहीं, कंकर, कील और कोयले से लिखी गईं।

इसलिए यह कहा जा सकता है कि वीर सावरकर का प्रत्येक कृत्य मां भारती के लिए ही समर्पित था। ये कविताएं कभी समाप्त न हों, इसलिए सावरकर ने इन्हें रट-रट कर कंठस्थ कर लिया था। सावरकर इस संसार के एक मात्र ऐसे रचनाकार हैं जिनकी पुस्तक '1857 का स्वातंत्र्य समर' को अंग्रेजों ने प्रकाशन से पहले ही प्रतिबंधित कर दिया था। राहुल के इस बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति भी गरमा गई है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना के एक धड़े के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राहुल की टिप्पणी से पल्ला झाड़ लिया। उद्धव ने कहा कि उनकी पार्टी विनायक दामोदर सावरकर की बहुत इज्जत करती है।

हमारे मन में स्वतंत्र वीर सावरकर के लिए बहुत सम्मान और विश्वास है और इसे मिटाया नहीं जा सकता। इतना ही नहीं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी सावरकर को महान स्वतंत्रता सेनानी बताया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस अपरिपक्व बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में दरार पैदा होने लगी है। हालांकि दरार तो पहले से ही थी, क्योंकि कांग्रेस और शिवसेना नदी के ऐसे दो किनारे हैं जो एक दूसरे से दूर रहकर भी साथ-साथ होने का दिखावा करते हैं। इस प्रकार की राजनीति से राजनीतिक दल अपने सिद्धांतों की बलि ही चढ़ाते हैं। कुल मिलाकर राहुल गांधी को ऐसे बयान देने से बचना चाहिए। यह कांग्रेस के लिए समय की मांग है।

जीएम सरसों : जरूरत या मुसीबत?

वर्ष 2002 में बॉयर (एक दिवेशी कम्पनी) की एक सहायक कंपनी 'प्रोएग्रो सीड कंपनी' ने इसी प्रकार की किस्म, जिसे डीएमएच-11 कहा जा रहा है, की अनुमति हेतु आवेदन किया था, जिसे आईसीएआर यानी भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने यह कह कर मना कर दिया था कि इससे बेहतर उत्पादकता मिलने का कोई प्रमाण नहीं है। वास्तव में डीएमएच-11 किस्म बारनेस और बारस्टार नाम के दो जींस को जोडकर बनाई गई है और ये जीन्स बॉयर क्रॉप साईंस द्वारा पेटेंट की गई है। ऐसे में इस तथ्य को छुपाया गया है और भविष्य में बॉयर कंपनी अपने बौद्धिक संपदा अधिकारों की एवज में भुगतान मांग सकती है और भारत के किसान को उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

अक्तूबर 18, 2022 को भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की एक समिति जैनेटिक इंजीनियरिंग अप्रैजल कमेटी यानी जीईएसी ने जीएम सरसों की एक किस्म डीएमएच-11 को एक बार फिर से किसानों के खेतों में लगाने की सिफारिश की है। गौरतलब है कि इससे पहले मई 2017 में भी जीईएसी ने इसी किस्म को अपनी हरी झंडी दी थी। लेकिन इसका किसानों और वैज्ञानिकों द्वारा भारी विरोध होने के कारण सरकार ने जीईएसी की सिफारिशों को मानने से मना कर दिया था। लेकिन 18 अक्तूबर 2022 की बैठक में जीईएसी ने पुनः इसकी सिफारिश कर दी है। यह बताया जा रहा है कि यह किस्म प्रो. दीपक पेंटल द्वारा देश में ही विकसित की गई है और पूर्णतया स्वदेशी है। यह भी दावा किया जा रहा है कि यह जीएम सरसों 26 प्रतिशत अधिक उपज देगी। यह भी बताया जा रहा है कि देश में खाद्य तेलों का उत्पादन कम है, जिसके कारण देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की हानि हो रही है। यह भी कहा जा रहा है कि जीएम सरसों उपभोक्ताओं, किसानों और पर्यावरण के लिए सुरक्षित है। लेकिन जीईएसी के इन दावों की सच्चाई कितनी है, वह इस बात से स्पष्ट हो रही है कि स्वयं जीईएसी ने जीएम सरसों को अनुमति देते हुए कुछ ऐसी शर्तें लगाई हैं, जो इस बात को साबित करती हैं कि जीईएसी के पास इस बीज के सुरक्षित होने के कोई प्रमाण नहीं हैं और वह शर्तें लगाकर इससे होने वाले दुष्प्रभावों के आरोप से बचना चाहती है, कि भविष्य में वो कह सके कि हमने जीएम सरसों को कुछ शर्तों के साथ ही अनुमति दी थी और चूंकि उन शर्तों का पालन नहीं हुआ इसलिए उनका कोई दोष नहीं है। गौरतलब है कि जो शर्तें लगाई गई हैं उनका अनुपालन करना सरकार के बस की बात नहीं है।

यह किस्म नहीं है स्वदेशी : जीईएसी के इस दावे में सत्यता नहीं है कि डीएमएच-11 एक स्वदेशी खोज है। वर्ष 2002 में बॉयर (एक विदेशी कम्पनी) की एक सहायक कंपनी 'प्रोएग्रो सीड कंपनी' ने इसी प्रकार की किस्म, जिसे डीएमएच-11 कहा जा रहा है, की अनुमति हेतु आवेदन किया था, जिसे आईसीएआर यानी भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने यह कह कर मना कर दिया था कि इससे बेहतर उत्पादकता मिलने का कोई प्रमाण नहीं है। वास्तव में डीएमएच-11 किस्म बारनेस और बारस्टार नाम के दो जींस को जोडक़र बनाई गई है और ये जीन्स बॉयर क्रॉप साईंस द्वारा पेटेंट की गई है। ऐसे में इस तथ्य को छुपाया गया है और भविष्य में बॉयर कंपनी अपने बौद्धिक संपदा अधिकारों की एवज में भुगतान मांग सकती है और भारत के किसान को उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

ऊंची उत्पादकता का गलत दावा : गौरतलब है कि डीएमएच-11 के बारे में जीईएसी का ज्यादा उत्पादकता का दावा सही नहीं है, क्योंकि भारत के सरसों एवं रेपसीड शोध संस्थान का कहना है कि देश में डीएमएच-11 से कम से कम 25 प्रतिशत से ज्यादा उत्पादकता देने वाली किस्में पहले से ही विकसित की जा चुकी हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार उन किस्मों को बढ़ावा दे।

खतरनाक है जीएम सरसों : खेद का विषय यह है कि केवल इस प्रौद्योगिकी के विदेशी मूल को ही नहीं छुपाया गया, बल्कि यह तथ्य भी छुपाया गया कि जीएम सरसों हर्बीसाईड टोलरेंट भी है यानि शाकनाशी सहिष्णु भी है। गौरतलब है कि डीएमएच-11 का ट्रायल करते हुए उसकी इस विशेषता के बारे में कोई टेस्ट नहीं किया गया। इस बात को जानने वाले सतर्क नागरिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा सच्चाई को सामने लाए जाने के कारण अब जीईएसी ने एक नया रास्ता खोजा है कि अनुमति के साथ-साथ यह शर्त लगाई गई है कि किसी भी हालत में किसानों द्वारा किसी शाकनाशी का उपयोग नहीं किया जाएगा। अब चूंकि यह किस्म ही शाकनाशी सहिष्णु है, स्वाभाविक तौर पर शाकनाशियों की पर्याप्त उपलब्धता होने के कारण कोई सरकारी एजेंसी किसानों को इसके बारे में रोक नहीं सकती। इस संबंध में एक समानांतर उदाहरण हमारे सामने है कि ग्लाइफोसेट नाम के शाकनाशी का उपयोग हालांकि केवल चाय बागानों और गैर कृषि क्षेत्रों में ही हो सकता है, लेकिन उसके बावजूद देशभर में यह शाकनाशी धड़ल्ले से बिकता है और भारत में उसकी कुल बिक्री 1200 करोड़ रुपए से ज्यादा है। समझा जा सकता है कि जीईएसी का यह कृत्य वास्तव में अनैतिक है। गौरतलब है कि कई प्रकार के शाकनाशकों के दुष्परिणामों से दुनिया जूझ रही है। इन शाकनाशकों के कारण अमरीका और अन्य मुल्कों जहां इस प्रकार की किस्मों का इस्तेमाल हो रहा है, में कैंसर का प्रकोप बढ़ता जा रहा है और इन शाकनाशकों की निर्माता कंपनियों पर मुकदमें भी लगातार बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि सिर्फ ग्लाइफोसेट/राउंडअप बनाने वाली कंपनी बॉयर के खिलाफ अमरीका में कैंसर पीड़ितों द्वारा 1 लाख 40 हजार मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इस प्रकार से यह समझते हुए भी कि शाकनाशी सहिष्णु क़िस्म का सही मूल्यांकन नहीं किया गया है, यह वैज्ञानिक धोखा है और जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी है।

भारतीय सरसों है आयुर्वेद में वरदान : कई आयुर्वेदिक औषधियों में भारतीय सरसों एक वरदान के रूप में इस्तेमाल की जाती है। इसकी खुशबू एवं स्वाद ही इसकी विशेषताएं हैं। जानकार बताते हैं कि डीएमएच-11 में न तो खुशबू होगी और न ही स्वाद यानी इसमें औषधीय गुण होने का सवाल ही नहीं है। यही नहीं स्वाद की दृष्टि से देश में सरसों का साग पूरी दुनिया को आकर्षित करता है। शाकनाशी सहिष्णु का उपयोग करते हुए जब डीएमएच-11 भारत की सरसों के बदले में उगाई जाएगी, तो देश में केवल सरसों का साग ही विलुप्त नहीं होगा, बल्कि सरसों के साग के साथ उगने वाले अन्य साग जैसे बथुआ और पालक भी गायब हो जाएंगे। गौरतलब है कि ये साग लगभग मुफ्त में हमारी महिलाओं द्वारा खेतों से निकाले जाते हैं और वे भारत की महिलाओं के लिए आयरन का एक प्रमुख स्रोत हैं। इनके समाप्त होने से देश में एनीमिया की समस्या और ज्यादा बढ़ सकती है।

निर्यात पर भी पड़ेगा बुरा असर : एक तरफ जहां यह कहा जा रहा है कि इस किस्म के लगाने से देश में खाद्य तेलों का आयात कम हो जाएगा, जिसकी संभावना बिल्कुल नहीं है, बल्कि इस किस्म के आने से देश में शाकनाशकों का आयात जरूर बढ़ सकता है। लेकिन सबसे ज्यादा मुसीबत की बात यह है कि देश में खाद्य पदार्थों में जीएम आने के बाद देश के खाद्य निर्यातों पर भारी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। गौरतलब है कि अभी तक अपने देश में खाद्य पदार्थों में जीएम को अनुमति नहीं दी गई है। देश में सभी उत्पादित खाद्य पदार्थ गैर-जीएम हैं। देश के खाद्य निर्यात में गैर-जीएम का यह टैग यूरोप समेत कई मुल्कों में हमारे खाद्य पदार्थों की स्वीकार्यता को बढ़ाता है। खतरा यह है कि जैसे ही गैर-जीएम का यह टैग भारत के निर्यातों से हट जाएगा, भारत के निर्यात बड़ी मात्रा में बाधित हो जाएंगे, क्योंकि यूरोप और अन्य कई देश उन्हीं देशों से ख़रीदना चाहते हैं।

नागरिक बोध

पीएम मोदी की सभा मे उमडा जनसैलाब,भाजपा को गुजरात मे फिर से जीत की उम्मीद

गुजरात मे विधानसभा में चुनाव की बाजी किसके हाथ होगी। यह कहना जल्दबाजी होगी। मोदी ने सोमनाथ मंदिर में जलाभिषेक किया। मोदी वेरावल सौराष्ट्र से सद्भावना पहुँचकर लोगो को संबोधित किया। मोदी ने आग्रह किया कि पोलिंग बूथ पर सारे रेकॉर्ड तोड़ देना है। चुनावी पोल और न्यूज चैनलों की गणित बता रही है कि फिर से गुजरात मे भाजपा का गढ़ बनेगा। मोदी ने भागदौड़ करने की वजह बताते हुए कहा कि यह मेरा कर्तव्य है और आपको वोट देकर कर्तव्य निभाना है। मोदी पांच साल के बाद सोमनाथ पहुंचे।मोदी ने गुजरात की चमकदार हैसियत पर चुटकी लेते हुए कहा कि गुजरात मे मीठे पानी की भी तकलीफ थी। पहले की सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकाल में विकास हुआ है। गत दिन 11 किमी की यात्रा के बाद आज सौराष्ट्र में चार सभाएं की गई। मोदी की एनर्जी की दाद देते हुए लोग दांतो तले उंगलियां चबाने लगे। यह एनर्जी भारत को सशक्त बनाने के काफी है। कांग्रेस,भाजपा और मीडिया भी केजरीवाल की उपस्थिति को नजरअंदाज कर रहे है। यह दौड़ केजरीवाल के लिए काफी तनावपूर्ण है। गुजरात प्रदेश की जातीय समीकरण के जटिलताओं के कारण कांग्रेस और आम आदमी पार्टी चुनावी तस्वीर को त्रिकोणात्मक बना रहे है। इस बार आम और खास मतदाताओं के बीच जाति धर्म और स्थानीय मुद्दो के अलावा केंद्र और राज्य सरकार का काम बोल रहा है। कांग्रेस और केजरीवाल की कसौटी होगी। भाजपा पर जनता विचार विमर्श करती दिख रही है। कांग्रेस के शासन में जनता ठगी महसूस कर रही थी। इस बार चुनावी ताना बाना बड़े नेताओ के करिश्माई के इर्द गिर्द नही,बल्कि विकास के वर्चस्व पर है।मोदीका मैजिक और मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल की कार्यशैली से आम जनता खुश है। कांग्रेस के कुशासन का शिकार गुजरात रहा है। मोदी की लहर के दीवाने मतदाता फिर अन्य पार्टी से जुड़ने में विश्वास नही करते है। भाजपा की जीत का फिर से डंका बजने की बात पर गुजरात मे समीकरण बदल गए है। केजरीवाल और कांग्रेस घर घर कैम्पेन चलाए जाने की मुहिम को गतिमान किया जा रहा है। मोदी ने गुजरात की सभाओं में किसी पार्टी का नाम लिए बिना कहा था कि गुजरात को बदनाम करने के लिए तैयार है। आप किसी के बहकावे में नही आना है। कांग्रेस और आप की इस बार अग्निपरीक्षा से गुजरना पड़ेगा। सौराष्ट्र की धरती पर जनसैलाब को देखकर सभी आश्चर्य चकित रह गए थे। मोदी ने कहा कि गुजरात को फिर से रिवर्स गियर में डालने की कोशिश की जा रही है। इनसे बच कर रहना है।27 सालो से कांग्रेस विपक्ष में बैठी है। उधर आप कार्यकर्ताओ के बीच घमासान शुरू हो गया है। ये भी जानते है कि मोदी को हरा पाना हमारी ताकत नही है। विपक्ष भी चाहता है कि मोदी प्रधानमंत्री सही है। लेकिन इनकी कोई मजबूरी हो सकती है। मोदी की बढ़ती लोकप्रियता का फायदा भाजपा को मिल रहा है। यह भाजपा के लिए सुनहरा अवसर है कि मोदी की साख भाजपा के जमीनी स्तर से जुड़े नेताओ और कार्यकर्ताओं के लिए सुपर पॉवर का काम कर रही है।

देश दुनीया से

अदालत का सवाल सही है, आखिर 72 साल में भी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का कानून क्यों नहीं बना?

भारत में चुनाव सुधारों पर लंबे समय से बहस चलती रही है लेकिन यह सुधार इसलिए नहीं हो पाये क्योंकि जिस संस्था पर चुनाव कराने की जिम्मेदारी है उसे कभी ज्यादा अधिकार दिये ही नहीं गये। यही नहीं, हर सरकार द्वारा अधिकारियों को चुनाव आयुक्त जैसे महत्वपूर्ण पद पर उस समय नियुक्त किया जाता है जब उसकी सेवानिवृत्ति का समय नजदीक हो। इसके चलते किसी भी चुनाव आयुक्त को अपनी योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिए पर्याप्त समय ही नहीं मिल पाता। देखा जाये तो भारत में चुनाव सुधार से जुड़े मुद्दे चुनावों से पहले उठते जरूर हैं लेकिन चुनाव बाद सबकुछ शांत हो जाता है। यह भी देखने को मिलता है जब कोई दल विपक्ष में होता है तो उसे चुनाव सुधारों की बहुत परवाह रहती है लेकिन सत्ता में आते ही उसके लिये यह फिजूल का मुद्दा हो जाता है या उसकी प्राथमिकता सूची से गायब हो जाता है। लेकिन अब देश के सर्वोच्च न्यायालय ने इस मुद्दे को उठाया है इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार अब चुनाव सुधारों की दिशा में आगे बढ़ेगी। सुधारों की बात की जाये तो सबसे बड़ा सुधार तो पहले चुनाव आयोग में ही करना होगा क्योंकि साल 2004 से किसी मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने छह साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया है। संप्रग सरकार के 10 साल के शासन में छह मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे, वहीं राजग सरकार के आठ साल में आठ मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे हैं। इसलिए सरकारों की कार्यशैली और सोच पर अदालत ने सवाल उठाया है। अदालत ने सरकारों की ओर से निर्वाचन आयुक्तों और मुख्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कोई कानून नहीं होने का फायदा उठाये जाने की प्रवृत्ति को तकलीफदेह करार दिया है।

साथ ही अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 324 का उल्लेख करते हुए कहा है कि निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के संबंध में संसद द्वारा एक कानून बनाने की परिकल्पना की गयी थी, लेकिन 72 साल गुजर गये और अब तक कानून नहीं बन पाया है जिसका फायदा सभी दलों की केंद्र सरकारें उठाती रही हैं। इसके अलावा, पांच सदस्यीय संविधान पीठ का यह कहना भी अपने आप में बहुत गंभीर है कि संविधान की चुप्पी को भुनाया जा रहा है। अदालत ने टीएन शेषन जैसे कड़े रुख वाले व्यक्ति की निर्वाचन आयुक्त पद पर नियुक्ति की वकालत करते हुए यह भी कहा है कि संविधान ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दो निर्वाचन आयुक्तों के 'नाजुक कंधों' पर बहुत जिम्मेदारियां सौंपी हैं इसलिए मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर टीएन शेषन की तरह के सुदृढ़ चरित्र वाले व्यक्ति होने चाहिए। जहां तक यह सवाल है कि अदालत ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति मामले पर टिप्पणी क्यों की? तो हम आपको बता दें कि शीर्ष अदालत की संविधान पीठ कुछ याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है जिसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम जैसी प्रणाली की मांग की गयी है। कहा जा रहा है कि यदि इस कॉलेजियम प्रणाली में देश के मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हों तो सरकार पर कुछ अंकुश लग सकता है। जहां तक इस मुद्दे पर सरकार के पक्ष की बात है तो आपको बता दें कि केंद्र की ओर से प्रस्तुत हुए अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमानी ने दलील दी है कि "संविधान सभा, जिसके समक्ष विभिन्न मॉडल थे, उसने इस मॉडल को अपनाया था और अब अदालत यह नहीं कह सकती कि मौजूदा मॉडल पर विचार करने की जरूरत है।" बहरहाल, यह भी एक तथ्य है कि 1990 से विभिन्न वर्गों से निर्वाचन आयुक्तों समेत संवैधानिक निकायों के लिए कॉलेजियम जैसी प्रणाली की मांग उठती रही है और एक बार भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने भी अदालत को इसके लिए पत्र लिखा था। देखना होगा कि अब इस मुद्दे पर मोदी सरकार कितना आगे बढ़ती है। हालांकि सही यही होगा कि अदालत कोई आदेश पारित कर सरकार को निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी कोई कानून बनाने के लिए कहे। वरना सरकारें आती जाती रहेंगी और छोटे-छोटे कार्यकालों के साथ निर्वाचन आयुक्त भी आते जाते रहेंगे और चुनाव सुधार दिवास्वप्न बने रहेंगे।

संप्रग सरकार के 10 साल के शासन में छह मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे, वहीं राजग सरकार के आठ साल में आठ मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे हैं। इसलिए सरकारों की कार्यशैली और सोच पर अदालत ने सवाल उठाया है। अदालत ने सरकारों की ओर से निर्वाचन आयुक्तों और मुख्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कोई कानून नहीं होने का फायदा उठाये जाने की प्रवृत्ति को तकलीफदेह करार दिया है। साथ ही अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 324 का उल्लेख करते हुए कहा है कि निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के संबंध में संसद द्वारा एक कानून बनाने की परिकल्पना की गयी थी, लेकिन 72 साल गुजर गये और अब तक कानून नहीं बन पाया है जिसका फायदा सभी दलों की केंद्र सरकारें उठाती रही हैं।

यूएनएससी में भारत बोला- पिछले 30 दिनों के भीतर 85000 मीट्रिक टन गेंहू यमन भेजा

संयुक्त राष्ट्र ।
यमन में जो हालात हैं उसको लेकर भारत समेत संयुक्त राष्ट्र भी चिंतित है। वहीं युद्ध के बाद हुए हालातों पर यूएन ने इसे दुनिया का सबसे बुरा मानवीय संकट बताया है। वहीं संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने मंगलवार (स्थानीय समय) को कहा कि भारत ने गेहूं के निर्यात को प्राथमिकता देकर यमन में खाद्य सुरक्षा को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। यमन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि गेहूं निर्यात पर हमारे राष्ट्रीय नियमों के बावजूद, हमने यमन को गेहूं निर्यात करना जारी रखा है। भारत द्वारा मानवीय सहायता को लेकर कहा कि हम भविष्य में भी ऐसा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि पिछले 30 दिनों के भीतर ब्लैक सी ग्रेन इनिशिएटिव के तहत लगभग 85,000 मीट्रिक टन के दो गेहूं शिपमेंट यमन के लिए रवाना हुए हैं। हम इस विकास का स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि यह महत्वपूर्ण पहल यमन को लाभान्वित करती रहेगी। यूएनएससी में संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि यमन एक चौराहे पर है, एक रास्ता संघर्ष से शांतिपूर्ण समाधान की ओर ले जाता है और दूसरा सक्रिय शत्रुता की ओर जाता है, जो केवल यमनी लोगों की पीड़ा को बढ़ाएगा। अब यमन को तय करना है कि उसका आगे भविष्य क्या होगा। कंबोज ने यमन से सैन्य दृष्टिकोण को त्याग कर और एक व्यापक राष्ट्रव्यापी युद्धविराम में सैनिकों को मनाकर शांति की राह अपनाने का आग्रह किया।

उन्होंने आगे जोर दिया कि संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक समावेशी राजनीतिक संवाद शुरू करना चाहिए। ताकि यमनी लोगों को उससे कुछ फायदा हो। साथ ही कहा कि हम अंसार अल्लाह या कहें हूती विद्रोहियों की कार्रवाइयों से चिंतित हैं और यमन में बंदरगाहों और शिपिंग जहाजों पर उनके हमलों और यमन के भीतर और बाहर यात्रा करने वाले शिपिंग जहाजों के लिए उनके खतरों की निंदा करते हैं। भारत ने गिनी की खाड़ी सहित समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सभी राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को और तेज करने का संकल्प लिया। भारत ऐसे सभी प्रयासों का समर्थन करने का भी संकल्प लिया।

न्यूज ब्रीफ

राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका का सराहनीय कदम, समाज में योगदान करने वाले सदस्यों को दिया सम्मान

न्यूयॉर्क । राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (आरएएनए) ने एक वार्षिक समारोह में भारतीय डायस्पोरा के अग्रणी समुदाय के सदस्यों को उनकी सेवा और समाज में योगदान के लिए सम्मानित किया, जिसने जयपुर फुट और अन्य धर्मार्थ कारणों के लिए योगदान में 1.3 मिलियन डॉलर भी जुटाए। समारोह के दौरान, भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) के संस्थापक पद्म भूषण डीआर मेहता, न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत रणधीर जायसवाल, उप महावाणिज्यदूत वरुण जेफ के साथ-साथ भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रमुख सदस्य शामिल हुए। विशेष रूप से मरणोपरांत धरमचंद हीरावत, राणा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अजय लोढ़ा और राजीव गर्ग को समाज के प्रति उनके यादगार योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। एसोसिएशन ने प्रमुख डायस्पोरा सदस्यों डॉ. राज बंसल, डॉ. साधना जोशी, डॉ. शुभा जैन और राकेश गोयनका को महामारी सहित वर्षों से समुदाय में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। लॉन्ग आईलैंड में आयोजित कार्यक्रम के दौरान, मेहता ने जयपुर फुट के काम के बारे में विस्तार से बात की, जिसे टाइम पत्रिका द्वारा 2009 के 50 सर्वश्रेष्ठ आविष्कारों में शामिल किया गया था, और कैसे बीएमवीएसएस ने न केवल भारत में बल्कि इसके माध्यम से लाखों लोगों की मदद की है। दुनिया भर में शिविर।

नेपाल में मतगणना जारी, पीएम देउबा लगातार 7वीं बार गृह जिले धनकुटा से चुने गए

काठमांडू । प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा बुधवार को गृह जिले धनकुटा से लगातार सातवीं बार निर्वाचित हुए हैं। कार्यवाहक सरकार के पीएम देउबा को 25 हजार 534 वोट मिले और उन्होंने प्रतिनिधि सभा के सदस्य पद के लिए 13 हजार 42 वोट हासिल करने वाले अपने प्रतिद्वंद्वी सागर ढकाल को हरा दिया है। नेपाल के संसदीय चुनाव में सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन बहुमत की ओर बढ़ रहा है। मतगणना के नवीनतम रुझानों के अनुसार सत्तारूढ़ गठबंधन लगभग 75 सीटों पर जीत रहा है या आगे चल रहा है। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली मुख्य विपक्षी पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (सीपीएन-यूएमएल) को तीन सीटों पर जीत मिल चुकी है और वह 38 अन्य सीटों पर आगे चल रही है। नेपाली कांग्रेस छह सीटें जीत चुकी है और 46 पर आगे चल रही है। गठबंधन में उसकी सहयोगी पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड की पार्टी सीपीएन-एमसी 17 सीटों पर और सीपीएन-यूएस और लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी दो-दो सीटों पर आगे चल रही हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक सीपीएन-यूएमएल को सबसे ज्यादा 1,48,516 आनुपातिक वोट मिले हैं। दूसरे नंबर नेपाली कांग्रेस है, जिसे कुल 1,29,285 आनुपातिक मत मिले हैं।

वर्जीनिया के वॉलमार्ट स्टोर में गोलीबारी, कई लोगों के मारे जाने की आशंका

न्यूयॉर्क । अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना हुई है। वर्जीनिया के वॉलमार्ट स्टोर में गोलीबारी की खबर आ रही है। बताया जा रहा है कि गोलीबारी में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। पुलिस ने बताया कि वर्जीनिया वॉलमार्ट में मंगलवार रात हुई गोलीबारी में कई लोगों की मौत हो गई है। कई अन्य घायल भी हुए हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो गोलीबारी में 10 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि घटना की गंभीरता और हालात को देखते हुए यह आंकड़ा अभी बढ़ भी सकता है। लोगों को इलाके से दूर रहने को कहा गया है। पुलिस मामले की जांच करने में जुटी हुई है। पुलिस का मानना है कि एक शूटर था। वह भी मारा गया है। चेसापिक पुलिस प्रवक्ता एमपीओ लियो कोसिंस्की ने इसकी जानकारी दी है। कई रिपोर्ट्स में यह दावा भी किया जा रहा है कि गोलीबारी स्टोर के मैनेजर ने ही की।

अमेरिकी दबाव में मंकीपॉक्स का नाम एमपॉक्स करने पर विचार कर रहा डब्ल्यूएचओ

जिनेवा ।
अमेरिका के दबाव में विश्व स्वास्थ्य संगठन मंकीपॉक्स बीमारी का नाम बदलकर एमपीऑक्स करने जा रहा है। रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। मंकीपॉक्स वायरस को लेकर खौफ खत्म करने के इरादे से यह कदम उठाया जा रहा है।

पोलिटिको के अनुसार डब्ल्यूएचओ यह निर्णय बाइडन प्रशासन के अधिकारियों के बढ़ते दबाव के कारण कर रहा है।

अमेरिकी अधिकारियों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से निजी तौर पर डब्ल्यूएचओ से नाम बदलने को कहा था। इसकी घोषणा बुधवार को की जा सकती है।

मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाला से पोलिटिको की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका इस बात से चिंतित है कि मंकीपॉक्स वायरस का नाम बीमारी के कलंक गहरा कर रहा है। इसके कारण देश में टीकाकरण अभियान प्रभावित हो रहा है।

बता दें, मई 2022 की शुरुआत से मंकीपॉक्स के मामले कई देशों में सामने आए हैं। अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों के अनुसार देश में लगभग 30,000 केस दर्ज किए हैं। अमेरिका में मंकीपॉक्स वायरस के अधिकांश केस पश्चिमी या मध्य अफ्रीकी देशों की बजाए यूरोप व उत्तर अमेरिका की यात्रा करने वालों में मिले हैं। अफ्रीकी देशों में यह वायरस स्थानीय स्तर पर फैल रहा है। अब तक सामने आए अधिकांश मामले प्राथमिक यौन स्वास्थ्य केंद्रों के जरिए सामने आए हैं। इनमें यौन रोगों से जुड़े केस शामिल हैं। ये सिर्फ पुरुषों के समलैंगिक सेक्स से जुड़े नहीं हैं।

पिछले माह डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि मंकीपॉक्स लगातार अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य नियमों के अधीन बना हुआ है। यह आपात जनस्वास्थ्य को लेकर अंतरराष्ट्रीय चिंता के दायरे में आता है।हालांकि, कई देशों में फैलने के बाद मंकीपॉक्स के खतरे को लेकर टीकाकरण के बाद वैश्विक स्थिति में कुछ सुधार आया है।

डब्ल्यूएचओ ने क्षेत्रवार स्थिति का आकलन किया था। इसमें अमेरिका को उच्च जोखिम वाला, यूरोप को मध्यम जोखिम वाला, अफ्रीका, पूर्वी भूमध्यसागरीय और दक्षिण-पूर्व एशिया को मध्यम और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र को कम जोखिम वाला बताया था।

चीन में दुनिया की सबसे बड़ी एपल फैक्ट्री में संघर्ष, वेतन विवाद को लेकर भड़के श्रमिक

बीजिंग ।
चीन स्थित दुनिया की सबसे बड़ी एपल आईफोन फैक्ट्री में कोरोना तालाबंदी और वेतन विवाद को लेकर कर्मचारियों के उग्र विरोध प्रदर्शन की खबर है। इसे लेकर कई वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। सुरक्षाबलों के साथ संघर्ष में कई श्रमिकों के घायल होने की बात कही जा रही है।

सैकड़ों कर्मचारियों का फैक्ट्री के सुरक्षा कर्मियों के साथ संघर्ष हुआ। कोरोना के चलते करीब एक माह से फैक्ट्री में कठोर पाबंदियों व वेतन को लेकर विवाद के कारण श्रमिकों के भड़क उठने की खबर है। चीन के झेंगझोऊ स्थित एपल संयंत्र में अक्तूबर से तनाव देखा जा रहा था। कोरोना पाबंदियों के चलते तालाबंदी शुरू होने से श्रमिकों में असंतोष बढ़ता जा रहा था। आईफोन सिटी में 2,00,000 से अधिक श्रमिकों में से कई को आइसोलेट किया जा चुका था। उन्हें भोजन व दवाओं की मुश्किल हो रही थी।

सोशल मीडिया में वायरल हो रहे वीडियो के अनुसार फॉक्सकॉन प्लांट के कर्मचारी फैक्ट्री से बाहर निकल आए। इसके बाद उनकी सुरक्षा कर्मियों से झड़प हुई। एक अन्य वीडियो में गार्ड जमीन पर लेटे एक श्रमिक को लाठियों से पीटते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान लड़ो, लड़ो के नारे गूंजते हैं। श्रमिकों की भीड़ बैरिकेड्स लांघते हुए प्रदर्शन करते नजर आए। पुलिस के साथ भी श्रमिकों की तकरार हुई।

एक श्रमिक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि वेतन भुगतान नहीं होने और कोरोना संक्रमण फैलने की आशंकाओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। एक वीडियो में उग्र श्रमिक एक प्रबंधक को घेरे हुए नजर आए। एक श्रमिक ने कहा कि सभी श्रमिकों के कोविड पॉजिटिव होने का खतरा है। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि आप हमें मौत के मुंह में भेज रहे हैं। सुरक्षा कर्मियों के साथ झड़प में कई श्रमिक घायल हुए हैं। शांति बहाल करने के लिए बुधवार को दंगा-रोधी पुलिस भी मौके पर पहुंची। फॉक्सकॉन ने इस घटना पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

कंबोडिया में बोले राजनाथ- हम ऐसे समय में मिल रहे जब दुनिया विघटनकारी राजनीति से बढ़ते संघर्ष को देख रही

वाशिंगटन ।
भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए कंबोडिया के सिएम रीप पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपना संबोधन दिया। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया विघटनकारी राजनीति से बढ़ते संघर्ष को देख रही है। दुनिया की सुरक्षा और समृद्धि के लिए शांतिपूर्ण इंडो-पैसिफिक, आसियान पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। हमें उम्मीद है कि दक्षिण चीन सागर विवाद पर चल रही बातचीत पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से यूएनसीएलओएस के अनुरूप होगी। इसके लिए वैध अधिकारों और हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा तत्काल और दृढ़ हस्तक्षेप की आवश्यकता वाला सबसे बड़ा खतरा अंतरराष्ट्रीय और सीमा पार आतंकवाद है। उदासीनता अब प्रतिक्रिया नहीं हो सकती है, क्योंकि आतंकवाद ने विश्व स्तर पर लोगों को पीड़ित किया है। बता दें कि भारत 1992 से आसियान का भागीदार रहा है और पहली एडीएमएम प्लस बैठक 12 अक्टूबर, 2010 को हनोई, वियतनाम में आयोजित की गई थी।

टोरंटो में चल रहे अघोषित चीनी पुलिस थाने कनाडा पुलिस ने शुरू की विदेशी दखल की जांच

टोरंटो ।
कनाडा के टोरंटो में अघोषित चीनी पुलिस थाने चलाए जाने का मामला सामने आया है। कनाडा की रॉयल माउंटेड पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आरसीएमपी ने एक बयान में कहा कि ग्रेटर टोरंटो एरिया में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चॉयना के अघोषित पुलिस सर्विस स्टेशन चलाए जाने में विदेशी ताकत की दखलंदाजी की जांच की जा रही है। आरसीएमपी ने कहा कि हालिया रिपोर्ट में चीन पर इन थानों के जरिए कनाडा में चीनी प्रवासियों को निशाना बनाने की खबरें मिली हैं। इस तरह की गतिविधियों से संबंधित सभी तरह के अपराधों की जांच की जा रही है। कनाडा पुलिस देश में किसी भी समुदाय को विदेशी संस्था की ओर से धमकाने, उनका उत्पीड़न करने या किसी तरह से नुकसान पहुंचाने से रोकेगी। आंतरिक मामलों में दखल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा आरसीएमपी ने यह भी कहा कि

किसी दूसरे देश द्वारा आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना जाता है। यह देश के आंतरिक मामलों में सीधे दखल है। विदेशी एजेंसी द्वारा कनाडाई नागरिकों के जीवन में दखल देने के सभी प्रयासों की जांच आरसीएमपी द्वारा की जाएगी। इसमें धमकी, उत्पीड़न या भ्रष्टाचार शामिल है। कनाडाई नागरिकों से मांगी जानकारी रॉयल माउंटेड पुलिस ने देश के नागरिकों से कथित पुलिस थानों के संबंध में जानकारी मांगी है। चीन द्वारा उन्हें धमकाए जाने या इन थानों की किसी अन्य गतिविधि के बारे में भी सूचित करने को कहा गया है। चीन ने दूसरे देशों में थानों का किया खंडन इससे पहले इसी माह चीन ने उन खबरों का खंडन किया था, जिनमें दूसरे देशों में चीनी पुलिस थाने संचालित किए जाने का दावा किया गया था। चीन ने कहा था कि देश के बाहर किसी भी देश में स्थित पुलिस सेवा केंद्र चीनी नागरिकों की मदद के लिए बनाए गए हैं। ये संबंधित देश में चीनी नागरिकों को ऑनलाइन सेवाओं में मदद के लिए हैं। कनाडा की तरह नीदरलैंड में भी चीनी पुलिस थाने संचालित किए जाने का मामला सामने आया था। इसके बाद चीन सरकार ने बीजिंग में उक्त बयान जारी किया था। डच सरकार ने नीदरलैंड में चीनी पुलिस सर्विस स्टेशनों को बंद करने के निर्देश दिया था। इसके बाद बीजिंग ने सफाई दी थी। नीदरलैंड सरकार ने कहा था कि इन थानों के संचालन के लिए कोई इजाजत नहीं ली गई थी। बुधवार को चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा कि कनाडा में जिन जगहों पर चीनी पुलिस थाने संचालित किए जाने की बात कही जा रही है, वे पुलिस स्टेशन या पुलिस सर्विस स्टेशन नहीं हैं।

तलवार से सिर काट रहा सऊदी अरब, 10 दिन में 12 लोगों को दी खौफनाक सजा

रियाद ।
सऊदी अरब ने दो साल के अंतराल के बाद ड्रग अपराधों के लिए 10 दिनों में 12 लोगों को मौत की सजा दे दी है। लेकिन सजा ऐसी कि सुनकर दिल दहल जाए। दरअसल, दुष्कर्म और नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में पकड़े गए 12 लोगों के सिर सरे आम तलवार से काट दिए गए। टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार जिन लोगों को मौत की सजा सुनाई गई थी और इसमें तीन पाकिस्तानी, चार सीरियाई, दो जॉर्डन और तीन सउदी शामिल थे।

क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान द्वारा पहले इस तरह की सजाओं को कम करने का वादा के बावजूद देश में इस तरह की क्रूरतम सजा दी जा रही है। एक रिकॉर्ड के मुताबिक केवल इस साल 132 लोगों को इस तरह की खौफनाक मौच दी गई है जो कि 2020 और 2021 के संयुक्त रूप से आए मामलों से भी अधिक है।

प्रिंस के वादे के बावजूद दी जा रही क्रूरतम सज़ा

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2018 में मोहम्मद बिन सलमान ने इस तरह की क्रूर सजा पर रोक लगाने की बात कही थी। प्रिंस ने केवल हत्या के मामले में मृत्युदंड देने की बात कही थी। अहिंसा वाले मामले यानी चोरी, डकैती, तस्करी जैसे मामलों में मौत की सजा हटाने की बात कही थी।

इसके बाद साल 2020 में भी सऊदी अरब द्वारा जमाल खशोगी की हत्या के बाद मौत की सजा को समाप्त करने के लिए कानून में बदलाव के प्रस्ताव के बाद अहिंसक अपराध पर नरमी के और संकेत मिले थे। लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। सऊदी अधिकारियों ने बड़ी संख्या में और गुप्त रूप से ड्रग अपराधियों को फिर से सिर तन से जुदा वाली सजा दे रहे हैं।

इस साल मार्च में सऊदी ने 81 लोगों को मौत की सजा दी

ह्यूमन राइट्स वॉच के मुताबिक, इस साल मार्च में, सऊदी अधिकारियों ने एक दिन में 81 लोगों को मौत की सजा दी थी। मारे गए लोगों की संख्या 1979 में मक्का में ग्रैंड मस्जिद को जब्त करने के लिए दोषी ठहराए गए 63 आतंकवादियों के जनवरी 1980 के सामूहिक फांसी के टोल को भी पार कर गई। यह राज्य और इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल को लक्षित करने के लिए सबसे खराब आतंकवादी हमला था।

राजस्थान में ऐतिहासिक होगी राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा : गहलोत

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर देशभर में अपूर्व उत्साह है तथा समाज में भाईचारे का अच्छा संदेश जा रहा है। अब तक जिन प्रदेशों में यात्रा निकली है उससे कहीं अधिक अच्छे इंतजाम प्रदेश में किए जाएंगे। उन्होंने अपील की कि जो भी नेता अपने कार्यकर्ताओं के साथ नियत तिथि एवं स्थान पर भारत जोड़ो यात्रा में भाग लेने के लिए आये वो अपने कार्यकर्ताओं के साथ अनुशासन बनाएं रखें। गहलोत बुधवार को भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान चरण की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश स्तरीय समिति की वॉर रूम में हुई बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा बताये समय तथा स्थान पर ही नेता एवं कार्यकर्ता भारत जोड़ो यात्रा में भाग लेने के लिए पहुंचे ताकि अनुशासन एवं इंतजामों में किसी प्रकार की कमी ना आये। उन्होंने कहा कि जिलों एवं विधानसभा स्तर पर यात्रा की तैयारियों के लिए प्रभारी बनाए जाएं तथा जो भी कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं व्यवस्थाओं

के लिए तय समितियां बनाएं उसकी पालना करते हुए राजस्थान चरण में भारत जोड़ो यात्रा को सफल बनाने में सभी लोग अपना योगदान प्रदान करें। प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने बताया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 3 से 6 दिसम्बर के मध्य राजस्थान में प्रवेश करेगी। भारत जोड़ो यात्रा पहली बार कांग्रेस शासित प्रदेश में निकलेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश के साथ ही भारत जोड़ो यात्रियों के लिए रहने, भोजन एवं अन्य व्यवस्थाएं करना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के साथ ही सभी कांग्रेस नेताओं तथा कार्यकर्ताओं का दायित्व है। भारत जोड़ो यात्रा में भाग लेने वाले भारत यात्री, प्रदेश यात्री एवं अतिथि यात्री के वर्गों में बांटे गए है। सभी जिलों से भाग लेने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आवेदन किए है तथा जिला स्तर पर बनी कमेटियों द्वारा जिलों से भाग लेने वाले यात्रियों की सूची तैयार हो रही है। उन्होंने कहा कि यात्रा में भाग लेने के लिए सभी जिलों के कांग्रेसजनों को तिथि एवं स्थान नियत कर बताया जाएगा तथा बताए गए स्थान एवं तिथि पर ही भारत जोड़ो यात्रा में भाग लेने के लिए आने के लिए पास जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा मार्ग पर प्रतिदिन अलग-अलग व्यक्तियों को संपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदारी दी जाएगी जो कि प्रदेश स्तरीय समिति से समन्वय कर प्रदेश एवं अतिथि यात्रियों के ठहरने एवं भोजन की व्यवस्थाओं को देखेंगे। प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक में कांग्रेस स्टेयरिंग कमेटी के सदस्य रघुवीर मीणा, आसाम प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह, पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, एआईसीसी सचिव धीरज गुर्जर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. गिरिजा व्यास, डॉ. बीडी कल्ला, डॉ. चंद्रभान, पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी, मंत्री गोविन्द राम मेघवाल, प्रमोद जैन भाया, लालचन्द कटारिया, रामलाल जाट, परसादी लाल मीणा, ममता भूपेश, भजनलाल जाटव, हेमाराम चौधरी, प्रतापसिंह खाचरियावास, शकुन्तला रावत, भंवर सिंह भाटी, महेंद्र चौधरी, जुबेर खान, विधायक रफीक खान ने भी अपने विचार रखे। बैठक में प्रदेश कांग्रेस कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, सचिव ललित तूनवाल, रामसिंह कस्वां, जसवन्त गुर्जर, आर.सी. चौधरी समेत कई कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

गायब मिली 538 किमी सड़कें, सरकार ने अधिकारियों से तलब की रिपोर्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने पूर्व सरकारों को अब सड़क निर्माण के मुद्दे पर घेर लिया है। जीआईएस तकनीक से सड़कों की पैमाइश करवाने के बाद राज्य की 538 किलोमीटर सड़कें कम मिली हैं। विभागीय फाइलों तथा धरातल पर सड़कों की लंबाई में फर्क मिलने के बाद पंजाब सरकार ने विभागीय अधिकारियों से रिपोर्ट तलब कर ली है। पंजाब के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने बुधवार को बताया कि पंजाब मंडी बोर्ड की तरफ से जीआईएस तकनीक से सड़कों का नाप लिया गया है। यह नवीनतम तकनीक है। जीआईएस तकनीक के कारण 64,878 किलोमीटर ग्रामीण लिंक सड़कों में से 538 किलोमीटर के नाप का फर्क निकला है। कुलदीप धालीवाल ने बताया कि यह सरकार की बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इससे रोड डाटा बुक के मुकाबले 538 किलोमीटर के नाप के टेंडरों का कुल फर्क पड़ेगा। उन्होंने बताया कि सड़कों के मोड़, कोहनी मोड़, 90 डिग्री के मोड़ आदि का नाप मैनुअल तौर पर सही ढंग से लेना संभव नहीं है।

स्पेन में कैथल की महिला बाक्सर ने पक्का किया पदक

कैथल (हिंस)। स्पेन में चल रही विश्व यूथ महिला बाक्सिंग स्पर्धा में कैथल की खिलाड़ी लासू यादव ने अपना पदक पक्का कर लिया है। पहले दो मुकाबले जीत कर लासू क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है लासू ने पहले मुकाबले में पौलेंड की खिलाड़ी को 5-0 से और दूसरे मुकाबले में मैक्सिको की खिलाड़ी को 5-0 से हराया है। लासू यादव इस स्पर्धा में 70 किलो भार वर्ग में भाग ले रही है। वहीं खिलाड़ी कीर्ति ढुल का मुकाबला रोमानिया की खिलाड़ी के साथ होगा। कीर्ति 81 प्लस किलो में भाग ले रही है। अगर कीर्ति अपना मुकाबला जीत जाती है तो वह भी अपना पदक पक्का कर लेगी और सेमिफाइनल में जगह बना लेगी। बाक्सिंग प्रशिक्षक गुरमीत सिंह ने बताया कि लासू ने पदक पक्का कर लिया है और कीर्ति भी अपना मुकाबला जीत कर पदक पक्का करेगी। कैथल से दो खिलाड़ी ही भाग ले रही हैं और उन्हें उम्मीद है कि दोनों ही पदक लेकर भारत लौटेंगी। बता दें कि दोनों खिलाड़ियों ने सितंबर में सर्बिया में हुई अंतर्राष्ट्रीय बाक्सिंग स्पर्धा में पदक हासिल किया था। कीर्ति ने स्वर्ण और लासू ने कांस्य पदक हासिल किया था। दोनों खिलाड़ी अंबाला रोड स्थित इंडोर खेल स्टेडियम में कोच राजेंद्र सिंह, विक्रम ढुल और गुरमीत सिंह के पास अभ्यास करती हैं।

रेल कौशल विकास योजना में अब तक 400 से अधिक युवाओं ने लिया प्रशिक्षण

अजमेर (हिंस)। रेल कौशल विकास योजना के तहत उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रशिक्षण केंद्रों में युवाओं को तकनीकी ज्ञान के लिए दिसंबर माह में प्रारंभ होने वाले प्रशिक्षण बैच में 220 सीटें निर्धारित की गई है।अजमेर कार्यशाला में सात से सत्ताइस दिसम्बर 2022 तक रेल कौशल विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा जिसमें वेल्डर, फिटर, इलेक्ट्रीशियन, मशीनिष्ट ट्रेड के 110 चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए कुल 1867 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार रेल कौशल विकास योजना में तकनीकी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम से 18 से 35 वर्ष तक के युवाओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण वेल्डर, फिटर, इलेक्ट्रिकल एवं मशीनिस्ट ट्रेड में उत्तर पश्चिम रेलवे की अजमेर, जोधपुर एवं बीकानेर कार्यशाला में दिया जा रहा है। इन कार्यशालाओं में अब तक कुल 409 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। जिनमें अजमेर लोको कार्यशाला में 49, अजमेर कैरेज कार्यशाला में 85, जोधपुर कार्यशाला में 189 एवं बीकानेर कार्यालय में 86 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इच्छुक प्रशिक्षणार्थी अधिक जानकारी तथा आवेदन के लिए रेल कौशल विकास योजना वेबसाइट पर अथवा प्रशिक्षण केंद्रों पर संपर्क कर सकते हैं।

रैली में उचाना पर रहेगी प्रदेश की नजर: दुष्यंत चौटाला

जींद (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जेजेपी के स्थापना दिवस पर नौ दिसंबर को भिवानी में रैली का आयोजन किया जा रहा है। रैली में उचाना पर पूरे प्रदेश की नजर रहेगी। ऐसे में यहां से पूरे प्रदेश से सबसे अधिक भागीदारी होनी चाहिए। पदाधिकारी खुद की गाड़ी नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं के साथ बस, कुजर में सवार होकर रैली में पहुंचे। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला रैली को लेकर उचाना हलके के लोगों को निमंत्रण देने के लिए गांव खटकड़ में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। श्री चौटाला ने कहा कि जेजेपी के कार्यकर्ता खुद रैली का नया रिकॉर्ड बनाते है। खुद की रैली का रिकॉर्ड तोड़ने का काम जेजेपी के कार्यकर्ता करते है। भिवानी में होने वाली रैली प्रदेश की सबसे बड़ी रैली होगी। इस रैली में लाखों की संख्या में लोग पहुंचेंगे। जींद की धरा से ही जेजेपी पार्टी बनी थी। रैली में सबसे अधिक भीड़ जींद, उचाना हलके से होनी चाहिए। हर कार्यकर्ता अपने आप को दुष्यंत चौटाला मान कर गांव में घर-घर जा कर लोगों को रैली का निमंत्रण दे। उचाना

हलका उनकी कर्मभूमि है। यहां के लोगों से उनका राजनीति नहीं बल्कि दिल का रिश्ता है। हर दौर में यहां के लोग उनके साथ नजर आए हैं। विकास को लेकर कोई कोर कसर उचाना में नहीं रहने देंगे। उचाना को विकास के मामले में नंबर वन पर लेकर जाएंगे। बड़ौदा गांव से पुराना रिश्ता बताते हुए दुष्यंत चौटाला ने कहा कि स्व. देवीलाल के समय यहां के लोगों ने तो रेलगाड़ी में जाकर रैलियों को कामयाब करने का काम किया था। बड़ौदा गांव से आज का नहीं, बल्कि बहुत राना रिश्ता है। खटकड़ गांव में मंच पर पहुंच कर जब बुजुर्ग डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला को शिकायत देने लगे तो बुजुर्ग को अपने पास बैठा कर संबंधित अधिकारी को समाधान के निर्देश दिए। ऐसे ही जब बड़ौदा गांव पहुंचे तो मंच पर शिकायत लेकर खड़े बुजुर्ग को अपने पास बैठा कर उसकी समस्या को सुना।

उद्योगपतियों को परेशान करने वाली ट्रक यूनियन पर होगी कार्रवाई

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में सत्ता परिवर्तन के बाद एक बार फिर से ट्रक यूनियनों तथा उद्योगपतियों का विवाद गहरा गया है। पूर्व सरकार द्वारा ट्रक यूनियनों को भंग किए जाने के बावजूद में राज्य में कई यूनियनों द्वारा उद्योगपतियों को परेशान किए जाने की घटनाओं के बाद सरकार ने नियमों का उल्लंघन करने वाली यूनियनों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं। पंजाब के मुख्य सचिव विजय कुमार जंजुआ ने बुधवार को पुलिस महानिदेशक गौरव यादव की उपस्थिति में परिवहन, उद्योग और पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक में इस बात का गंभीर नोटिस लिया गया कि 13 दिसंबर 2017 से ट्रक यूनियनों को भंग करने के बावजूद उनकी तरफ से उत्पन्न की जा रही अनधिकृत कार्यवाहियों से उद्योगों को भारी दिक्कतें आ रही हैं। मुख्य सचिव ने परिवहन और पुलिस विभाग को 2017 में भंग किए जाने संबंधी आदेश को सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने परिवहन विभाग को कहा कि यदि कोई नियमों की पालन नहीं करता तो तुरंत परमिट रद्द किया जाए। इसी तरह उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि फील्ड में सख्ती से चैकिंग की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि 2017 में जारी नोटिफिकेशन का पालन हर हाल में किया जाए। यदि कोई ट्रक ऑपरेटर किसी को परेशान करता है तो पुलिस तुरंत केस दर्ज करे। उन्होंने कहा कि किसी भी ट्रक यूनियन को काम करने की इजाजत नहीं है। मीटिंग में डीजीपी गौरव यादव, प्रमुख सचिव उद्योग दिलीप कुमार, सचिव परिवहन विकास गर्ग, स्टेट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर विमल सेतिया, एडीजीपी इंटेलिजेंस जतिन्दर सिंह औलख के अलावा वीडियो कांफ्रेंस के द्वारा राज्य के जिलों के समूह डिप्टी कमिश्नर, कमिश्नर पुलिस, एसएसपी, जिला उद्योग केंद्रों के जनरल मैनेजर और जिला परिवहन अधिकारी उपस्थित हुए।

ओबीसी आरक्षण पर हम नहीं दोहराएंगे पिछली सरकार वाली गलती

16 राज्यों और केंद्र का मॉडल लागू करेंगे : सीएम

जयपुर (हिंस)। ओबीसी आरक्षण विसंगति को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने साफ कर दिया है कि उनकी सरकार पिछली सरकार की ओर से इस संबंध में की गई गलती नहीं दोहराएगी। इस मामले का कैबिनेट में फैसला किया जाएगा। गहलोत ने पिछली भाजपा सरकार के समय 2018 में जारी सर्कुलर को वापस लेने के संकेत दिए हैं। गुरुवार को होने वाली कैबिनेट की बैठक में ओबीसी आरक्षण पर फैसला हो सकता है। मुख्यमंत्री गहलोत ने बुधवार को कांग्रेस वॉर रूम के बाहर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ओबीसी आरक्षण विसंगति का मुद्दा बेहद संवेदनशील है, पूर्ववर्ती वसुंधरा सरकार के समय तकनीकी गलतियों की वजह से युवाओं को इसका नुकसान उठाना पड़ा। हमने इस पूरे प्रकरण का परीक्षण कराया है। पूर्व सैनिकों का भी इसमें कोई नुकसान नहीं होना चाहिए। यह जाट और राजपूत या किसी अन्य जाति का मामला नहीं है। इसे जातिगत मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। हर जाति में मनमुटाव होता है लेकिन ऐसे हालात पैदा नहीं करें कि आपस में मनमुटाव बढ़े। सरकार इस मुद्दे पर संवेदनशील है। इस मुद्दे पर कैबिनेट की बैठक में अलग से चर्चा होगी। गहलोत ने ओबीसी मुद्दे पर नाम लिए बिना कांग्रेस नेता हरीश चौधरी को इशारों में निशाने पर लेते हुए कहा कि कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं। गहलोत ने कहा कि ओबीसी नौजवानों की मांग भी वाजिब है। पूरे देश में सोलह राज्यों और केंद्र में ओबीसी आरक्षण का जो फॉर्मूला है, वह राजस्थान में भी लागू होगा। हम चाहेंगे कि कैबिनेट में डिस्कस करें, फैसला करें। अन्याय किसी के साथ नहीं होना चाहिए। गहलोत ने कहा कि ओबीसी आरक्षण को लेकर यह कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं। उन्हें भ्रम नहीं फैलाना चाहिए। उनकी मांग का हमने परीक्षण करवाया है। उनकी मांग में दम भी है। हमने पूर्व सैनिक अफसरों से बातचीत की है। उन्हें हम विश्वास में ले रहे हैं, क्योंकि पूर्व सैनिकों को भी नुकसान नहीं होना चाहिए। उन्होंने देश के लिए सब कुछ न्योछावर किया है। अपनी जान की बाजी लगाकर सेना में गए हैं, उनके हित भी पूरी तरह देखे जाएंगे। दोनों पक्षों के साथ पूरा न्याय होगा। सभी पक्षों से अपील करूंगा कि वे किसी पक्ष में हों, ओबीसी नौजवानों, पूर्व सैनिकों के हित को देखते हुए मेरी मार्मिक अपील है कि यह जातिगत मुद्दा नहीं बन जाए। गहलोत ने कहा कि यह जाट, राजपूतों का मुद्दा नहीं है। जिस तरह की ध्वनि निकल रही है, उससे दुख होता है। चालीस साल से देख रहा हूं। जाट, राजपूत गुर्जर, मीणा कोई जाति हो, सबको कांग्रेस ने नजदीक लाने का प्रयास किया है। पिछली बार सीएम बना, तब शांति के लिए गुर्जर-मीणाओं का मौन जुलूस निकलवाया था। जाट-राजपूतों के बीच झगड़े की बात कॉलेज वक्त में 50 साल पहले सुनते थे। आज कहां झगड़े होते हैं। वो टाइम चला गया है। थोड़ा-बहुत मनमुटाव तो हर जाति वर्ग में चलता रहता है। अगर कोई यह हालत पैदा कर दे कि जातियों में दूरियां और ज्यादा बढ़ें, यह उचित नहीं है। आप निश्चिंत रहें, सरकार निर्णय करेगी। सबके पक्ष का करेगी। सबको न्याय मिलेगा। गहलोत ने कहा कि कैबिनेट की बैठक गुरुवार को होगी। आज भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों के कारण बैठक को कल के लिए टाला है।

पंजाब के सीमावर्ती जिलों में जारी रहेगी खनन पर रोक

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में खनन के मुद्दे पर हाईकोर्ट द्वारा लगाई गई रोक बादस्तूर जारी रहेगी। हाईकोर्ट पंजाब सरकार के जवाब से संतुष्ट नहीं है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने बुधवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब के जिला पठानकोट और गुरदासपुर में खनन पर स्टे जारी रखी है। पंजाब सरकार ने आज इस मामले में ठोस जवाब के लिए हाईकोर्ट से अतिरिक्त समय दिए जाने की मांग की है। हाईकोर्ट ने आगामी आदेशों तक खनन पर पूर्ण पाबंदी जारी रखने की बात कही है। पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में खनन के कारण सेना को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अवैध खनन के कारण सुरक्षा खतरे में है। हाईकोर्ट ने सेना के तर्क के बाद सीमावर्ती जिलों में खनन पर रोक लगा दी थी। इस बीच पंजाब सरकार ने सेना के साथ मिलकर काम करने की बात कहते हुए हाईकोर्ट से स्टे हटाने की याचिका दायर की थी। बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने अतिरिक्त समय दिए जाने की मांग की। हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार से पूछा कि अवैध खनन से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है या नहीं।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग, मुगल तथा एसएसजी रोड यातायात के लिए खुले

जम्मू (हिंस)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग, मुगल तथा एसएसजी रोड यातायात के लिए खुल गए। जम्मू- श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग तथा मुगल रोड हल्के वाहनों के लिए दोतरफा जबकि एसएसजी रोड एकतरफा यातायात के लिए खुले हैं। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को दोनों ओर से हल्के यात्री व निजी वाहनों के गुजरने के बाद अधिकारियों द्वारा भारी वाहनों को नवयुग सुरंग से जम्मू की तरफ रवाना किया जाएगा। राजमार्ग संकरी होने के चलते अधिकारियों ने वाहन चालकों को हिदायत दी है कि वाहनों की रफ्तार कम रखें ताकि किसी भी हादसे को रोका जा सके। अधिकारियों ने सुरक्षा बलों से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करते हुए मालवाहक व अन्य वाहनों के गुजरने और राजमार्ग की ताजा स्थिति का जायजा लेने के बाद ही अपने वाहनों को जम्मू से श्रीनगर की ओर ले जा सकते हैं। इसी बीच एसएसजी रोड बुधवार को यातायात के लिए एकतरफा खुला रखा गया है। वाहनों को केवल श्रीनगर से करगिल की तरफ जाने की अनुमति दी गई है। इसी बीच राजौरी व पुंछ जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां से जोड़ने वाला मुगल रोड यातायात के लिए दोनों तरफ से खुला रखा गया है। अधिकारियों का कहना है कि तय समय के बाद किसी भी वाहन को राष्ट्रीय राजमार्ग तथा अन्य मार्गों पर आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मंदिर हटाने पहुंची पुलिस पर पथराव, 20 हिरासत में

सिरोही (हिंस)। आबूरोड में बुधवार सवेरे हाईकोर्ट के आदेश पर हनुमान मंदिर हटाने गई पुलिस टीम पर स्थानीय लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। इसमें एएसपी और डीएसपी घायल हो गए। कुछ ही देर में माहौल इतना बिगड़ गया कि पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने लोगों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। हाईकोर्ट के आदेश पर सातपुर तालाब के पास बने हनुमान मंदिर को हटाने के लिए प्रशासन सुबह 6 बजे पहुंचा था। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग विरोध करने पहुंच गए। विरोध के बीच करीब 8.30 बजे हनुमान मंदिर को तोड़ दिया गया। आक्रोशित लोगों ने सातपुर-आबूरोड मार्ग को जाम कर दिया। काफी देर तक समझाइश के बाद भी लोग नहीं माने तो साढ़े 11 बजे के आसपास उन्हें खदेड़ने का प्रयास किया गया। इस पर पर लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। मामला बिगड़ता देख आरएसी के जवान और लाइन से जाप्ता मंगवाया गया। पुलिस ने लाठीचार्ज किया तो लोग बिखर गए और गलियों

में घुसकर पथराव करने लगे। मंदिर को तोड़ने के बाद लोग मंदिर के सामने ही सातपुर-आबूरोड मार्ग पर बैठकर वंदे मातरम और जयश्रीराम के नारे लगाते रहे। प्रशासन ने चारों तरफ बैरिकेडिंग करके सभी लोगों को मंदिर के आस-पास आने से रोक दिया। कार्रवाई के दौरान छह थानों की पुलिस की मौके पर पहुंची थी। इसके अलावा आरएसी के जवान और लाइन से जाप्ता मंगवाया गया था। पथराव में एएसपी देवाराम चौधरी को नाक और डीएसपी योगेश कुमार शर्मा के मुंह पर चोट आई है। इसके साथ पांच पुलिसकर्मी भी घायल हो गए हैं। इस घटना में 20 से ज्यादा लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। घटना के बाद कलेक्टर डॉ. भवंर लाल चौधरी और एसपी ममता गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। वहीं अस्पताल में पहुंचकर घायलों से बात की। आबूरोड की उपखंड अधिकारी नीलम लखारा ने बताया कि 13 नवंबर 2018 को गांव के कांतिलाल उपाध्याय ने सातपुर तालाब पर हुए अतिक्रमण को लेकर एक याचिका जोधपुर हाईकोर्ट में दायर की थी। इस पर 17 नवंबर 2022 को कोर्ट ने मंदिर को अतिक्रमण मानते हुए स्थानीय प्रशासन को हटाने के आदेश दिए थे। कांतिलाल की दलील थी कि मंदिर की वजह से सातपुर तालाब का स्वरूप बिगड़ गया है। एसडीएम ने बताया कि हाईकोर्ट के निर्देश पर तालाब से अतिक्रमण को हटाया गया है। प्रशासन ने बाकायदा नोटिस जारी कर मौके से अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी किए थे। मंदिर को हटाने के बाद 24 नवंबर को कोर्ट में रिपोर्ट पेश की जाएगी। प्रशासन की कार्रवाई को लेकर आबूरोड में बुधवार को हिंदू संगठन शिवसेना, वीएचपी और भाजपा ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष दिनेश खंडेलवाल ने बंद का आह्वान किया है। भाजपा नेता का आरोप है कि कांतिलाल उपाध्याय का घर अतिक्रमण कर बनाया गया है।

हरियाणा में दिसंबर से स्कूलों का समय बदला

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने आदेश जारी कर राज्य में स्कूलों का समय बदल दिया है। नई समय सारिणी एक दिसंबर से लागू होगी। शिक्षा विभाग के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि राज्य में जो स्कूल एकल शिफ्ट में चल रहे हैं उनका समय सुबह 9.30 बजे से शाम 3.30 बजे तक होगा। वहीं दोहरी शिफ्ट में चलने वाले स्कूलों में पहली शिफ्ट सुबह 7.55 से दोपहर 12.30 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 12.40 बजे से 5.15 तक लगेगी। विभागीय प्रवक्ता ने कहा कि बुधवार को इस संबंध में निदेशालय की तरफ से राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों तथा जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है।

75 हजार से ज्यादा विद्यार्थी करेंगे अष्टादश श्लोकी गीता पाठ

कुरुक्षेत्र (हिंस)। प्रदेश के 22 जिलों व 119 खंडों के 75 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राएं और शिक्षकगण आनलाईन प्रणाली के जरिए वैश्विक गीता पाठ के साथ कुरुक्षेत्र से जुड़ेंगे। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने विशेष बातचीत करते हुए कहा कि इस वैश्विक गीता पाठ के साथ जुड़कर अष्टादश श्लोकों का उच्चारण करेंगे। इस उच्चारण से पूरे प्रदेश का वातावरण गीतामय हो जाएगा और पूरे प्रदेश की युवा पीढ़ी में एक सकारात्मक उर्जा सोच और ऊर्जा का सजृन होगा। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के अंतर्गत गीता के दिन गीता का संदेश पूरे प्रदेश में गूंजेगा। प्रदेश भर के छात्र वैश्विक

गीता पाठ से जुड़ेंगे और गीता के श्लोकों का उच्चारण करेंगे। प्रदेश के 75 हजार से अधिक छात्र 4 दिसंबर को दोपहर 12 बजे इस वैश्विक गीता पाठ में भाग लेंगे। गौरतलब है कोरोना काल में विद्यार्थियों को एक स्थान पर एकत्र करने की बजाए गत वर्ष ऑनलाइन माध्यम से सामूहिक गीता पाठ करवाया गया था। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत गीता जयंती के दिन 4 दिसम्बर को थीम पार्क में 18 हजार विद्यार्थी सामूहिक अष्टादश श्लोकी गीता का पाठ करेंगे। साथ ही प्रदेश के सभी 22 जिला मुख्यालयों व 119 खंडों में विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनेंगे।

No.SE(N)/P.N/9/2022-23/pt/54

CANCELLATION NOTICE

The bid process for the work- Earth work and Site Development work for District Museum at Barpeta invited vide Press Notice Memo No.SE(N)/P.N/9/2022-23/1061-A dtd.12/09/2022 and DNIT Memo No.SE(N)/NIT/10/2022-23/1042-A dtd.13/10/2022 has been cancelled on technical ground.

Sd/-
Superintending Engineer, PWD,
Nalbart Building Circle, Nalbari

-- Janasanyog /C/14742/22

No.DWCD(ICDS)G/SNP/61/2022/70

EXTENSION NOTICE

The date and time of tender document to be downloaded and online submission in respect of e-EoI No.DWCD(ICDS)G/SNP/61/2022/31, dated 13/7/2022 In regard to Expression of Interest for supply of Ready to eat (RTE) food items such as Dal Khichdi, Multigrain Suji Halwa as cereal-based Micronutrient Fortified Energy Dense Food for Children of age group (6 months to 3 years), Children of age group (3- 6 years), Severely Malnourished Children of age group (6 months to 6 years) and Pregnant Women & Lactating mothers for various Anganwadi Centres and Mini-Anganwadi Centres at General areas of Assam for implementation of SNP during the year 2022-23, are hereby changed and rescheduled as follows:

Sl. No.	Schedule	Earlier End Date and Time	Rescheduled End Date and Time
1	Tender download	25/11/2022 at 03.00PM	23/12/2022 at 03.00PM
2	Bid submission	25/11/2022 at 03.00 PM	23/12/2022 at 03.00 PM
3	Bid opening	28/11/2022 at 11.00 AM	26/12/2022 at 11.00 AM

Sd/-
Director
Women and Child Development, Assam
Uzanbazar, Guwahati-1

-- Janasanyog /C/14724/22

लैपटॉप कंपनी एचपी 6000 एम्प्लॉइज को निकालेगी : कंपनी की सेल्स में गिरावट आई, महंगाई और मंदी की चिंता

नई दिल्ली।

मेटा, ट्विटर और अमेजन के बाद अब एक और टेक कंपनी ने जॉब कट का फैसला किया है। लैपटॉप और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफ्रैक्चरर हैवलेट पैकर्ड यानी एचपी इंक लगभग 6,000 लोगों को निकाल सकती है। ये उसकी टोटल वर्कफोर्स का करीब 12प्रतिशत है। एचपी में अभी 50,000 से ज्यादा एमप्लॉइज हैं। हालांकि, कंपनी का छंटनी का ये प्लान 2025 तक पूरा करने का है। एचपी ने अपनी वित्तीय वर्ष 2022 की फुल ईयर रिपोर्ट के दौरान ये घोषणा की है। कोरोना महामारी के दौरान पीसी और लैपटॉप सेगमेंट में जोरदार उछाल देखने को मिला था। हालांकि, अब बिक्री में कमी आई है जिस कारण एचपी ने एम्प्लॉइज की संख्या में कटौती का फैसला किया है। ग्लोबल मार्केट में महंगाई और मंदी की चिंता भी जॉब कट के कारणों में से एक हो सकता है।

रेवेन्यू साल दर साल 0.8प्रतिशत घटा – एचपी ने कहा कि चौथी तिमाही में रेवेन्यू साल दर साल 0.8प्रतिशत घटकर 14.80 बिलियन डॉलर हो गया। पर्सनल सिस्टम सेगमेंट में रेवेन्यू, जिसमें पीसी शामिल हैं, 13प्रतिशत गिरकर 10.3 बिलियन डॉलर हो गया। प्रिंटिंग रेवेन्यू 7प्रतिशत कम होकर 4.5 बिलियन डॉलर हो गया।

ट्विटर, मेटा, अमेजन में भी छंटनी – एचपी से पहले ट्विटर ने करीब 50प्रतिशत एम्प्लॉइज को निकाला है, जबकि मेटा ने अपने इतिहास की सबसे बड़ी छंटनी करते हुए 11,000 लोगों को निकाला है। अमेजन में भी 10,000 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की जा चुकी है। अमेजन ने खुद भी अगले साल तक छंटनी जारी रहने की जानकारी दी है।

गूगल में जल्द होगी छंटनी – बीते दिन खबर आई थी कि गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट 10,000 एम्प्लॉइज की छंटनी कर सकती है। इंफॉर्मेशन की एक रिपोर्ट में ये दावा किया गया था। मार्केट कंडीशन और कॉस्ट कटिंग के कारण ऐसा किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक गूगल मैनेजर्स को खराब प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों का विश्लेषण करने और उन्हें रैंक देने के लिए कहा गया है।

मंदी और जॉब का कनेक्शन – मंदी की शुरुआत में, जैसे-जैसे कंपनियां कम मांग, घटते मुनाफे और ऊंचे कर्ज का सामना करती हैं, कई कंपनिया कॉस्ट कटिंग करने के लिए एम्प्लॉइज की छंटनी शुरू कर देती हैं। बढ़ती बेरोजगारी कई संकेतकों में से एक है जो मंदी को परिभाषित करती है। मंदी में कंज्यूमर कम खर्च करते हैं और इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन भी धीमा हो जाता है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान का एफडीआई चार महीनों में 52 प्रतिशत घटा, नकदी की तंगी से जूझ रहे देश की बढ़ी परेशानी

नई दिल्ली । देश में खराब आर्थिक स्थिति और राजनीतिक अस्थिरता के बीच, नकदी की तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) ने चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान 52 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है। सोमवार को पाकिस्तान स्टेट बैंक ने नवीनतम डेटा जारी किया, इसके अनुसार जुलाई-अक्तूबर एफवाय23 में एफडीआई गिरकर 348.3 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान 726.5 मिलियन अमरीकी डॉलर था। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक एफडीआई में हर साल गिरावट आ रही है जबकि निवेश की मात्रा भी क्षेत्रीय देशों जैसे भारत, बांग्लादेश और चीन की तुलना में बहुत कम है। रिपोर्ट के अनुसार 74.8 मिलियन अमरीकी डालर का उच्चतम एफडीआई चीन से वित्तीय वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान आया था। पाकिस्तानी दैनिक ने कहा कि चीन पिछले कई सालों से सबसे बड़ा निवेशक रहा है, लेकिन उसके निवेश में गिरावट शुरू हो गई है, जैसा कि दो साल के तुलनात्मक आंकड़ों से पता चलता है। इस बीच, संयुक्त अरब अमीरात से एफडीआई प्रवाह पहले चार महीनों में बढ़कर 67.6 मिलियन अमरीकी डालर हो गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान 51.4 मिलियन अमरीकी डालर था। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसान इकबाल ने रविवार को देश के डिफ़ॉल्ट जोखिमों से संबंधित रिपोर्टों को खारिज कर दिया। इकबाल ने उन्हें इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी का प्रचार करार दिया। पाकिस्तान के संघीय मंत्री ने यह टिप्पणी इमरान के पाकिस्तान में आर्थिक स्थिति के बारे में चेतावनी देने के बाद की, जिसमें कहा गया था कि शहबाज शरीफ सरकार इसे नियंत्रित करने में सक्षम नहीं है।

अनिल देशमुख के बेटे ने एंटीसिपेटरी बेल की अर्जी वापस ली, मनी लाउंड्रिंग का है मामला

नई दिल्ली । महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख के बेटे ऋषिकेश ने मंगलवार को अग्रिम जमानत अर्जी वापस ले ली, जिसे उन्होंने धन शोधन के एक मामले में विशेष अदालत के समक्ष एक साल पहले दायर किया था। अनिल देशमुख भी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी हैं और उन्हें बॉम्बे हाई कोर्ट ने जमानत दे दी है। हालांकि, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से भ्रष्टाचार के एक मामले जारी जांच के सिलसिले में वह अब भी न्यायिक हिरासत में हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऋषिकेश को कई बार पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन वह जांच एजेंसी के सामने कभी पेश नहीं हुए। मामले में गिरफ्तारी की आशंका से ऋषिकेश ने पिछले साल नवंबर में यहां एक विशेष अदालत के समक्ष अपने अधिवक्ता अनिकेत निक्कम और इंद्रपाल सिंह के माध्यम से अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। मंगलवार को उनके वकील ने विशेष न्यायाधीश आरएन रोकड़े को सूचित किया कि वे मामले को आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं और याचिका वापस लेने की मांग की। अदालत ने उनकी दलील को स्वीकार कर लिया और आवेदन को वापस ले लिया। एनसीपी के वरिष्ठ नेता अनिल देशमुख महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार में गृह मंत्री थे। ईडी ने उनके और अन्य लोगों के खिलाफ यह मामला दर्ज कराया था। यह मामला सीबीआई की ओर से उनपर मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह की ओर से लगाए गए रिश्वत के आरोपों से संबंधित भ्रष्टाचार का मामला दर्ज करने के बाद सामने आया था।

आठ वर्षों में से दवाओं का निर्यात 138प्रतिशत बढ़ा, स्वास्थ्य मंत्री बोले- वन अर्थ, वन हेल्थ विजन पर हो रहा काम

नई दिल्ली । 2013-14 की इसी अवधि की तुलना में अप्रैल-अक्टूबर 2022-23 में भारत के फार्मा निर्यात में 138 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, इस दौरान भारत दुनिया के लिए एक फार्मेसी के रूप में विकसित हुआ। अप्रैल-अक्टूबर 2013-14 से भारत के फार्मा निर्यात में 138 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो 2013-14 में 37,987.68 करोड़ रुपये से बढ़कर 2021-22 में 90,324.23 करोड़ रुपये हो गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने इन वर्षों में भारत के दवा निर्यात के एक इन्फोग्राफिक को साझा करते हुए एक ट्वीट में कहा कि भारत का दवा निर्यात दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में भारत ऐसा पहला देश बना जिसके छह हजार से ज्यादा उत्पादों पर शुल्क नहीं

नई दिल्ली/कैनबरा।

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से दोनों देशों के संबंधों में नया अध्याय जुड़ेगा। समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया भारतीय निर्यातकों को सभी तरह के उत्पाद बिना किसी कोटा प्रतिबंध के बचेने की इजाजत देगा। भारत पहला देश है, जिसके लिए ऑस्ट्रेलिया ने यह सुविधा दी है। यही नहीं, मॉरिशस और संयुक्त अरब अमीरात के बाद ऑस्ट्रेलिया तीसरा देश, जिसके साथ भारत ने दोहरे कराधान परिहार समझौते (डीटीएए) के तहत मुक्त व्यापार समझौता किया है। ब्रिटेन व कनाडा के साथ बातचीत अंतिम दौर में है। ब्रिटेन से वार्ता अगले महीने से होगी। यूरोपीय संघ से भी इस पर लंबे समय से बातचीत जारी है।

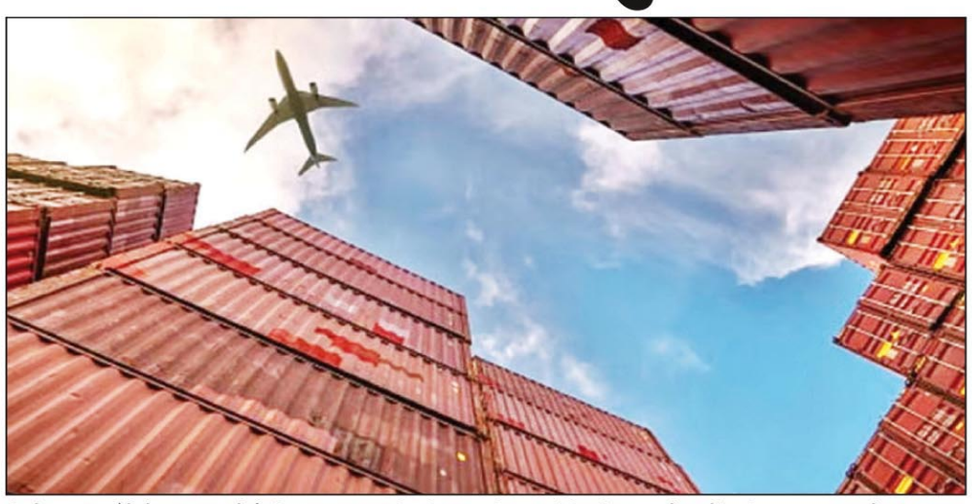

न्याय संगत फैसला – अब ऑस्ट्रेलियाई सरकार अपनी कार्यकारी परिषद से मंजूरी लेगी। भारत में केंद्रीय मंत्रिमंडल इसे मंजूरी देगा। समझौता भारत के लिए न्याय संगत है। -पीयूष गोयल, वाणिज्य मंत्री

समझौता लागू होने के बाद मिलेंगे कईफायदे – ऑस्ट्रेलिया में तकनीकी सहायता देने वाली भारतीय कंपनियों को वहां से होने वाली आय पर कर नहीं देना पड़ेगा। इससे ऑस्ट्रेलिया में काम कर रहीं भारत की 100 बड़ी आईटी कंपनियों के हर वर्ष 20 करोड़ डॉलर बचेंगे। विदेश व्यापार के अतिरिक्त महानिदेशक तपन मजूमदार ने बताया, इस बात की पूरी उम्मीद है कि यह समझौता अगले वर्ष जनवरी से लागू हो जाएगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बताया, इसके तहत भारत के शेफ व योगा प्रशिक्षकों को भी कामकाजी वीजा मिलेगा। भारत से ऑस्ट्रेलिया पढ़ने जाने वाले हर छात्र को वहां उनकी शिक्षा के मुताबिक रोजगार मिलेगा। समझौते से वाइन बनाने के लिए अंगूर पैदा करने वाले 6,000 किसानों को लाभ होगा। इससे और भी किसान अंगूर पैदा करने के क्षेत्र में उतर सकेंगे। फियो महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, निर्यातकों को 98प्रतिशत वस्तुओं पर कोई शुल्क नहीं देना होगा। कोयला, एलुमिना, मैग्नीज, कॉपर व ऊन जैसे कच्चे माल भी बिना कर के आयात कर पाएंगे, जिससे उद्योगों को गति मिलेगी।

बड़ा फैसला : भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर ऑस्ट्रेलियाई संसद की मुहर भारतीय निर्यातकों को अब ऑस्ट्रेलिया में 6,000 से अधिक उत्पादों के निर्यात पर शुल्क नहीं देना होगा। ऑस्ट्रेलियाई संसद ने मंगलवार को भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को मंजूरी दे दी। अब दोनों देश आपसी सहमति से फैसला करेंगे कि समझौता किस तारीख से लागू होगा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने ट्वीट कर फैसले की जानकारी दी। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि दोनों देशों ने लंबे विचार-विमर्श के बाद अप्रैल में आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (एआई-ईसीटीए) पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत ऑस्ट्रेलिया ने 96.4 फीसदी निर्यात को सीमा शुल्क से मुक्त रखने की पेशकश की है। इसमें कई उत्पाद ऐसे हैं, जिन पर ऑस्ट्रेलिया में अभी चार से पांच फीसदी सीमा शुल्क लगता है।

पीएम मोदी से मुलाकात का असर – ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बनीज ने बताया, जी-20 सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात में दोनों देशों में आर्थिक रिश्तों को गहरा व व्यापक बनाने पर सहमति बनी थी। अल्बनीज अगले वर्ष मार्च में कारोबारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत दौरे पर भी आएंगे।

पीएम मोदी ने कहा, शुक्रिया – ऑस्ट्रेलियाई पीएम के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें शुक्रिया अदा करते हुए कहा, ईसीटीए के लागू होने का हमारे व्यापारिक समुदायों की तरफ से बहुत स्वागत किया जाएगा। यह भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा।

50 अरब डॉलर तक होगा व्यापार – 2021-22 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 8.3 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि 16.75 अरब डॉलर का आयात किया था। पहले 27.5 अरब डॉलर था व्यापार : पीयूष गोयल ने बताया, समझौते की बदौलत पांच वर्ष में भारत-ऑस्ट्रेलिया का व्यापार मौजूदा 27.5 अरब डॉलर से 50 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई व्यापार मंत्री डॉन फैरेल ने बताया कि एफटीए दोनों देशों की घरेलू आवश्यकताओं के पूरा होने के 30 दिन के भीतर या पारस्परिक रूप से सहमत समय पर लागू कर दिया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया समझौते को इसी वर्ष लागू करने के लिए तैयार है।

कोरोना पाबंदियों के चलते चीन में आईफोन प्लांट में हिंसा: गार्ड्स-वर्कर्स भिड़े; कर्मचारी खाने, दवा और सैलरी को लेकर नाराज

शंघाई।

चीन के आईफोन प्लांट में कड़ी कोरोना पाबंदियों को लेकर हिंसा शुरू हो गई है। झेंग्झौ में आईफोन बनाने वाले फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी के प्लांट में सैकड़ों कर्मचारी सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए। सोशल मीडिया पर इस हिंसा के कई वीडियो और फोटो भी सामने आ रहे हैं। ब्लूमबर्ग ने इन फोटोज और वीडियोज के आधार पर एक रिपोर्ट भी दी है। इसमें कहा गया कि कोरोना के चलते प्लांट में एक महीने से कड़ी पाबंदियां हैं। कर्मचारी खाने, दवा और सैलरी को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

ऐसे ही एक वीडियो में दिख रहा है कि कुछ वर्कर्स सफेद रंग के कपड़े पहने गार्ड से भिड़ गए। एक अन्य वीडियो में गार्ड जमीन पर लेटे एक वर्कर को लातों से पीटते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान लड़ो-लड़ो के नारे भी सुनाई दे रहे हैं। एक अन्य वीडियो में भीड़ बैरिकेड्स को पार कर आगे बढ़ गई और पुलिस कार को घेरकर जोर-जोर से चिल्लाते हुए वाहन को हिलाना शुरू कर दिया।

एक अन्य वीडियो में नाराज वर्कर्स ने कॉन्फ्रेंस रूम में मैनेजर को घेर लिया। वो अपने कोविड टेस्ट पर सवाल उठा रहे थे। एक वर्कर ने कहा, मैं इस जगह को लेकर डरा हुआ हूं, हम सभी अब कोविड पॉजिटिव हो सकते हैं। एक अन्य व्यक्ति ने कहा, आप हमें मौत के मुंह में भेज रहे हैं। चश्मदीदों के मुताबिक, पेमेंट न होने और संक्रमण फैलने की आशंकाओं को लेकर ये विरोध शुरू हुआ है। कई वर्कर इसमें घायल हो गए हैं। इस आईफोन सिटी में 2 लाख से ज्यादा की वर्कफोर्स है। इनमें से ज्यादातर को आइसोलेशन में रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इतना ही नहीं इन्हें लंबे समय से बेहद साधारण खाना मिल रहा है और दवाओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर है। ऐसे में कई लोग पिछले महीने प्लांट से भाग गए। फॉक्सकॉन और स्थानीय सरकार ने अब नए कर्मचारियों को बुलाने के लिए ज्यादा मजदूरी और अच्छी वर्क कंडीशन का वादा किया है। चीन में फॉक्सकॉन की स्थिति एपल के लिए वॉर्निंग की तरह है। ये एपल को याद दिला रहा है वो चीन पर निर्भर नहीं रह सकता। चीन की इस फैक्ट्री में हर मिनट लगभग 350 आईफोन का उत्पादन किया जा सकता है। झेंग्झौ में फॉक्सकॉन की फैसिलिटी 2.2 वर्ग मील में फैली हुई है और इसमें 3,50,000 कर्मचारी काम कर सकते हैं।

बजट में एमएसपी से कम लागत वाले उत्पादों के आयात पर प्रतिबंधलगा सकती है सरकार

नई दिल्ली।

सरकार 2023-24 के आम बजट में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम लागत वाले उत्पादों के आयात पर रोक लगा सकती है।बजट पूर्व बैठकों के दूसरे दिन मंगलवार को किसान संगठनों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर एमएसपी से कम लागत वाले उत्पादों के आयात पर रोक लगाने का सुझाव दिया। इस दौरान संगठनों ने सरकार से गेहूं और अन्य कृषि वस्तुओं पर निर्यात प्रतिबंध हटाने का सुझाव दिया। कहा, सरकार को पाम तेल के बजाय सोयाबीन, सरसों, मूंगफली व सूरजमुखी जैसे स्थानीय तिलहनों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर उच्च कर लगाया जाना चाहिए।

निर्यात पर प्रतिबंधसे आय पर पड़ रहा असर – भारत कृषक समाज के अध्यक्ष अजय वीर जाखड़ ने कहा, कृषि क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और किसानों की कमाई बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। वहीं, कंसोर्टियम ऑफ इंडियन फार्मर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रघुनाथ दादा पाटिल ने कहा, गेहूं व टूटे चावल जैसे कृषि उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध के कारण किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

ग्रामीण विकास के लिए मिल सकता है 18 फीसदी ज्यादा फंड – सरकार चालू वित्त वर्ष के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय का आवंटन 18 फीसदी बढ़ाकर 1.60 लाख करोड़ रुपये कर सकती है।सूत्रों ने यह जानकारी दी।2022-23 में तमाम योजनाओं के लिए 1.36 लाख करोड़ का आवंटन किया गया था। हालांकि, ग्रामीण इलाकों में तनाव बढ़ने से मनरेगा की मांग में तेजी आई है। अतिरिक्त रकम का उपयोग रोजगार बढ़ाने और सस्ते घरों की योजना को रफ्तार देने पर होगा। अतिरिक्त फंड के लिए सरकार शीतकालीन सत्र में मंजूरी मांग सकती है।

2047 तक भारत दुनिया की टॉप तीन इकोनॉमी में एक होगी, अंबानी बोले- अभूतपूर्व अवसर उपलब्ध होंगे

नई दिल्ली ।

भारत आर्थिक विकास और अवसरों में अभूतपूर्व वृद्धि का गवाह बनेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से वर्ष भारत 2047 तक 40 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी। यह दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगी। ये बातें रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी ने पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान कही है। मंगलवार को पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी (पीडीईयू) के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि आने वाले दशकों में भारत के विकास को तीन क्रांतिकारी

क्रांतियां नियंत्रित करेंगी इनमें स्वच्छ ऊर्जा क्रांति, जैव-ऊर्जा क्रांति और डिजिटल क्रांति शामिल हैं। भारत के भविष्य के नेताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राष्ट्र वैश्विक स्वच्छ और हरित ऊर्जा क्रांति का नेतृत्व करे। इस मिशन में सफलता प्राप्त करने के लिए 3 मंत्र हैं थिंक बिग...थिंक ग्रीन...और थिंक डिजिटल। अपने वक्तव्य के दौरान मुकेश अंबानी भारतीय अर्थव्यवस्था के भविष्य को लेकर बहुत आशान्वित दिखे। अंबानी ने टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को समाज और युवाओं के लिए सच्ची प्रेरणा बताया रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने टाटा समूह के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन को व्यवसाय के क्षेत्र में समाज और देश के युवाओं के लिए सच्ची प्रेरणा कहा है। मंगलवार को गांधीनगर में पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी (पीडीईयू) के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, अंबानी ने टाटा समूह के अध्यक्ष के लिए प्रशंसा की वे चंद्रशेखरन इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। वह (चंद्रशेखरन) व्यापार के अवसर और भारत के युवाओं के लिए एक सच्ची प्रेरणा हैं। आरआईएल प्रमुख ने कहा, दृष्टि दृढ़ विश्वास और समृद्ध व्यावहारिक अनुभव से उन्होंने हाल के वर्षों में भविष्य के लिए टाटा समूह की शानदार वृद्धि की पटकथा लिखी है।

जोमैटो ने एलन मस्क का उड़ाया मजाक: बताई मस्क के ट्विटर टेकओवर से पहले और अब की स्थिति

नई दिल्ली।

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की ट्विटर को संभालने के उनके तरीके को लेकर काफी आलोचना हो रही है। लगातार छंटनी से लेकर सस्पेंडेड अकाउंट की बहाली पर कई लोग मस्क पर सवाल उठा रहे हैं। इसके साथ ही मस्क को सोशल मीडिया पर ट्रोल भी किया जा रहा है। फूड डिलीवरी कंपनी, जोमैटो भी अब इसमें कूद गई है।

जोमैटो ने मीम शेयर किया – जोमैटो ने ट्विटर की मौजूदा स्थिति पर एक मीम पोस्ट किया। कंपनी ने स्पेगेटी की दो तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर बिना पकी स्पेगेटी की है जिसके साथ लिखा है ट्विटर बिफोर एलन मस्क यानी मस्क के टेकओवर से पहले ट्विटर की स्थिति। दूसरी तस्वीर में स्पेगेटी उलझी हुई तारों की तरह नजर आ रही है। इसके साथ लिखा है ट्विटर आफ्टर एलन मस्क जो मस्क के अधिग्रहण के बाद ट्विटर की स्थिति दिखा रहा है।

टाइटल में नमस्ते इमोजी – पोस्ट को नमस्ते टाइटल और इमोजी के साथ शेयर किया गया है। इस इमोजी के जरिए भी मस्क पर कटाक्ष किया गया है। दरअसल, एक दिन पहले मस्क ने अपने आलोचकों को जवाब देते हुए उनसे अन्य

प्लेटफॉर्म पर बने रहने का आग्रह किया था। उन्होंने इसके साथ नमस्ते इमोजी भी बनाया था। मस्क ने कहा था, उम्मीद करता हूं कि सभी आलोचक और हॉल मॉनिटर दूसरे प्लेटफॉर्म पर ही रहें, प्लीज मैं हाथ जोड़कर निवेदन कर रहा हूं।

सैकड़ों लोगों ने रिएक्ट किया – जौमेटो का यह पोस्ट अब काफी वायरल हो रहा है। इस पोस्ट को देखने के बाद सैकड़ों लोगों ने कमेंट बॉक्स में रिएक्ट किया। एक यूजर ने लिखा, गजब पोस्ट है यार, लोगों को आसानी से समझाने वाला। वहीं एक यूजर ने प्लेट में मैगी की फोटो शेयर करते हुए लिखा, मस्क के रिटायरमेंट के बाद ट्विटर। एक अन्य यूजर ने लिखा, एलन मस्क के बाद ट्विटर टेस्टी हो गया है।

50प्रतिशत से ज्यादा कर्मचारियों को निकाला – एलन मस्क ट्विटर के 7,500 एम्प्लॉइज में से 50प्रतिशत से ज्यादा कर्मचारियों को निकाल चुके हैं। इसके बाद उन्होंने बचे हुए एम्पलॉइज को कंपनी में बने रहने के लिए अल्टीमेटम देते हुए ईमेल किया था। एम्पलॉइज को भेजे एक ईमेल में मस्क ने लिखा था, कर्मचारियों को एक सफल ट्विटर 2.0 बनाने के लिए बहुत परिश्रमी होने की जरूरत होगी। साथ ही सफलता के लिए देर तक काम और उच्च क्षमता दिखानी होगी।

ईमेल में कहा गया था कि जो भी एम्पलॉइज कंपनी का हिस्सा बने रहना चाहते हैं वो ईमेल में दिए गए लिंक पर 'हां' में क्लिक करें। जिस किसी ने ऐसा नहीं किया, उसे निकाले जाने का तीन महीने का नोटिस मिलेगा। आप जो भी निर्णय लें, ट्विटर को सफल बनाने के आपके प्रयासों के लिए धन्यवाद। इस ईमेल के बाद काफी सारे एमप्लॉइज ने इस्तीफा दे दिया था।

डोनाल्ड ट्रंप का अकाउंट बहाल – एलन मस्क ने हाल ही में ट्रंप के अकाउंट को बहाल करने पर एक ट्विटर पोल पोस्ट किया था। उन्होंने पूछा था, क्या प्रेसिडेंट ट्रंप का अकाउंट बहाल किया जाना चाहिए। हां या ना। 1.5 करोड़ से ज्यादा यूजर्स ने वोटिंग में हिस्सा लिया और 52प्रतिशत लोगों ने हां में जवाब दिया और 48प्रतिशत ने ना में। पोल खत्म होने के बाद ट्विटर बॉस ने अकाउंट बहाल कर दिया था। कई यूजर्स इसे गलत बताया था।

एलन मस्क ने कुछ दिन पहले ही बताया था कि ट्विटर पर ब्लू टिक, यानी वेरिफाइड अकाउंट्स के लिए यूजर को अब हर महीने 8 डॉलर (करीब 660 रुपए) देने होंगे। यह चार्ज सभी देशों में अलग-अलग होगा। 27 अक्टूबर को ट्विटर खरीदने के पांच दिन बाद मंगलवार रात को एलन मस्क ने इसका ऐलान किया था। हालांकि फेक अकाउंट की बढ़ती संख्या के कारण अभी इस सर्विस को होल्ड पर रखा गया है।

'चुप' में अब तक का सबसे प्रयोगात्मक रोल

- एक सीरियल किलर की भूमिका में है दुलकर सलमान

मुंबई (ईएमएस) । सीरियल किलर की भूमिका निभाने वाले मलयालम स्टार दुलकर सलमान ने फिल्म 'चुपः रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट' में उनकी भूमिका को उनके लिए अब तक का सबसे प्रयोगात्मक बताया है। यह फिल्म मनोवैज्ञानिक अपराध थ्रिलर है। इसमें विकृत दिमाग वाले शख्स की कहानी है।

फिल्म, जो दिवंगत निर्देशक गुरुदत्त की फिल्म 'कागज के फूल' को श्रद्धांजलि देती है, जिसे आलोचकों द्वारा गंभीर रूप से प्रतिबंधित किया गया था, एक कलाकार की कहानी बताती है, जो लगातार आलोचनाओं के बाद हत्या की होड़ में चला जाता है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, दुलकर सलमान ने कहा, "सीरियल किलर डैनी की भूमिका निभाना अब तक की सबसे प्रयोगात्मक भूमिका रही है। एक अपराधी के दिमाग की हर परत, इस प्रक्रिया में दर्शकों की मानसिकता और नैतिकता को चुनौती देती है। 'चुपः रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट' आपका सामान्य जासूसी नाटक नहीं है। अथक और दिल को थामने वाला थ्रिलर आपकी उम्मीदों को बढ़ाएगा।"'चुपः रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट' शानदार प्रदर्शन और उत्तेजक सिनेमैटोग्राफी द्वारा समर्थित एक अनूठी कहानी है, जो दर्शकों को उनकी सीट के किनारे पर छोड़ देगी। फिल्म 25 नवंबर को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में ओटीटी प्रीमियर जी5 के लिए तैयार है। सनी देओल ने कहा, "आईजी अरविंद माथुर का किरदार निभाना एक शानदार अनुभव था। यह एक पहेली को सुलझाने जैसा था। फिल्म जी5 पर 5 अलग-अलग भाषाओं में उपलब्ध होगी और ज्यादा खुलासा किए बिना मैं दर्शकों से फिल्म देखने का आग्रह करता हूं।" अमित त्रिवेदी और स्नेहा खानवलकर की मधुर धुनों के साथ और एस.डी. पृष्ठभूमि में बर्मन के गीत, चुपः कलाकार का बदला मीडिया की गलाकाट दुनिया को दशार्ता है।

फिल्म में पूजा भट्ट और सरन्या पोनवन्नन भी सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगी और अमिताभ बच्चन भी एक विशेष कैमियो में नजर आएंगे। बता दें कि फिल्म का निर्देशन आर. बाल्की ने किया है, जिन्हें 'चीनी कम', 'पा', 'शमिताभ' और 'पैडमैन' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

'खाकीः द बिहार चैप्टर' में माफिया-आईपीएस के संघर्ष की कहानी

-बिहार से विशेष कहानी चुनने को लेकर भी किया खुलासा

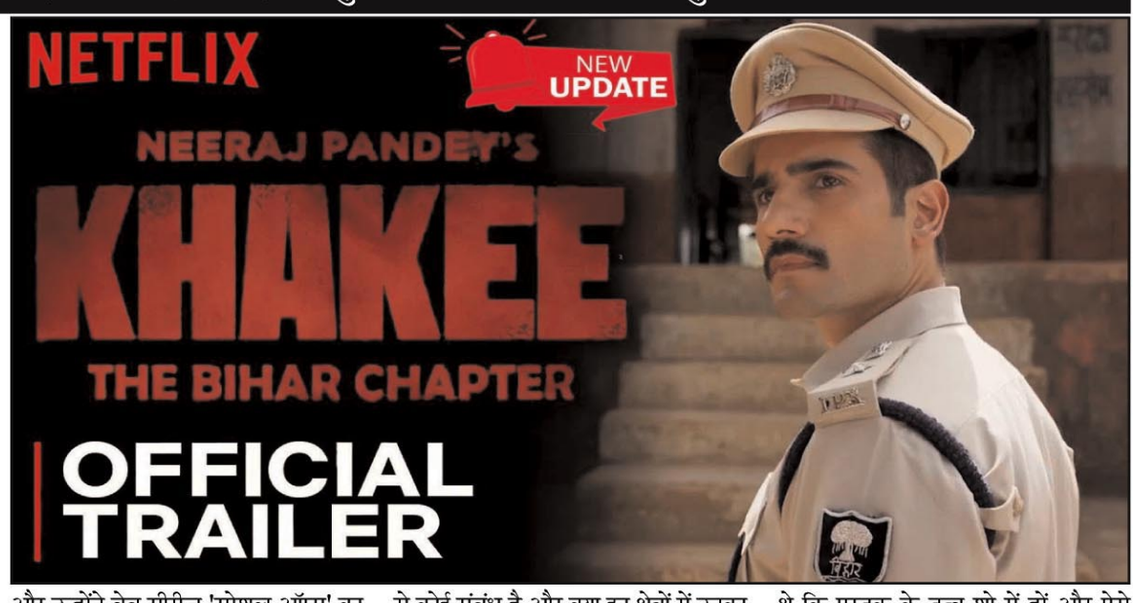

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म निमार्ता नीरज पांडे ने अपनी आगामी श्रृंखला 'खाकीः द बिहार चैप्टर' के बारे में बताया कि उन्होंने बिहार से विशेष कहानी क्यों चुनी। यह फिल्म 2004 में आईपीएस अधिकारी अमित लोढ़ा और एक स्थानीय माफिया, चंदन के बीच संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है। इसको लेकर उन्होंने बताया, "जब मैं पहली बार अमित से मिला, तो मुझे यह अविश्वसनीय लगा कि एक आईआईटीयन है जो यूपीएससी के लिए उपस्थित होना चाहता था, इसे क्रैक किया और फिर आईपीएस को चुना। वह मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला था लेकिन उसे बिहार कैडर दिया गया था। उसकी पूरी यात्रा, जो पटना में शुरू हुई, और इस अपराधी के साथ उसका सामना कहानी का मूल है।" यह एक ऐसी कहानी है जो बहुत ही अजीब है क्योंकि यह एक लड़का है जो एक बाहरी व्यक्ति है लेकिन उसे किसी ऐसी चीज से लड़ना है जो बहुत ही स्थानीय और मजबूत है। जब हम शो के लेखन से जुड़े, तो हम समझ गए कि शो का टोन क्या है। नीरज ने 'ए वेडनसडे' के साथ अपने निर्देशन की शुरूआत की, और बाद में 'स्पेशल 26', 'बेबी', 'एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' और उन्होंने वेब सीरीज 'स्पेशल ऑप्स' का निर्देशन भी किया था।नीरज द्वारा रचित और भाव धूलिया द्वारा निर्देशित, 'खाकीः द बिहार चैप्टर' अमित लोढ़ा की किताब 'बिहार डायरीज' पर आधारित है।अक्सर देखा जाता है कि जब भी हम बिहार और यूपी की बात करते हैं तो 'बाहुबली' का ही ख्याल आता है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनका लोगों से कोई संबंध है और क्या इन क्षेत्रों में उनका अत्यधिक प्रभाव है और इसीलिए उन्हें वेब सीरीज, टीवी शो या फिल्मों में प्रमुखता मिलती है। नीरज का कहना हैं कि सीरीज बनाने के पीछे उनकी जो धारणा थी, वह बिल्कुल नहीं थी। "हमारे पास यह दृष्टिकोण बिल्कुल नहीं था। पुस्तक इस मामले में प्राथमिक स्रोत है। इसलिए, हम बहुत स्पष्ट थे कि पुस्तक के तत्व शो में हों और ऐसे तत्व जो अमित पुस्तक में नहीं डाल सकते थे। लेकिन हमें विश्वास था कि हम शो का मूल बनने जा रहे हैं। हमें विश्वास नहीं है कि इस तरह के अनुकूलन से मदद मिलती है। अच्छे शो इधर-उधर के तत्वों को उठाकर काम नहीं करते। हमें पात्र और कहानी का स्थान के प्रति सच्चा रहना होगा।"

'अकेले बॉलीवुड को बचा रहीं है तब्बू': कंगना

-कंगना ने तब्बू को बताया सुपरस्टार

मुंबई (ईएमएस)। पंगा क्वीन के नाम से मशहूर एक्ट्रेस कंगना रनौत ने तब्बू की जमकर सराहना की। उन्हें अकेले ही हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को बचाने की वजह से सुपरस्टार कहा है। कंगना ने कहा कि यह तारीफ की बात है कि तब्बू अपने चरम पर पहुंच गई हैं और उनका स्टारडम 50 साल की उम्र के बाद आया है। कंगना ने 52 साल की तब्बू का बेहतरीन दिखने के लिए तारीफ की। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, इस साल केवल दो हिंदी फिल्मों ने कमाल दिखाया है भूल भुलैया 2 और दृश्यम 2। दोनों फिल्मों में सुपरस्टार तब्बू जी लीड रोल में हैं, जो अपनी 50 की उम्र में कमाल कर रही हैं और अकेले ही हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को बचा रही हैं। उनकी प्रतिभा और निरंतरता पर कभी सवाल नहीं उठाया गया, लेकिन उनका बेहतरीन दिखना और पचास की उम्र में स्टारडम पर पहुंचना तारीफ की बात है। कंगना रनौत ने तब्बू को एक प्रेरणा बताया और आगे लिखा, मुझे लगता है कि महिलाएं अपने काम के प्रति अटूट समर्पण के लिए बहुत ज्यादा श्रेय की पात्र हैं और एक प्रेरणा हैं। तब्बू दृश्यम 2 में नजर आ रही हैं, जो 18 नवंबर को रिलीज हुई थी। दृश्यम 2 साल 2022 में दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग पाने वाली फिल्म बन गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दृश्यम 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के पहले दिन 15,38 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन 21.59 करोड़ रुपये का कारोबार किया। कंगना ने इंस्टाग्राम पर कहा कि तब्बू केवल दो बॉलीवुड फिल्मों भूल भुलैया 2 और दृश्यम 2 का हिस्सा थीं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया।

विक्की को शो से डर पर काबू पाने का मौका मिला

अभिनेता विक्की कौशल ने बताया कि उन्हें हाइब्रिड सर्वाइवल शो 'इनटू द वाइल्ड विद बेयर ग्रिल्स' के साथ अपने डर पर काबू पाने का मौका मिला। विक्की आजकल बायोपिक 'सैम बहादुर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। विक्की कौशल की विशेषता वाला शो अब अपने टेलीविजन प्रीमियर की ओर अग्रसर है। इसमें देखा जाएगा कि कैसे अभिनेता को जंगल में घूमते हुए, साहसी मेजबान, बेयर ग्रिल्स के साथ खतरनाक समुद्र को पार करते हुए जीवित रहने और सभ्यता में वापस लौटते हैं। अभिनेता ने आगे कहा, "यह यात्रा मेरे जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ का भी प्रतिनिधित्व करती है क्योंकि इसने मुझे अपने कई फोबिया का सामना करने और उससे उबरने की अनुमति दी है। आपके नीचे एक ठोस सतह के बिना समुद्र के बीच में तैरने की कल्पना करना मुश्किल है। लेकिन बेयर की निरंतर प्रेरणा और ध्ढ़ता ने मुझे इस पर जीत हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।"

शो के बारे में बात करते हुए, विक्की ने कहा, "जाने-माने खोजकर्ता बेयर ग्रिल्स के साथ इस अस्तित्व की यात्रा पर जाना एक जबरदस्त अनुभव था। उनके बिना, मैं इस विशाल महासागर में तैरने के बारे में अपनी आशंका को दूर नहीं कर पाता।"

सिजलिंग अवतार में खूबसूरत दिखाई दीं जाह्नवी

-रिसेन्ट लुक के फोटोशूट की कुछ तस्वीरें साझा की

मुंबई (ईएमएस)। बोनी कपूर की बेटी और एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने रिसेन्ट लुक के फोटोशूट की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह बलां की खूबसूरत दिखाई दीं। बता दें कि जाह्नवी अक्सर ही अपने ग्लैमरस लुक्स में कहर ढाती हुई दिखाई देती हैं और उनकी तस्वीरें मिनटों में वायरल हो जाती हैं। अपनी किलर लुक्स को लेकर हमेशा चचाओं में रहने वाली इस हसीना ने हमेशा की तरह इस बार भी अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों में अपनी खूबसूरती से कहर ढाने का काम कर रही हैं। सामने आई तस्वीरों में जाह्नवी ने क्रीम कलर की थाई हाई स्लिट ड्रेस में बेहद बोल्ड नजर आ रही हैं। फोटो में उनका मेकअप भी काफी शानदार लग रहा है। बालों में बन बनाए, और पैरों में मैचिंग फुटवियर पहने उन्होंने अपना लुक पूरा किया है। स्मोकी आई मेकअप, होठों पर लगा पिंक न्यूड लिपस्टिक उनकी खूबसूरती पर चार चांद लगा दी है। जाह्नवी अपनी ग्लैसरस फोटो को फैंस को शेयर करते हुए दुबई को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ' इतनी मजेदार रात के लिए दुबई को धन्यवाद'। बता दें कि जान्हवी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्मों के साथ अपनी फैशन आइकन के लिए खबरों में छाई हुई हैं। हाल ही में अदाकारा ने फिल्म फेयर 2022 के अवार्ड फंक्शन में शामिल होकर सभी का दिल जीत लिया था।

नागा शौर्य ने अनुषा शेट्टी के साथ रचाई शादी

लोकप्रिय तेलुगू अभिनेता नागा शौर्य ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लांग टाइम गर्लफ्रेंड और इंटीरियर डिजाइनर अनुषा एन शेट्टी को मंगलसूत्र बांधते हुए एक तस्वीर साझा की है। तेलुगू अभिनेता नागा शौर्य बीते रविवार को बेंगलुरु के एक होटल में एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंध गए। सोशल मीडिया पर दोनों की प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन और शादी समारोह की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। तस्वीर में कपल शादी के पारंपरिक परिधान में बेहद खूबसूरत लग रहा है। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा है इंट्रोड्यूसिंग माय लाइफटाइम रिस्पॉन्सिबिलिटी। जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, उनके प्रशंसकों और दोस्तों से युगल के लिए बधाई संदेशों का तांता लग गया। उनका प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन 19 नवंबर को हुआ, जिसमें मेहंदी सेरेमनी और कॉकटेल पार्टी शामिल थी। तस्वीरों में नागा को नीले रंग का कुर्ता पहना हुआ देखा जा सकता है, जबकि अनुषा ने फूलों की कढ़ाई वाला लहंगा पहना था। शादी समारोह के लिए उन्होंने धोती के साथ सफेद कुर्ता पहना था और अनुषा को ट्रेडिशनल स्टाइल में गोल्डन कढ़ाई वाली साड़ी, हैवी ज्वेलरी और बालों में गजरा पहने देखा जा सकता है। वे फिल्मोद्योग के मित्रों और परिवार के सदस्यों के लिए एक रिसेप्शन का आयोजन करेंगे।

सबा आजाद के साथ रहने की खबरों को ऋतिक ने किया खंडन

बालीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन ने अपनी कथित प्रेमिका सबा आजाद के साथ रहने की अफवाहों को खारिज किया है। दरअसल रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ऋतिक और उनकी पार्टनर सबा जल्द ही एक साथ रहने' वाले हैं। रिपोर्ट में कहा कि वे यहां 'मन्नत' नामक एक इमारत में एक अपार्टमेंट में एक साथ रहने की योजना बना रहे थे। हालांकि, ऋतिक ने अफवाह का खंडन करने के लिए कहा, इसमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा, एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में, मैं समझता हूं, कि मैं जिज्ञासा के दायरे में रहूंगा, लेकिन यह सबसे अच्छा है अगर हम गलत सूचनाओं को दूर रखें, खास-ाकर हमारे रिपोर्ट में, जो एक जिम्मेदारी का काम है।

बॉलीवुड की युवा अभिनेत्री अलाया एफ फ्रेडी के अपने सह-कलाकार अभिनेता कार्तिक आर्यन से वास्तव में प्रभावित हैं, क्योंकि अलाया कहना है कि वह बहुत मेहनती हैं और यह उनके लिए एक उच्च मानदंड स्थापित करता है। कार्तिक-अभिनीत 'फ्रेडी' की कहानी एक शमीर्ले, अकेले और सामाजिक रूप से अजीब व्यक्ति डॉ. फ्रेडी गिनवाला की यात्रा के बारे में है, जो अपने लघु विमानों के साथ खेलना पसंद करता है और उसका एकमात्र दोस्त उसका पालतू कछुआ 'हार्डी' है। यह असामान्य ट्विस्ट, टर्न और भावनाओं की अराजकता से भरी है। अलाया ने कहा, कार्तिक के साथ काम करना न केवल समग्र रूप से एक अद्भुत अनुभव था, बल्कि मुझे लगता है कि मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। वह अपनी फिल्मों के लिए इतनी ऊर्जा और उत्साह रखते हैं।"उन्होंने कहा, "वह इतने प्रेरित और इतने मेहनती हैं कि यह वास्तव में एक उच्च बेंचमार्क सेट करता है। उन्हें काम करते हुए और उनके साथ काम करते हुए देखकर मेरे मूल विश्वास की पुष्टि हुई, कि यदि आप अपने काम के प्रति जुनूनी हैं और यदि आप लगातार कड़ी मेहनत करते हैं, तब कुछ भी नहीं रोक सकता है।

अलाया ने कार्तिक को बताया मेहनती कलाकार

सूडोकु नवताल- 6261

★★★☆☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6260 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्दजाल - 7008

र	क	ल	ड्री	च	र	स	धी	सी	ल	अ
च	शो	ल	दे	क्रां	ति	ड	इं	ता	ट	नु
ला	स	ले	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	अ	रो
मु	ज	ज	सु	चु	र	रा	प	र	ना	ध
रा	फ	दो	ग	ल्ला	प	ज	तू	गी	मि	र्नि
री	क	की	प	ह	न	के	ना	ता	का	ग
ही	अ	स	रा	या	प	अ	चु	ज	ला	ट्रे
रो	ता	दा	ई	ह	ब	भि	फ	प	श	न
ब	बा	छ	लि	या	मा	मा	ल	व	के	न
न	ला	म	लि	प	न	न	शा	स्त्री	ता	ने
ने	जी	व	अ	चा	न	क	शा	त	र	इ

शब्दजाल में 'असरानी'की10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

अभिमान,अचानक,छलिया,चुपके-चुपके, चरस,फकीरा,शोले,अनुरोध,चला मुरारी हीरो बनने,अनामिका

शब्दजाल - 7007 का हल

आ	ल	र	ही	दा	उ	प	का	र	झ	आ
ज	द	ल	र	आ	क	ह	ब्ब	तें	शा	रा
अं	इ	मी	रां	ल	दा	ल	न	र	ला	म
जं	कु	अ	झा	बे	ला	क	सी	रि	श	औ
जी	ति	श	ने	व	द	स	ब	ग	वी	र
र	रं	गं	गा	की	सौ	गं	ध	ती	प	श्या
जो	गा	ध	र्मा	गा	प	म	र	कौ	या	म
श	बा	जीं	स	त	क	छ	श	रा	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	म	रा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	बी	ना
थो	कु	र्बा	नी	र	हो	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5961

		4	6		1	2
2	33		36		27	5
7		5		3		
	42		25	1	22	6
	6			2		4
6	36		32		34	
1		3	4	5		7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5960 का हल

3	7	6	1	2	4	5
2	33	1	23	6	33	6
5	7	2	4	1	6	3
4	40	4	27	4	24	4
7	6	5	4	3	2	1
6	37	7	38	7	33	2
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

टी-20 वर्ल्ड कप का फॉर्मेट बदलेगा : पहले राउंड में 4, फिर सुपर-8 में 2 ग्रुप बनेंगे

दुबई।

अगला टी-20 वर्ल्ड कप नए फॉर्मेट के साथ खेला जाएगा। दुनिया में क्रिकेट को संचालित करने वाली संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 2024 में होने वाले इस टूर्नामेंट के फॉर्मेट में बदलाव किया है। अहम बात यह है कि वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले जाने वाले टी-20 के सबसे बड़े टूर्नामेंट में 20 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। इसके मैच अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले जाएंगे।

पहले बात कर लेते हैं मौजूदा फॉर्मेट की

कुछ दिन पहले ऑस्ट्रेलिया में खेला गया टी-20 वर्ल्ड कप लीग कम नॉकआउट फॉर्मेट में खेला गया था। इसमें सबसे पहले क्वालिफाइंग राउंड खेला गया था। दो ग्रुप के क्वालिफाइंग राउंड से चार टीमों ने सुपर-12 के लिए क्वालिफाई किया, जहां 8 टीमें पहले से मौजूद थीं। सुपर-12 में 6-6 टीमों के दो ग्रुप थे। दोनों ग्रुप से दो-दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंची और इन मैचों की विजेता टीमों ने फाइनल मैच खेला।

क्या टीमें की संख्या बढ़ी है

हां, अगले वर्ल्ड कप में 20 टीमें हिस्सा लेने जा रही है। अब तक 16 टीमें ही वर्ल्ड कप खेलती थीं। इनमें से 8 सीधे सुपर लीग राउंड में प्रवेश करती थीं। शेष 4 टीमें पहले राउंड से क्वालिफाई करके आती थीं।

नया फॉर्मेट क्या होगा

अब 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा। यानी कि हर ग्रुप में 5 टीमें। हर ग्रुप से टॉप-2 टीमें सुपर-8 राउंड में प्रवेश करेंगी। इन आठ टीमों को दो सुपर लीग डिवीजन में बांटा जाएगा। हर डिवीजन में चार टीमें। ये सभी आपस में तीन-तीन लीग मैच खेलेंगी। यहां से हर डिवीजन की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल राउंड में जाएंगी और सेमीफाइनल जीतने वाली टीम फाइनल खेलेगी।

अब तक 12 टीमें क्वालिफाई कर चुकी हैं। इनमें बीते दिनों खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप की टॉप-8 टीमें सीधे क्वालिफाई कर गई हैं। वेस्टइंडीज और अमेरिका को बतौर मेजबान डायरेक्ट एंट्री मिली है। इसके अलावा दो अन्य टीमें रैंकिंग के आधार पर आई हैं। शेष 8 टीमें क्वालिफायर टूर्नामेंट के जरिए आएंगी। अगले ग्राफिक में देखिए कौन-कौन सी टीमें कैसे क्वालिफाई हुई हैं।

शेष-8 स्पॉट का क्वालिफिकेशन कैसे होगा

बचे हुए आठ कोटे के लिए क्वालिफिकेशन रीजनल प्ले से होगा। आईसीसी ने कहा- साउथ अफ्रीका ने कोटा हासिल करने की मजबूत दावेदारी पेश की है। जबकि जिम्बाब्वे दावेदारी में कमजोर रहा है। ऐसे में दोनों को रीजनल क्वालिफिकेशन के लिए भेजे गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

युवा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में सात भारतीयों ने पदक किए पक्के

नई दिल्ली। मौजूदा युवा एशियाई चैंपियन रवीना, विश्वनाथ सुरेश और वंशज उन सात भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने स्पेन के ला नुसिया में चल रही विश्व युवा पुरुष एवं महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक पक्के किए। अंतिम चार में जगह बनाने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ियों में भावना शर्मा (48 किग्रा), कुंजारानी देवी थोंगम (60 किग्रा), लशु यादव (70 किग्रा) और आशीष (54 किग्रा) शामिल हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए भारत की चार महिला खिलाड़ियों ने क्वार्टर फाइनल में अपने मुकाबले 5-0 के समान अंतर से जीते। रवीना ने जहां 63 किग्रा मुकाबले में रोमानिया की एलेक्जेंड्रा क्रेटू को हराया, वहीं भावना ने वेनेजुएला की एविमिर ब्रिटो को, कुंजारानी ने कजाकिस्तान की एगेरिम कबदोल्डा को और लशू ने मैक्सिको की गुजेट हर्नांडेज का शिकस्त दी। भारतीय महिला खिलाड़ियों में केवल ग्रिविया देवी हुइड्रोम (54 किग्रा) को ही हार का सामना करना पड़ा। भारत के पांच पुरुष मुक्केबाजों में से तीन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। विश्वनाथ (48 किग्रा) और वंशज (63.5 किग्रा) ने क्रमशः आस्ट्रेलिया के जे केर और किर्गिस्तान के उमर लिवाजा पर सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की। आशीष ने स्काटलैंड के आरोन कुलेन 4-3 हराया। इस मुकाबले की समीक्षा की गई जिसके बाद भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में फैसला सुनाया गया। जेरेमी लालरिनुंगा चोटिल होने के कारण अगले महीने होने वाली 2022 भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाएंगे जिसमें भारत की चार सदस्यीय टीम की अगुआई ओलिंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू करेंगी।

टी-20 रैंकिंग में सूर्या नंबर-1 पर कायमः ताजा रैंकिंग में करियर बेस्ट 890 पॉइंट्स, विराट को दो स्थान का नुकसान

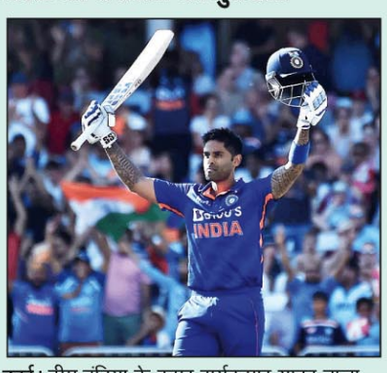

दुबई। टीम इंडिया के स्टार सूर्यकुमार यादव ताजा आईसीसी रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज बने हुए हैं। वे पिछले हफ्ते भी टॉप पर थे। इस बार उनके रेटिंग अंकों में इजाफा हुआ है। सूर्या के 890 रेटिंग पॉइंट्स हैं। पिछले सप्ताह उनके 859 पॉइंट्स थे। विराट कोहली को दो स्थान का नुकसान हुआ है। उनकी रैंकिंग के बारे में आगे जानेंगे। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान 836 रेटिंग पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग श्रीलंका के वानिंदु हसारंगा नंबर-1 पर हैं। बांग्लादेश के शाकिब अल हसन दुनिया के नंबर-1 ऑलराउंडर हैं। सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाए। 2 मुकाबलों में उनके बल्ले से 124 रन निकले हैं। इसमें एक शतक शामिल है। सर्या ने दूसरे टी-20 मुकाबले में शतकीय पारी खेली थी। यह उनके करियर का दूसरा शतक था।

फ्रांस की स्टेफनी ने रचा इतिहास, पुरुषों के विश्वकप में बनीं पहली महिला रेफरी

दोहा। फ्रांस की रेफरी स्टेफनी फ्रेपर्ट पुरुषों के फीफा विश्वकप में दायित्व संभालने वालीं पहली महिला अधिकारी बन गईं। उन्होंने मेक्सिको और पोलैंड के बीच हुए ग्रुप सी मुकाबले में चौथे अधिकारी के रूप में दायित्व संभाला। पुरुषों के फीफा विश्वकप में पहली बार तीन महिला रेफरियों को शामिल किया गया है। दो अन्य रवांडा की सलीमा मुकानसांगा और जापान की यामाशिता हैं। कतर में हो रहे फीफा विश्व कप 2022 के लिए कुल 36 रेफरी चुने गए हैं। इनमें तीन महिला रेफरी शामिल हैं। इसके अलावा 69 असिस्टेंट रेफरी भी चुने गए हैं, जिसमें ब्राजील की नुजा बैक, मैक्सिको की करेन डियाज मदीना और अमेरिकी कैथरीन नेरिबटा शामिल हैं।

बेझिझक चले आइये पहाड़ों पर ट्रैकिंग करने...मुसीबत में फंसे तो एटीओए है न, मिनटों में पहुंचेगी मदद

मनाली।

साहिसक पर्यटन हिमाचल प्रदेश की रीढ़ है। हर साल लाखों पर्यटक प्रदेश के पहाड़ों में कदमताल करने तथा अन्य साहसिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए रुख करते हैं। ऐसे में इन पर्यटकों की सुरक्षा भी बहुत जरूरी है। सरकार तो अपने स्तर पर प्रयास करती ही है, प्रदेश में एडवेंचर टूअर आपरेटर एसोसिएशन (एटीओए) कुल्लू-मनाली एक ऐसी एसोसिएशन भी है जो अपने दम पर आधुनिक उपकरणों के साथ रेस्क्यू में भूमिका निभाती है। इस एसोसिएशन की रेस्क्यू टीम है जो घटना की जानकारी मिलने के कुछ मिनटों बाद ही घटनास्थल की ओर रवाना हो जाती है। हालांकि एसोसिएशन के पास सभी उपकरण नहीं हैं, फिर भी दुर्घटना के समय एसोसिएशन के सभी सदस्य अपने-अपने उपकरण रेस्क्यू टीम को देते हैं। प्रशासन को भी इस एसोसिएशन का बहुत सहारा रहता है।

इस साल 15 से अधिक अभियान चलाए

एसोसिएशन में जिला कुल्लू में 70 से अधिक सदस्य हैं। इन सदस्यों ने अपने बूते रेस्क्यू के लिए आधुनिक उपकरण जुटाए हैं। इन सभी सदस्यों ने अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण संस्थान से एडवांस, बेसिक एमओआइ कोर्स किए हैं। एसोसिएशन के सदस्य समय-समय पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण संस्थान हनिफेल के साथ मिलकर प्रशिक्षण शिविर आयोजित करते हैं। एसोसिएशन 2017 से अब तक 45 से अधिक रेस्क्यू अभियान को अंजाम दे चुकी है। इस साल 15 रेस्क्यू अभियान चलाकर प्रशासन की मदद की है।

मिनटों में घटनास्थल की ओर रवाना हो जाती है टीम

एडवेंचर टूअर आपरेटर एसोसिएशन कुल्लू मनाली के अध्यक्ष रमेश कुमार, सचिव प्रवीण सूद (पिंटू) व उपाध्यक्ष जोगिंद्र ठाकुर ने बताया कि हालात हो देखते हुए सभी आपरेटरों ने 2017 में एसोसिएशन बनाई। एसोसिएशन के गठन करते ही सबसे पहले रेस्क्यू टीम का गठन किया, जिसमें अनुभवी पर्वतारोही शामिल किए। उनकी रेस्क्यू टीम अपने आधुनिक उपकरणों के साथ 24 घंटे तैयार रहती है। फोन आने व घटना की जानकारी मिलने के कुछ ही मिनटों में रेस्क्यू टीम घटनास्थल की ओर निकल पड़ती है।

पंजीकृत ट्रैवल एजेंसी के माध्यम से ही करें ट्रैकिंग

पहाड़ों में ट्रैकिंग करती बार इस बात का ध्यान रखें कि पर्यटन विभाग से पंजीकृत ट्रैवल एजेंसी के द्वारा ही ट्रैकिंग के लिए जाएं और अनुभवी गाइड की सेवा जरूर लें, ताकि आपदा या विपदा आने पर जान से हाथ न धोना पड़े।

एसोसिएशन को कार्यालय के लिए दी जाए जमीन

उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि एसोसिएशन को बाजार के कार्यालय के लिए जगह दी जाए, ताकि एसोसिएशन अपनी रेस्क्यू टीम को मजबूत कर सके जिससे मुसीबत में फंसे अधिक से अधिक लोगों को सुरक्षित किया जा सके।

एडवेंचर टूअर आपरेटर एसोसिएशन कुल्लू मनाली की रेस्क्यू टीम का प्रशासन को बड़ा सहारा रहता है। एसोसिएशन के पास सभी जरूरी आधुनिक उपकरण हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतरोहण के साथ साथ इस एसोसिएशन को ही सम्पर्क करता है। एसोसिएशन की रेस्क्यू टीम सूचना देने के कुछ ही मिनट में घटनास्थल कि ओर रवाना होती है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन को जल्द ही कार्यालय के लिए जगह दी जाएगी।

मैनचेस्टर यूनाइटेड से अलग होने के बाद रोनाल्डो ने लिखा- क्लब-फैंस के लिए प्यार हमेशा रहेगा

मैनचेस्टर।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ क्रिस्टियानो रोनाल्डो का अनुबंध खत्म हो चुका है। रोनाल्डो के साथ उनका अनुबंध तत्काल प्रभाव से खत्म हो चुका है। इसके बाद क्लब की तरफ से जारी बयान में यह भी कहा गया कि इस क्लब के मालिक ग्लेजर फैमिली इसे बेचने के विकल्प पर भी ध्यान दे रहे हैं। रोनाल्डो ने टॉकटीवी पर बातचीत के दौरान कहा था कि क्लब में उन्हें धोखा दिया गया। इसके बाद से ही यह माना जा रहा था कि वह अब इस क्लब के लिए नहीं खेलेंगे और इस पर आधिकारिक मुहर लग गई। इसके बाद रोनाल्डो ने भी बताया कि आपसी सहमति बनने पर वह मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ अपना अनुबंध खत्म करने पर राजी हुए हैं। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने रोनाल्डो का धन्यवाद किया, जिन्होंने कल्ब के लिए दो कार्यकाल के दौरान 346 मैचों में 145 गोल किए हैं।

साथ ही रोनाल्डो और उनके परिवार को शुभकामनाएं दीं। रोनाल्डो ने अपने ट्वीट में लिखा मैं मैनचेस्टर यूनाइटेड से प्यार करता हूं और मैं फैंस से प्यार करता हूं, जो कभी नहीं बदलेगा। हालांकि, यह मेरे लिए एक नई चुनौती तलाशने का सही समय है। मैं बाकी सीजन और भविष्य के लिए टीम की सफलता की कामना करता हूं। रोनाल्डो ने कहा था कि टीम के मैनेजर टेन हैग उन्हें बाहर करना चाहते हैं और टीम के मालिकों को लेकर उन्होंने कहा था कि ग्लेजर फैमिली को मैदान में कल्ब के प्रदर्शन से ज्यादा पैसे बनाने की फिक्र है। क्लब के मैनेजर एलेक्स फर्ग्यूसन के बाद कई मैनेजर बदले जा चुके हैं, लेकिन 2013 के बाद से यह क्लब प्रीमियर लीग का खिताब नहीं जीत पाया है। इस दौरान क्लब के खराब प्रदर्शन के चलते कई बार विरोध हो चुके हैं।

क्लब के वफादार लोगों और ग्लेजर्स फैमिली के बीच हमेशा से ही अनबन होती रही है। रोनाल्डो ने कथित तौर पर बायर्न म्यूनिख के साथ बातचीत की है। वह अब इस क्लब के लिए खेलते दिख सकते हैं। रोनाल्डो के क्लब से अलग होने पर मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व डिफेंडर रियो फर्डिनेंड ने कहा कि रोनाल्डो और क्लब दोनों को वह मिला जो वे चाहते थे।

कानपुर में तीन साल बाद टूटा ग्रीनपार्क का वनवास, नए साल में मिली घरेलू मैचों की सौगात

कानपुर।

तीन वर्ष बाद ग्रीनपार्क स्टेडियम को घरेलू मैच की सौगात मिलने जा रही है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार यहां कुल चार मैच खेले जाएंगे। दो मुकाबले रणजी तो एक कूच बिहार ट्राफी और सीके नायडू श्रृंखला के होंगे। उप्र क्रिकेट एसोसिएशन यानी यूपीसीए के अधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इन चार दिवसीय मुकाबलों के जरिये यूपीसीए ग्रीनपार्क स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की संभावनाओं की राह तैयार करना चाहेगा। बीसीसीआइ भेजेगा यूपीसीए के मैच स्थलों के नाम: आगामी विश्व कप के लिए बीसीसीआइ हर राज्य के मैदानों पर मैच के आयोजन के लिए मंथन करता है। इस बार भी उप्र के टेस्ट सेंटर ग्रीनपार्क स्टेडियम और लखनऊ के इकाना स्टेडियम का नाम अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए भेजे जाने की योजना है। तीन जनवरी से उप्र बनाम हरियाणा और 10 जनवरी से उप्र बनाम उत्तराखंड के बीच चार दिवसीय रणजी मैच खेले जाएंगे। 22 जनवरी से अंडर-25 कर्नल सीके नायडू ट्राफी में उप्र बनाम असम के बीच मुकाबला होगा। अंडर-19 कूच बिहार ट्राफी का इकलौता मुकाबला 26 नवंबर को उप्र बनाम झारखंड के बीच खेला जाएगा। यह खुशी की बात है कि ग्रीनपार्क में रणजी, कूच बिहार और कर्नल सीके नायडू मैच का आयोजन होगा। लंबे समय से क्रिकेट प्रेमियों का घरेलू मुकाबलों का इंतजार खत्म होगा। ग्रीनपार्क अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मैच के लिए यूपीसीए का प्रमुख केंद्र है।

केरल में ब्राजील-अर्जेंटीना के फैंस के बीच झड़प, वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

नई दिल्ली।

केरल के कोल्लम जिले के शक्तिकुलंगरा इलाके में ब्राजील और अर्जेंटीना टीमों के प्रशंसकों के बीच में जमकर हाथापाई और लात-घूंसे चले। अधिकारियों ने बताया कि रविवार दोपहर शक्तिकुलंगरा ग्रामीण इलाके में घटना की सूचना मिली थी और अज्ञात लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 160 (दंगा करने की सजा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया में वायरल इस हाथापाई के वीडियो में दोनों टीमों के प्रशंसकों के एक समूह को एक रोड शो के दौरान शक्तिकुलंगरा ग्रामीण में आपस में उलझते हुए देखा जा सकता है। पुलिस ने कहा कि यह झगड़ा उस समय शुरू हुआ जब दोनों समूहों का रोड शो शक्तिकुलंगरा इलाके के एक कब्रिस्तान पर पहुंचा। इसके बाद दोनों टीमों के प्रशंसकों के बीच बहस शुरू हो गई और फिर यह हाथापाई तक पहुंच गई। अर्जेंटीना की हार का असर उसकी राजधानी ब्यूनस आयर्स के साथ विश्व के कई शहरों में भी पड़ा। बांग्लादेश के ढाका, भारत के कोलकाता और केरल में प्रशंसक बड़ी स्क्रीन लगाकर इस मैच को देख रहे थे, लेकिन इस बड़े उलटफेर के साथ सभी के चेहरे लटक गए।

पल्लकड़ में फुटबॉल फैंस ने पुलिस पर पथराव किया - फुटबॉल फैंस ने पल्लकड़ में पुलिस कर्मियों पर पथराव किया। इन फैंस के जश्न मनाने की वजह से यातायात में समस्या आ रही थी। जब पुलिस ने फैंस को जश्न मनाने से रोका तो दोनों फैंस और पुलिस के बीच बहस शुरू हो गई। इसके बाद फुटबॉल फैंस ने पुलिस पर पथराव कर दिया। हालात काबू में करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर कर दिया।

पथराव में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस मामले में 22 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि फैंस ने जुलूस निकालने के लिए कोई अनुमति नहीं ली थी। वह बिना किसी अनुमति के भीड़ जुटा रहे थे और संगीत बजा रहे थे। उनकी वजह से सड़क पर जाम लग रहा था और यातायात बाधित हो रहा था।

क्या टी-20 पंत के बस की बात नहीं: न्यूजीलैंड में भी फ्लॉप, 66 मैचों में सिर्फ 3 फिफ्टी

नई दिल्ली।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच नेपियर में खेला गया तीसरा टी-20 मैच टाई रहा। इस नतीजे के साथ ही भारत ने तीन मुकाबलों की सीरीज को 1-0 से अपने नाम कर लिया। 3 मैचों की इस सीरीज का पहला मैच बारिश के चलते रद्द हो गया था। दूसरा मैच भारत ने जीता और तीसरा टाई रहा।

वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से मिली करारी हार के बाद यह जीत सुकून देने वाली है। हालांकि, एक समस्या ऐसी है जो वर्ल्ड कप में भी हमारा सिरदर्द थी और न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई सीरीज में भी इसका कोई समाधान नहीं हुआ।

वास्तव में यह समस्या वर्ल्ड कप से भी पुरानी है और लंबे समय से यह भारतीय क्रिकेट फैंस को फ्रस्ट्रेट कर रही है। इस समस्या का नाम है ऋषभ पंत।

टेस्ट क्रिकेट के मैच विनर पंत टी-20 फॉर्मेट में बिल्कुल भी परफॉर्म नहीं कर पा रहे। इस स्टोरी में हम पंत के अब तक के टी-20 करियर को देखेंगे और यह जानने की कोशिश करेंगे उन्होंने अब तक कैसा परफॉर्मेंस दिया है।

जहां भी खेले फिसड्डी साबित हुए - ऋषभ पंत टी-20 इंटरनेशनल में अब तक 8 देशों में मुकाबले खेल चुके हैं। इनमें से वेस्टइंडीज के अलावा किसी भी देश में औसत प्रभावशाली नहीं है। वेस्टइंडीज में उन्होंने 58 की औसत से 174 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया में उन्होंने 7.25, इंग्लैंड में 13.50, श्रीलंका में 15 और भारत में 20 की औसत से रन बनाए हैं। पंत ने अमेरिका में 16, न्यूजीलैंड में 22 और यूएई में 32 की औसत से रन बनाए।

66 मैचों में सिर्फ 3 हाफ सेंचुरी - पंत ने अब तक 66 टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं और सिर्फ तीन बार 50 रन का आंकड़ा पार कर पाए हैं। ऐसा नहीं है कि बल्लेबाजी ऑर्डर में काफी नीचे मौका मिलने के कारण ऐसा हो रहा है। 66 में से 38 मैचों में उन्हें टॉप-4 में बैटिंग करने का मौका मिला है, लेकिन वे कामयाब नहीं हो पाए।

बतौर ओपनर और भी बेकार प्रदर्शन - मिडिल ऑर्डर में लगातार नाकामी के बाद पंत को बतौर ओपनर भी कई मौके मिले, लेकिन वे इस भूमिका में और भी फिसड्डी साबित हुए हैं। पंत ने अब तक 5 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में ओपनिंग की है और 14.20 की औसत से सिर्फ 71 रन बनाए हैं। इसी तरह नंबर-3 पर भी वे कोई कमाल नहीं कर पाए। उन्हें 6 बार तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। इनमें वे 29.25 की औसत से सिर्फ 117 रन ही बना पाए।

पंत के कारण नहीं मिल रहा सैमसन को मौका - एक ओर लगातार फ्लॉप होने के बावजूद ऋषभ पंत को मौके मिल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर संजू सैमसन बेंच पर बैठने को मजबूर हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए भी सैमसन को स्क्वॉड में रखा गया था, लेकिन उन्हें एक मैच में भी मौका नहीं मिला।

आईपीएल में खूब चलता है बल्ला - पंत जब भी भारत के लिए मैदान में खेलने उतरते हैं वह ज्यादातर बार फ्लॉप ही रहते हैं। लेकिन, इंडियन प्रीमियर लीग में फ्रेंचाइजी टीम से खेलते हुए उनके बल्ले से खूब रन निकलते हैं। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स से खेलते हुए पंत ने अब तक 98 मैचों में 147.97 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। उन्होंने इस दौरान 34.61 के औसत से 2,838 रन बनाए।

इतिहास का एक महानायक

लाचित बरफुकन

■ राकेश शर्मा

लाचित बरफुकन आहोम साम्राज्य के सेनापति थे। जिन्होंने मुगलों के खिलाफ जमकर लड़ाई लड़ी थी। मुगलों को असम राज्य से बाहर निकालने और असम राज्य के लोगों की सुरक्षा करने में लाचित बरफुकन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लाचित अपने वीर कार्यों के कारण देशभर में एक साहसी और प्रेरणादायक व्यक्ति के रूप में निखर कर आए। उन्होंने शराइघाट की लड़ाई में मुगलों के खिलाफ लड़ने वाली सेना का नेतृत्व किया। लाचित बरफुकन एक बहादुर सैनिक थे, जिन्होंने असम राज्य अथवा समाज के समक्ष एक महत्वपूर्ण उदाहरण पेश किया। लाचित बरफुकन और आहोम आर्मी के प्रधान सेनापति थे। उनका जन्म 24 नवंबर 1622 को वर्तमान असम में स्थित आहोम साम्राज्य में हुआ था। उनके पिता मोमाई तामुली बरबरुआ, जो कि ऊपरी-असम के राज्यपाल और अहोम सेना के प्रधान सेनापति थे। उनकी माता का नाम कुंती मोरान था। वह अपने माता-पिता के सबसे छोटे बेटे थे। मानविकी और सैन्य रणनीतियों में अपना अध्ययन पूरा करने के बाद, उन्हें आहोम राजा के सालधारा बरुआ के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें अन्य महत्वपूर्ण पदों जैसे-अस्तबल में शाही घोड़ा के अधीक्षक और गृह रक्षक के में नियुक्त किया गया था। मुगल सम्राट औरंगजेब ने असम के खिलाफ अभियान का नेतृत्व करने के लिए प्रसिद्ध राजपूत सेनापति राम सिंह को नियुक्त किया। 1669 में राम सिंह 18,000 से अधिक सैनिकों के साथ असम पहुंचे और युद्ध शुरू हो गया। लेकिन राम सिंह आहोम सेना को तोड़ने में असफल रहे। एक दिन राम सिंह की सेना ने 10,000 आहोम सैनिकों को मार डाला, इससे आहोम सैनिकों को भारी झटका लगा और वे अपने आप को हतोत्साहित महसूस करने लगे। दूसरी ओर, लाचित बीमार पड़ गया। राम सिंह इस स्थिति का लाभ उठाना चाहते थे और शराइघाट में ब्रम्हपुत्र के जल पर एक नौसैनिक युद्ध के माध्यम से आहोम की रक्षा को तोड़ने में लगभग सफल रहे। बीमारी के बावजूद लाचित नाव पर सवार हो गए और युद्ध में शामिल हो गए। लाचित की वीरता को देखकर उनके सैनिकों ने प्रेरणा ली और युद्ध करने लगे और राम सिंह को हरा दिया। राम सिंह ने 5 अप्रैल 1671 को असम छोड़ दिया। इसी लिए प्रत्येक वर्ष 24 नवंबर को असम में लाचित बरफुकन की वीरता और शराइघाट की लड़ाई की जीत का जश्न मनाने के लिए लाचित दिवस मनाया जाता है। उनकी बहादुरी और उनके योगदान के लिए, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के सर्वश्रेष्ठ कैडेट को लाचित बरफुकन स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाता है। लाचित बरफुकन के मैदान का निर्माण सन् 1672 में स्वर्गदेउ उदयादित्य सिंघा द्वारा लाचित बरफुकन की स्मृति में किया गया था। जो वर्तमान में जोरहाट में स्थित हैं। लाचित बरफुकन दिवस हर साल कई तरीके से बनाया जाता है। असम राज्य में विद्यालयों में गीत गाकर, निबंध प्रतियोगिताओं के माध्यम से इस दिवस का आयोजन किया जाता है। लाचित की मृत्यु 50 वर्ष की आयु में बीमारी के कारण 1672 में हो गई। लेकिन अपनी महान वीरता, देशभक्ति और कर्तव्यपरायणता के साथ लाचित आज भी असम के इतिहास के नायक बने हुए हैं। वर्तमान समय में लाचित बरफुकन को असम के इतिहास का एक महानायक माना जाता है। इनके जीवन की कहानी भारत के समस्त नागरिकों को प्रेरणा प्रदान करती है।

जालुकबाड़ी में मनाई जाएगी महावीर लाचित बरफुकन की जयंती

गुवाहाटी (हि.स.)। महावीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती पूरे राज्य में साप्ताहिक कार्यक्रमों के तहत मनाई जा रही है। इस कड़ी में गुरुवार को गुवाहाटी के जालुकबाड़ी, फैंसी बाजार लाचित घाट समेत कई जगहों में धूमधाम से जयंती मनाने की तैयारी की गई है। जालुकबाड़ी स्थित लाचित उद्यान में वीर लाचित की जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सुबह राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी वीर लाचित बरफुकन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। कामरूप (मेट्रो) के एडीसी बिक्रम छेत्री और लक्ष्यजीत दुवरा ने बुधवार को लाचित उद्यान का दौरा किया। उन्होंने कहा कि गुरुवार सुबह पुष्पांजलि समारोह के बाद पूरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे पार्क को पूरे दिन लोगों के लिए खुला रखने पर विचार कर रहे हैं और स्वच्छता के लिए नागरिक समिति से परामर्श करेंगे।

लाचित दिवस के अवसर पर पदयात्रा का आयोजन

গুवाहाटी (हि.स.)। महावीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती गुरुवार को पूरे राज्य में भव्य रूप में आयोजित करने की तैयारी की गई है। वीर लाचित की जयंती के अवसर पर पूरे राज्य के विभिन्न हिस्सों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस कड़ी में गुवाहाटी के लंकेश्वर स्थित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में भी वीर लाचित की जयंती मनाई जाएगी। जयंती के मद्देनजर आज कॉलेज के शिक्षकों और छात्रों द्वारा एक पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा कॉलेज से आरंभ होकर एनएच-37 से होते हुए सात माइल से लौटकर पुनः कालेज परिसर में संपन्न हुई। शोभायात्रा में कॉलेज के 200 से अधिक छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक शामिल हुए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**